दैनिक
लोकप्रदेश

RNI NO. MPHIN/2016/69135

वर्ष-10 | अंक-33 | प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, बुधवार 11 फरवरी 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-2 रुपये

मुख्यमंत्री डॉ.यादव की अध्यक्षता में न्यू पेंशन स्कीम 2026 को मंजूरी

तलाकशुदा पुत्री भी पेंशन की पात्र

भोपाल। मोहन यादव कैबिनेट ने वित्त वर्ष 2026-27 के बजट पर चर्चा के साथ प्रदेश में 2005 के बाद नियुक्त किए गए कर्मचारियों की परिवार पेंशन को लेकर कर्मचारी हित में फैसला किया है। कैबिनेट ने नेशनल पेंशन स्कीम में यह सुविधा दी है कि परिवार पेंशन के अंतर्गत अब तलाकशुदा बेटी भी पेंशन की हकदार होगी। अब तक यह व्यवस्था एमपी के कर्मचारियों के लिए लागू नहीं थी। 2005 के पहले नियुक्त कर्मचारियों के परिवारजनों को इस सुविधा का लाभ मिल रहा था, लेकिन 2005 के बाद नियुक्त कर्मचारियों के परिजन इससे वंचित थे।

पेंशन पाने वाले कर्मचारी की मृत्यु पर परिवार पेंशन प्रावधान

बताया गया कि पेंशन पा रहे कर्मचारी की मृत्यु की दशा में परिवार पेंशन का प्रावधान किया गया है। इसमें स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति और ई-सेवा पुस्तिका संबंधी प्रावधान किया गया है। साथ ही केन्द्र तथा मध्यप्रदेश शासन की पूर्व सेवाओं को जोड़ा जाएगा। निलंबन अवधि में अभिदाता तथा नियोक्ता के अंशदान का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के अंतर्गत अंशदान की दर, गणना एवं विलंब की स्थिति में उत्तरदायित्व निर्धारण के साथ सेवानिवृत्ति, स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति, त्यागपत्र एवं मृत्यु की दशा में निकास प्रावधान किया गया है।

न्यायालय कर्मचारियों को छूट

कैबिनेट ने उच्च न्यायालय और जिला न्यायालय के आईटी संवर्ग में कम्प्यूटर आपरेटर के रूप में कार्यरत कर्मचारियों को तकनीकी संवर्ग की चालू और भविष्य में होने वाली अनारक्षित वर्ग के लिए 40 वर्ष और आरक्षित वर्ग के लिए 45 वर्ष की आयु सीमा तय है।कैबिनेट द्वारा वर्ष 2026-27 से वर्ष 2030-31 तक जनजातीय कार्य और महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं की निरंतरता के लिए 7,133 करोड़ 17 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है।

मणिपुर के उखरुल में पांच दिन के लिए इंटरनेट बंद

उपद्रवियों ने 25 घर और चार सरकारी क्वार्टर फूंके

इंफाल। मणिपुर में नई सरकार बनने के एक हफ्ते के भीतर ही हिंसा भड़क गई। उपद्रवियों ने उखरुल जिले के लितान सरेइखोंग गांव में 25 घर और चार सरकारी क्वार्टर में आग लगा दी। हिंसा के बाद पूरे जिले में कर्फ्यू लागू कर दिया गया। 10 फरवरी की सुबह 11:30 बजे से अगले पांच दिनों के लिए इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं। तांगखुल और कुकी जनजातियों के बीच हिंसक झड़प के बाद इलाके में सिक्योरिटी फोर्स मौजूद हैं।

लितान में आगजनी

उखरुल जिले के लितान इलाके के आसपास गांवों में उपद्रवियों ने कई घरों में आग लगा दी। पुलिस ने बताया कि हिंसा के दौरान राइफल से गोलियां भी चलाई गईं। इलाके में दहशत फैलने के बाद कर्फ्यू लागू किया गया। स्थिति फिलहाल तनावपूर्ण है, लेकिन भारी सुरक्षा तैनाती के चलते काफी हद तक कंट्रोल में है। तनाव बढ़ने की आशंका के बीच लोगों ने बिना किसी प्रशासनिक मदद के अपने स्तर पर ही घर छोड़ना शुरू कर दिया है।

शबाना महमूद ब्रिटेन की पहली मुस्लिम प्रधानमंत्री बन सकती है

लंदन। अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़े विवादों के कारण ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की कुर्सी खतरे में है। अब उनकी अपनी लेबर पार्टी के एक धड़े ने ही इस्तीफे की मांग कर दी है। हालांकि स्टार्मर अभी पद छोड़ने से इनकार कर रहे हैं।इस बीच, नए प्रधानमंत्री पद की होड़ में गृह मंत्री शबाना महमूद के साथ ही स्वास्थ्य मंत्री वेस्ट स्ट्रीटिंग और पूर्व उपप्रधानमंत्री अंगेला रेनर का नाम सामने आ रहा है। कश्मीरी मूल की शबाना महमूद के मीरपुर से हैं। वह ब्रिटेन की गृह मंत्री बनने वाली पहली मुस्लिम महिला हैं। अगर वह प्रधानमंत्री बनती हैं, तो ब्रिटेन की पहली मुस्लिम प्रधानमंत्री भी होंगी। दरअसल, ब्रिटेन में एपस्टीन फाइल से जुड़े विवाद की वजह से पीएम स्टार्मर के सबसे भरोसेमंद सहयोगी और डाउनिंग स्ट्रीट के चीफ ऑफ स्टाफ मॉर्गन मैकस्वीनी को इस्तीफा देना पड़ा है।

लोकसभा स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस पेश

ओम बिरला का लोकसभा में ना जाने का फैसला; 9 मार्च को प्रस्ताव पर चर्चा होगी

नई दिल्ली. विपक्ष ने मंगलवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस पेश कर दिया। इसमें 118 सांसदों के हस्ताक्षर हैं। न्यूज एजेंसी सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि ओम बिरला अब लोकसभा नहीं जाएंगे। अविश्वास प्रस्ताव के गिरने के बाद ही वह स्पीकर की चेयर संभालेंगे। एजेंसी के मुताबिक विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर सदन में 9 मार्च को चर्चा हो सकती है। 13 फरवरी को बजट सत्र के वर्तमान सेशन का आखिरी दिन है। इसके बाद 8 मार्च से सदन की कार्यवाही फिर से शुरू होगी। इससे पहले बजट सत्र के 10वें दिन संसद दो बार स्थगित हुई। दोपहर 2 बजे से संसद की कार्यवाही शुरू हो सकी। शशि थरूर ने बजट पर चर्चा की शुरुआत की।

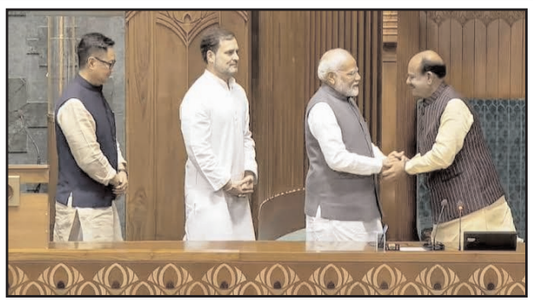

नए लेबर कोड लेबर के ही पक्ष में नहीं है

अखिलेश यादव ने कहा कि इस डील और ढील के बाद रुपये का क्या हाल होगा सरकार बताए। यादव ने कहा कि सरकार उद्योगपतियों के साथ खड़ी है। ये लेबरकोड लाए जो लेबर के पक्ष में ही नहीं है।उन्होंने कहा कि सरकार अपना आवंटित बजट ही खर्च नहीं कर रही है। पीएम ने गोद लिए गांव को अनाथ छोड़ दिया। सरकार मेरे सवालों का जवाब दे। सभी क्षेत्र की रैंकिंग में हम काफी नीचे आ गए हैं।

चीन के सवाल पर ये भड़क जाते हैं

अखिलेश यादव ने कहा कि चीन के सवाल पर ये भड़क जाते हैं। वो हमारी जमीन पर नजर रखे है। सरकार इसपर सख्त फैसला ले। उन्होंने कहा कि मेक इन इंडिया का शेर जंग खा रहा है। सभी योजनाएं फेल हो रही हैं। आप बेरोजगारी नहीं खत्म कर पा रहे हैं।वित्त मंत्री को मनरेगा पर सदन में स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। आपने नाम रखा लेकिन आप राम जी का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिन्होंने गोली चलाई वे मंदिर बना रहे हैं। आप कहते हैं कि गाय की सेवा करो लेकिन यूपी का गाय के दूध का प्लांट बंद कर दिया। आप बताएं आय कब दोगुनी हुई।

अविश्वास प्रस्ताव के नोटिस की जांच के लिए कहा

स्पीकर ओम बिरला ने मंगलवार को लोकसभा सेक्रेटरी जनरल उत्पल कुमार सिंह को विपक्ष द्वारा उन्हें पद से हटाने का प्रस्ताव लाने के लिए दिए गए नोटिस की जांच करने का निर्देश दिया।क्योंकि उन्होंने नेता विपक्ष राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर सदन में बोलने की अनुमति नहीं दी थी.

असम में फाइनल वोटर लिस्ट पब्लिश, 2.43 लाख नाम हटे

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने मंगलवार को असम में हुए स्पेशल रिवीजन 2026 के तहत फाइनल वोटर लिस्ट जारी कर दी। श्वष्ट के मुताबिक, ड्राफ्ट वोटर लिस्ट की तुलना में 2.43 लाख से ज्यादा नाम हटाए गए हैं। अब राज्य में कुल 2,49,58,139 वोटर्स रजिस्टर्ड हैं। ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में मतदाताओं की संख्या 2,52,01,624 थी। स्पेशल रिवीजन प्रक्रिया के बाद लिस्ट में 2,43,485 नाम हटाए गए हैं। अब फाइनल लिस्ट में 1,24,82,213 पुरुष, 1,24,75,583 महिलाएं और 343 थर्ड-जेंडर शामिल हैं।

13 से ठंडी हवाएं बढ़ाएंगी ठंड

एमपी में सर्दी से राहत, फिर लौटेगी ठिठुरन, दो दिन चढ़ेगा पारा

भोपाल, ब्यूरो

मध्य प्रदेश में कड़ाके की ठंड से फिलहाल थोड़ी राहत मिलने वाली है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले दो दिन प्रदेश में तापमान बढ़ेगा और दिन में सर्दी का असर कम रहेगा। इस दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान में करीब 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी दर्ज की जा सकती है। हालांकि यह राहत ज्यादा दिन टिकने वाली नहीं है।मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि जैसे ही पहाड़ी इलाकों में सक्रिय सिस्टम आगे बढ़ेगा और बर्फ पिघलने की प्रक्रिया तेज होगी, वैसे ही उत्तर भारत से आने वाली ठंडी हवाएं एक बार फिर प्रदेश में ठंड बढ़ा देंगी। फरवरी महीने में मौसम का मिजाज बार-बार बदलता रहेगा। फिलहाल प्रदेश में बारिश की कोई संभावना नहीं है। सोमवार को भोपाल, इंदौर, उज्जैन सहित प्रदेश के ज्यादातर शहरों में दिनभर तेज धूप खिली रही। इसका असर अधिकतम तापमान पर साफ दिखा। हालांकि रात और तड़के सुबह ठंड का असर बना रहेगा।

सिस्टम की वजह से बदल रहा मौसम

मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण-पश्चिम राजस्थान के ऊपर साइक्लोनिक सर्कुलेशन सक्रिय है। उधर पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी और बारिश का अनुमान है। इसी वजह से प्रदेश में अगले दो दिन तापमान बढ़ेगा। लेकिन सिस्टम के गुजरते ही मौसम फिर करवट लेगा।

सोना-चांदी में तेज गिरावट..

निवेशकों का रुख बदला, मल्टी एसेट फंड बने नया सहारा

नई दिल्ली, एजेंसी

पिछले कुछ महीनों में तिहरे अंकों में रिटर्न एवं आगे और तेजी की उम्मीद से निवेशकों ने चांदी में जमकर निवेश किया। लेकिन, हाल के दिनों में चांदी की कीमतों में एक ही दिन में आई 25 फीसदी की भारी गिरावट से निवेशकों में दहशत फैल गई। चांदी से सावधान रहने वाले निवेशकों ने सोने को चुना, जिसकी कीमतों में भी पिछले कुछ कारोबारी सत्रों में भारी गिरावट देखने को मिली है। सोने और चांदी की कीमतों में भारी गिरावट के बीच निवेशकों ने मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स का विकल्प चुना। विश्लेषकों का कहना है कि निवेशकों को ऐसे म्यूचुअल फंड्स का विकल्प चुनना चाहिए, जो कमोडिटी और इक्विटी में निवेश का मिश्रण प्रदान करते हैं।?इससे पोर्टफोलियो में विविधता और संतुलन आती है और जोखिम कम होता है। जैसे मल्टी एसेट एलोकेशन म्यूचुअल फंड्स। मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स कम से कम तीन अलग-अलग परिसंपत्ति वर्गों इक्विटी, ऋण और कमोडिटीज में निवेश करते हैं। इसमें सोना और चांदी भी शामिल हैं, जिनमें हाल के दिनों में भारी उतार-चढ़ाव दिखा है। सेबी के तय निर्देशों के मुताबिक, मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स के लिए कम से कम 10 फीसदी निवेश तीन एसेट क्लास में करना अनिवार्य है। फंड मैनेजरों को किसी भी समय एसेट क्लास के प्रदर्शन के आधार पर निवेश मिश्रण तय करने की स्वतंत्रता होती है।

महाराष्ट्र जिला परिषद चुनाव

अजित के निधन से बदले राजनीतिक समीकरण, एनसीपी ने जीतीं 172 सीटें

पुणे, एजेंसी

अजित पवार के निधन के बाद महाराष्ट्र के जिला परिषद चुनावों में राजनीतिक समीकरणों में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिला है। उनकी एनसीपी ने 12 जिला परिषदों में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरकर सामने आई है। सहानुभूति की लहर के दम पर अजित पवार गुट की एनसीपी ने पूरे राज्य में 172 सीटें जीती हैं, जिससे विशेष रूप से पुणे जिले और पश्चिमी महाराष्ट्र के हिस्सों में पार्टी का प्रभाव बढ़ता दिख रहा है। वहीं, भारतीय जनता पार्टी ने 12 जिला परिषदों में हुए चुनावों में 225 सीटें जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि एकनाथ शिंदे की शिवसेना को 162 सीटें मिलीं। कांग्रेस को 55 सीटें, उद्धव ठाकरे की शिवसेना को 46 सीटें और एनसीपी के शरद पवार गुट को राज्य भर में 21 सीटें मिली हैं। पश्चिमी महाराष्ट्र में एनसीपी के प्रति मतदाताओं की सहानुभूति साफ देखी गई।

सतारा में बीजेपी की बढ़त

सतारा में मुकाबला बेहद कड़ा रहा। यहां बीजेपी ने उदयनराजे भोसले और शंभूराजे देसाई के नेतृत्व में 23 सीटें जीतकर बड़ी बढ़त बनाई। शिवसेना को 13 और एनसीपी को 21 सीटें मिलीं। कोल्हापुर में भी एनसीपी ने अपनी प्रासंगिकता बरकरार रखते हुए 20 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस ने 14 और बीजेपी ने 12 सीटों पर जीत दर्ज की।

टाइगर रिजर्व | शारीरिक रूप से कमजोर होने के बाद भी जंगल में कर रही संघर्ष, संरक्षण की जीवंत मिसाल बनी

पेंच में 17 साल की 'लंगड़ी बाघिन' 10 शावकों को दे चुकी जन्म

भोपाल (एजेंसी)

पेंच टाइगर रिजर्व के जंगलों में आज भी एक ऐसी बाघिन मौजूद है, जो उम्र, कमजोरी और संघर्ष के बावजूद बाघ संरक्षण की सबसे सशक्त कहानी लिख रही है। पेंच की सबसे उम्रदराज और प्रसिद्ध बाघिनों में शामिल पीएन 20 (टी-20) को हाल ही में एक बार फिर पेंच क्षेत्र में कर्माझिरी रेंज के पर्यटन क्षेत्र में देखा गया।

मई, 2008 में जन्मी यह बाघिन अब लगभग 17 वर्ष 7 माह की हो चुकी है। जंगल में इतनी अधिक आयु तक जीवित रहना अपने आप में असाधारण उपलब्धि मानी जाती है। टी-20 विश्वविख्यात कॉलरवाली बाघिन की सहोदर बहन है और वर्षों तक कर्माझिरी परिक्षेत्र के लगभग 70 प्रतिशत क्षेत्र में इसका प्रभावी विचरण रहा है। इस तरह टी-20 ने अपने जीवनकाल में कुल 10 शावकों को जन्म दिया, जिन्होंने पेंच टाइगर रिजर्व और इसके आसपास के जंगलों में अपने-अपने क्षेत्र स्थापित कर बाघों की संख्या बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसका अंतिम शावक पीएन 165 (लक्ष्मी) वर्तमान में भी कर्माझिरी परिक्षेत्र में सक्रिय रूप से विचरण कर रहा है।

'लंगड़ी बाघिन' से बनी पहचान

टी-20 की चाल हमेशा से अलग रही है। सामने के पंजे से थोड़ा अलग ढंग से चलने के कारण पर्यटकों के बीच यह बाघिन लंगड़ी बाघिन के नाम से प्रसिद्ध हो गई। वर्षों तक सफारी मार्गों पर इसकी मौजूदगी पेंच टाइगर रिजर्व की पहचान का हिस्सा रही।

बाघों की वंश वृद्धि में अहम भूमिका

पीएन 20 का प्रजनन इतिहास पेंच टाइगर रिजर्व के संरक्षण प्रयासों की बड़ी सफलता और बाघों की वंशवृद्धि में अहम भूमिका को दर्शाता है। बाघिन ने पहली बार साल 2012 में दो मादा शावकों को जन्म दिया था। वह साल 2016 में तीन शावक (एक नर, दो मादा), 2019 में चार नर शावक और साल 2021 में एक मादा शावक को जन्म दे चुकी है।

उम्र ने छीनी ताकत, हौसला कायम

अत्यधिक आयु के कारण टी-20 अब शारीरिक रूप से कमजोर हो चुकी है और स्वयं शिकार करने में असमर्थ मानी जा रही है। इसके बावजूद जंगल का प्राकृतिक तंत्र इसे सहारा दे रहा है। अन्य बाघों या तेंदुओं द्वारा छोड़े गए शिकार और छोटे वन्य प्राणियों से इसे समय-समय पर भोजन मिल जाता है, जिससे इसका जीवन संघर्ष जारी है।

पेंच में अनुकूल व्यवस्थाएं प्रभावी

वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार, पी.एन. 20 केवल एक बाघिन नहीं, बल्कि पेंच टाइगर रिजर्व की जैव विविधता और सफल संरक्षण नीति की जीवंत मिसाल है। इतनी लंबी उम्र तक सुरक्षित रहना यह साबित करता है कि पेंच में बाघों के लिए अनुकूल आवास, निगरानी और संरक्षण व्यवस्था प्रभावी है। आज टी-20 की हर झलक सिर्फ रोमांच नहीं, बल्कि यह संदेश भी देती है कि सही संरक्षण से जंगल अपने सबसे पुराने नायकों को भी जीवन का सम्मान देता है।

डबरा में कलश बांटते वक्त भगदड

डबरा। मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले के डबरा में नवग्रह मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में कलश यात्रा शुरू होने से पहले भगदड़ मच गई। इसमें 70 वर्षीय महिला रति साहू की मौत हो गई। बच्ची समेत 8 लोग घायल हो गए हैं। इनमें से एक की हालत गंभीर है। ग्वालियर रेफर किया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक भगदड़ तब मची जब कलश यात्रा से पहले कलश बांटे जा रहे थे। इसी दौरान पुलिसकर्मियों ने अचानक स्टेडियम का गेट खोल दिया, जिससे भीड़ बेकाबू हो गई। महिलाएं एक दूसरे पर गिर गईं। वहीं मृतक महिला की बहू ने बताया कि पुलिसकर्मियों की लापरवाही से हादसा हुआ। भीड़ को कंट्रोल नहीं किया गया। इसी वजह से सास रति साहू को भीड़ कुचलते निकल गई। घायल सास को अस्पताल लेकर गए, तो डॉक्टर्स ने लापरवाही बरती।

एक महिला की मौत, बच्ची समेत 8 घायल; महिलाओं को कुचलते निकली भीड़, पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा कार्यक्रम के आयोजक

शिव केवल पूज्य नहीं, वे जीने की कला है : ब्रह्मचारी विशुद्धानंद

नगर संवाददाता, सतना।

शिवपुराण कथा के अंतिम दिन का दृश्य श्रद्धा, भाव और वैराग्य से सराबोर था। जैसे-जैसे कथा का समापन निकट आया, पंडाल में उपस्थित श्रद्धालुओं के हृदयों में एक अद्भुत शांति और भावुकता उतरती चली गई। ब्रह्मचारी विशुद्धानंद जी महाराज की ओजस्वी वाणी, गंभीर भाव और सरल किंतु गूढ़ व्याख्या ने शिवभक्तों को आत्मिक यात्रा के अंतिम पड़ाव तक पहुँचा दिया।

अंतिम दिन की कथा में महाराज श्री ने भगवान शिव के चरित्र को केवल देवत्व तक सीमित न रखकर जीवन-दर्शन के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि शिव त्याग हैं, शिव तप हैं और शिव ही जीवन के समस्त द्वंद्वों के बीच संतुलन का मार्ग हैं। शिवपुराण के प्रसंगों को जोड़ते हुए उन्होंने कहा कि जो उक्त ज्ञान मई मंदाकिनी का प्रभाह मां मादा नदी के तट पर बसे ग्राम डोडिया मिश्रान में हो रहा था शिव पुराण की कथा का वाचन डॉ बृजेश नाथ ओझा जी महाराज द्वारा किया जा रहा था लेकिन कथा की आखिरी दिन विख्यात कथा वाचक ब्रह्मचारी विशुद्धानंद जी महाराज ने शिव

सेमरिया चौराहा से कलेक्ट्रेट तक निकाली रैली, प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

यूजीसी नियमों के समर्थन व ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण की मांग को लेकर संयुक्त मोर्चा की रैली

नगर संवाददाता, सतना।

यूजीसी बिल-2026 के समर्थन में एससी, एसटी, ओबीसी एवं माइनॉरिटी संयुक्त मोर्चा के तत्वावधान में व्यापक प्रदर्शन किया गया। मोर्चा द्वारा महामहिम राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए यूजीसी बिल पर लगाए गए स्टे को तत्काल समाप्त कर उसे यथावत लागू करने की मांग की गई। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि बिल में किसी भी प्रकार के संशोधन के लिए समिति गठित करना स्वीकार्य नहीं होगा। ज्ञापन में प्रस्तावित जातिगत जनगणना के फॉर्मेट में ओबीसी का कॉलम शामिल करने तथा मध्यप्रदेश में ओबीसी वर्ग के लिए रोकी गई 13 प्रतिशत आरक्षण व्यवस्था को बहाल करते हुए कुल 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करने और उसे संविधान की अनुसूची-9 में शामिल करने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई। मोर्चा का कहना था कि ये मांगें सामाजिक न्याय और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा से जुड़ी हैं। संयुक्त मोर्चा के बैनर तले विभिन्न समाजों के पदाधिकारी सेमरिया चौक पर एकत्र हुए, जहां उन्होंने डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद संक्षिप्त उद्बोधन के पश्चात पदयात्रा बाजार के प्रमुख मार्गों से होती हुई कलेक्ट्रेट पहुंची, जहां प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया।

आरोप : संविधान में परिवर्तन की शुरुआत

मोर्चा के पदाधिकारियों ने अपने संबोधन में आरोप लगाया कि यूजीसी बिल-2026 के नए नियमों में धारा 3(1)(सी) को परिभाषित कर संविधान में परिवर्तन की प्रक्रिया की शुरुआत की जा रही है। उन्होंने कहा कि एक ओर जातिगत भेदभाव को नकारते हुए सुप्रीम कोर्ट में बिल के खिलाफ स्टे लिया गया, जबकि दूसरी ओर सडक़ों और सोशल मीडिया पर देश के प्रधानमंत्री को जातिगत भाषा में संबोधित कर विरोध करने वालों की मानसिकता उजागर हो रही है। पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि यूजीसी बिल को वापस लिया गया या उसके स्वरूप में किसी भी तरह का बदलाव किया गया, तो भविष्य में इसी तर्क के आधार पर जातिगत जनगणना को रोकने और आरक्षण समाप्त करने के प्रयास किए जाएंगे। इसे उन्होंने संविधान के मूल ढांचे पर सीधा हमला बताया और दो टूक कहा कि यूजीसी बिल के स्वरूप में किसी भी प्रकार का परिवर्तन उन्हें मंजूर नहीं है। कलेक्ट्रेट में ज्ञापन सौंपते समय मोर्चा ने यह भी घोषणा की कि यदि जनभावना के अनुरूप निर्णय नहीं लिया गया तो 15 मार्च 2026 से प्रदेश के प्रत्येक जिले में जेल भरो आंदोलन शुरू किया जाएगा। इसके तहत एससी, एसटी और ओबीसी समाज के सामाजिक कार्यकर्ता जिला मुख्यालयों पर स्थान चिन्हित कर घर त्याग अभियान के तहत क्रमश : अपनी गिरफ्तारियां देंगे। आंदोलन की अंतिम रणनीति प्रदेशभर के संयुक्त मोर्चा संगठनों से विचार-विमर्श के बाद तय की जाएगी।

ज्ञापन का वाचन, ये रहे मौजूद

यूजीसी बिल-2026 के समर्थन में सौंपे गए ज्ञापन का वाचन अधिवक्ता के.पी. पाल द्वारा किया गया। कलेक्टर की अनुपस्थिति में ज्ञापन एडीएम विकास सिंह को सौंपा गया। इस अवसर पर ज्ञानेन्द्र सिंह, रामकलेश साकेत, डॉ. दुर्योधन सिंह, रावेन्द्र सिंह पटवारी, राजकुमार कोल, विजय वर्मा, रामबहोरी प्रजापति, लौकेश लोधी, गौरीशंकर कुशवाहा, कमलेन्द सिंह, अखिलेश सिंह, गोरेलाल प्रजापति, ओमप्रकाश चौधरी सहित सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

बेहतर जीवन जियो...लंबा जीवन जियो विषय पर परिचर्चा सम्पन्न

नगर संवाददाता, सतना।

अंतर्राष्ट्रीय समाजसेवी संस्था रोटरी क्लब द्वारा स्वास्थ्य पर परिचर्चा आयोजित की गई। सभी गेस्ट स्पीकर्स डॉक्टरो द्वारा स्वास्थ्य से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। डॉ.रजनीश जायसवाल ने जिस प्रकार से ह्रदय से संबंधित हूरी, जल्दी करो, चिंता करो, करी खाओ से समझा दिया कि हमको किस प्रकार से अपने आप को बचाना है। डॉ. आलोक खन्ना ने आंत से संबंधित पूरी जानकारी दी। हमें किस प्रकार खान-पान से लेकर डेली लाइफ में संयमित होकर अपना पाचन तंत्र ठीक करना है। डॉ.कारखुर ने अपने व्याख्यान में आज की सबसे बड़ी समस्या है उसे बहुत ही हल्के-फुल्के अंदाज में अपनी चिर परिचित शैली में साझा किया। डॉ.अश्विन जैन ने व्याख्यान में बताया कि दांत स्वास्थ्य हेल्थ के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है। आज का खान पान खराब दांतों के लिए सबसे बड़ा जिम्मेदार है, आपने ब्रशिंग करने का तरीका, साथ ही दातुन का भी उपयोग करने की सलाह दी।

डॉ.आकाश छाबड़िया ने हेल्थ एक्सरसाइज प्रॉपर वे में करने का सही तरीका बताया,और साथ यह भी बताया की प्रतिदिन का जो भी समय आप नियत करें सही है परंतु प्रतिदिन एक्सरसाइज जरूर करें। डॉ.अरुणेश सिंह ने अपने क्लोजिंग रिमार्क में जीवन के प्रति सतर्क और जागरूक रहने पर अपने विचार रखे। क्लब के अध्यक्ष डॉ.सुनील अग्रवाल ने सभी उपस्थित वक्ताओं और सदस्यों का स्वागत किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ वी के गांधी रहे सभी का आभार सचिव पवन गुप्ता ने किया। कार्यक्रम की जानकारी रोटरी पब्लिक इमेज चेयरमैन हरिओम गुप्ता द्वारा दी गई उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रम निश्चित ही रोटरी भावनाओं के अनुरूप रहा। परिचर्चा में शहर के प्रतिष्ठित डॉक्टर रोटरी रोटरेक्ट इनर व्हील क्लब के सदस्य उपस्थित रहे हैं।

अवनीश भार्गव का सेवादल कार्यकर्ताओं ने चुनरी पहनाकर किया स्वागत

नगर संवाददाता, सतना।

मप्र कांग्रेस सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष अवनीश भार्गव का मैहर रेल्वे स्टेशन में आत्मीय स्वागत किया गया। तत्पश्चात् सेवादल के पूर्व अध्यक्ष कामता प्रसाद मिश्र के निज निवास में आयोजित सुन्दरकांड के भक्तिरस में शामिल होने के पश्चात् चुनरी व सूत की माला से स्वागत किया। प्रदेश कांग्रेस सेवादल के सचिव रामप्रताप कुशवाहा 'लाला' ने बताया कि इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी मैहर के अध्यक्ष धर्मेश घई, मैहर सेवादल के अध्यक्ष अरूणतनय मिश्रा, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष रमेश प्रजापति, पूर्व अध्यक्ष केशव चौरसिया, प्रभात द्विवेदी, महेन्द्र पटेल, सेवादल की महिला अध्यक्ष सुषमा अरजरिया, ब्लाक अध्यक्ष मुकेश सेन, ऋषिकेश पाण्डेय, कोदूलाल रजक, सुनील कोरी, मुमताज मोहम्मद, राजू कुशवाहा, उमाशंकर तिवारी, मुलाई चौधरी, विनोद कुशवाहा, महेन्द्र रजक, अंबोजनयन मिश्र सहित सेवादल परिवार व कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

किसान नीलगाय-बंदरों से परेशान

चित्रकूट। जिले में नीलगाय और बंदरों से फसलों को हो रहे भारी नुकसान के विरोध में किसान यूनियन ने सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर में एकदिवसीय धरना प्रदर्शन किया। इस धरने की अगुवाई किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष राम सिंह ने की। प्रदर्शन को देखते हुए कलेक्ट्रेट परिसर और आसपास के तीन स्थानों पर पुलिस बल तैनात रहा। धरने को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष राम सिंह ने बताया कि जिले के किसान लंबे समय से नीलगाय और बंदरों के आतंक से जूझ रहे हैं। खेतों में खड़ी फसलें लगातार चौपट हो रही हैं, लेकिन वन विभाग इस गंभीर समस्या पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा कि कई बार शिकायत करने के बावजूद आज तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है। राम सिंह ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही किसानों की समस्या का समाधान नहीं किया गया तो यह आंदोलन बड़े धरना-प्रदर्शन और उग्र रूप ले सकता है।

प्रिज़्म की लेडीज क्लब ने किया सलाद मेकिंग कम्पटीशन का आयोजन

नगर संवाददाता, सतना।

प्रिज़्म जॉनसन लिमिटेड के शारदा लेडीज क्लब द्वारा श्रीमती सुनीता सिंह की अध्यक्षता में सलाद मेकिंग कम्पटीशन का आयोजन किया गया। जिसमें क्लब की सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी पाक कला का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल के सदस्य कर्नल मनीष प्रसाद और श्रीमती संगीता वर्मा रहे। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्रीमती संगीता चैधरी, द्वितीय स्थान श्रीमती आकांक्षा जगाती और तृतीय स्थान श्रीमती किरन सिंह ने प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गई। उपरोक्त आशय कि जानकारी प्रिज़्म जॉनसन लिमिटेड के देवेन्द्र मिश्रा डीजीएम सीएसआर एवं जनसंपर्क अधिकारी ने दी।

सांसद ने राजस्थान सरकार की पहल को बताया अनुकरणीय

नगर संवाददाता, सतना।

लोकसभा संख्या 18वें के सातवें सत्र में नियम 377 के तहत सतना से सांसद गणेश सिंह ने शहरी क्षेत्रों में बढ़ती बेरोजगारी और युवाओं के सशक्तिकरण का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने कहा कि शहरी और शहरी क्षेत्रों में युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसरों का सृजन आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। सांसद ने मई 2025 में जारी आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) का हवाला देते हुए बताया कि देश के शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर 17.9 प्रतिशत रही है। यह दर भले ही पूर्ववर्ती अवधियों की तुलना में कम हो, लेकिन यह स्पष्ट संकेत देती है कि शहरी युवाओं, विशेषकर असंगठित एवं अकुशल वर्ग के लिए सुरक्षित और स्थायी रोजगार अवसर अभी भी पर्याप्त नहीं हैं।

इस संदर्भ में उन्होंने राजस्थान सरकार द्वारा शुरू की गई 'मुख्यमंत्री शहरी रोजगार गारंटी योजना' को एक अनुकरणीय पहल बताया। इस योजना के अंतर्गत 18 से 60 वर्ष की आयु के शहरी निवासियों को प्रति वर्ष 100 दिनों का गारंटीशुदा, श्रम-आधारित रोजगार प्रदान किया जाता है। योजना में पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, स्वच्छता एवं कचरा प्रबंधन, सार्वजनिक संपत्तियों का रख-रखाव, निर्माण से जुड़े कन्वर्जेन्स कार्य तथा सेवा-आधारित गतिविधियां शामिल हैं। सांसद ने कहा कि यह योजना शहरी गरीबों को केवल आय का साधन ही नहीं देती, बल्कि उन्हें सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा भी प्रदान करती है तथा शहरों के सतत विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती है। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह इस मॉडल का गंभीरतापूर्वक अध्ययन करे और मनरेगा की तर्ज पर एक राष्ट्रीय शहरी रोजगार गारंटी योजना शुरू करने पर विचार करे, जिससे शहरी बेरोजगारी को कम कर युवाओं को गरिमामय, सुरक्षित और संरचित रोजगार उपलब्ध कराया जा सके।

शहर की सड़कों का हाल बेहाल : बब्बल

सतना। मध्य भारत मोर्चा के जिला अध्यक्ष जसविंदर सिंह भाटिया बब्बल ने शहर की सड़कों की खराब हालत पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि सीवर लाइन के काम के दौरान ठेकेदार ने शहर की सड़कों का सत्यानाश कर दिया है, जिससे आम जनता को भारी परेशानी हो रही है। श्री भाटिया ने कहा कि सड़कों पर जगह-जगह गड्ढे और नुकीले पत्थर लोगों को गिरने का कारण बन रहे हैं। उन्होंने नगर निगम और जिला प्रशासन से मांग की है कि इन सड़कों का पुनर्निर्माण कराया जाए ताकि लोगों को आवागमन में आसानी हो। मध्य भारत मोर्चा के जिला अध्यक्ष ने कहा कि ठेकेदार की गैर जिम्मेदारी के कारण आम जनता को भारी परेशानी हो रही है और उन्होंने प्रशासन से इस मुद्दे पर कार्रवाई करने की मांग की है।

आरपीएल प्रतियोगिता में स्टेशन 11 व लोको ने दर्ज की जीत

नगर संवाददाता, सतना।

रेलवे मनोरंजन सदन के तत्वाधान में आयोजित आरपीएल क्रिकेट प्रतियोगिता में आज दो रोमांचक मुकाबले खेले गए। पहले मैच में स्टेशन 11 ने टीआरडी को 20 रनों से हराया, वहीं दूसरे मैच में लोको टीम ने आरपीएफ प्लस जीआरपी को 3 विकेट से पराजित किया।

पहला मुकाबला : स्टेशन 11 ने टीआरडी को हराया-टॉस जीतकर स्टेशन 11 के कप्तान राजेंद्र शर्मा ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। टीम ने निर्धारित 15 ओवर में 9 विकेट खोकर 121 रन बनाए। ऋषभ मिश्रा ने 24, पंकज तिवारी ने 23, राजेंद्र शर्मा ने 17 तथा राहुल सचान ने 13 रन का योगदान दिया। टीआरडी की ओर से विक्रम सिंह ने 4 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीआरडी की टीम 14 ओवर में 101 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। अंकित तिवारी ने 24 रन बनाए। स्टेशन 11 की ओर से पंकज तिवारी, उज्जवल कुमार, राहुल सचान व आदर्श ने 2-2 विकेट लिए। पंकज तिवारी को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

दूसरा मुकाबला : लोको ने 14 ओवर में लक्ष्य हासिल किया-दूसरे मैच में आरपीएफ प्लस जीआरपी ने 15 ओवर में 126 रन बनाए। कार्तिक ने 37 व सुरेंद्र ने 22 रन बनाए। लोको की ओर से गौतम और आनंद यादव ने 3-3 विकेट लिए। जवाब में लोको टीम ने 14 ओवर में 7 विकेट खोकर लक्ष्य प्राप्त कर लिया। गौतम ने 34 रन व 3 विकेट लेकर मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता।

मुख्य अतिथि व व्यवस्थाएं-पहले मैच में स्टेशन प्रबंधक अब्दुल मतीन तथा दूसरे मैच में सीनियर फ्यूल इंस्पेक्टर यूके पटेल मुख्य अतिथि रहे। स्कोरिंग आरके गुप्ता ने की, अंपायरिंग अवधेश व नीरज ने निभाई। मैच के दौरान स्टेशन 11 के पंकज तिवारी को सीने में चोट लग गई, जिन्हें तत्काल अस्पताल ले जाकर इलाज कराया गया।

कल के मैच : पहला मैच सुबह 10 बजे रीवा वॉरियर्स बनाम ऑपरेटिंग तथा दूसरा मैच दोपहर 1 बजे उचेहरा प्लस मैहर एकादश बनाम सतना 11पीवे खेला जाएगा।

आदर्श चौरसिया महिला मंच सतना ने किया हल्दी कुमकुम का आयोजन

नगर संवाददाता, सतना।

आदर्श चौरसिया महिला मंच सतना ने राष्ट्रीय प्रचार-प्रसार मंत्री ज्योति प्रवीण चौरसिया जी के मार्गदर्शन में एवं अध्यक्ष बबीता चौरसिया जी के नेतृत्व में स्थानीय संग्राम कॉलोनी स्थित रेणु चौरसिया जी के निवास स्थान में किया गया हल्दी कुमकुम का आयोजन सचिव रेणु चौरसिया जी ने बताया की इस अवसर पर ज्योति संतोष चौरसिया एवं मोनिका चौरसिया जी ने मिलकर हल्दी कुमकुम का आयोजन किया एवं सभी सदस्यों को सुहाग सामग्री एवं उपहार भेंट किया टीका लगा कर अध्यक्ष बबीता चौरसिया ने बसंत ऋतु के विषय में बताया और सभी ने मिलकर माँ सरस्वती की पूजा अर्चना की सभी पीले और लाल साड़ियों में सुन्दर लग रहे थे सभी ने मिलकर गेम भी खेला एवं अंत में स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठाते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष बबीता चौरसिया, सचिव रेणु चौरसिया, कोषाध्यक्ष कोमल चौरसिया पूर्व अध्यक्ष गीता चौरसिया, सह सचिव श्वेता चौरसिया जी, उपाध्यक्ष भारती चौरसिया डायरेक्ट ज्योति संतोष चौरसिया, संगीता चौरसिया, जयश्री चौरसिया, प्रियंका चौरसिया एवं ज्योति आदित्य चौरसिया उपस्थित रही।

भारतीय ब्राम्हण कल्याण महासंघ की बैठक में लिया गया निर्णय

महाशिवरात्रि पर ब्राम्हण भवन में होगा शिवपूजन व अभिषेक कार्यक्रम

नगर संवाददाता, सतना।

भारतीय ब्राम्हण कल्याण महासंघ के तत्वाधान में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर शिवपूजन एवं अभिषेक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में महासंघ की आवश्यक बैठक ब्राम्हण भवन परशुराम धाम डिलौरा बाईपास सतना में सम्पन्न हुई। बैठक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. रघुनाथ प्रसाद त्रिपाठी जी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि भगवान शंकर जी के मंदिर में 15 फरवरी, रविवार को महाशिवरात्रि के अवसर पर विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

संगोष्ठी के बाद प्रसाद वितरण

महासंघ द्वारा जानकारी दी गई कि 11 बजे से 12 बजे तक संगोष्ठी आयोजित होगी तथा दोपहर 12.30 बजे से 1.30 बजे तक प्रसाद वितरण का कार्यक्रम संपन्न होगा। महासंघ ने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में पहुंचकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है।

सुबह 8:30 बजे से होगा शिवपूजन

कार्यक्रम के अनुसार सुबह 8.30 बजे से 10 बजे तक शिवपूजन, शिर्वाचन एवं अभिषेक किया जाएगा। इसके बाद 10 बजे से 11 बजे तक हवन एवं आरती का आयोजन होगा।

बैठक में कई पदाधिकारी रहे मौजूद

बैठक में मुख्य रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. रघुनाथ प्रसाद त्रिपाठी, जिला अध्यक्ष पं. राजेश द्विवेदी, राष्ट्रीय महामंत्री पं. हरि प्रकाश गोस्वामी, पं. राजाराम त्रिपाठी (पूर्व महापौर), पं. रामदास मिश्रा, पं. श्रीकांत द्विवेदी, पं. डॉ. डी. के. तिवारी, पं. नरेन्द्र तिवारी, पं. आर.बी. चतुर्वेदी, पं. चंदिका त्रिपाठी, पं. रामाऔतार त्रिपाठी, पं. विश्वनाथ उपाध्याय, पं. श्रीराम मिश्रा एवं पं. गणेश प्रसाद पाण्डेय सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।महासंघ ने श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में शामिल होकर धार्मिक लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

फिल्मी गीत प्रतियोगिता 'स्वर संगम म.प्र. 2026' का अप्रैल में आयोजन

नगर संवाददाता, सतना।

गत दिनों सतना की सांस्कृतिक व सामाजिक संस्था यूथ कल्चरल क्लब की बैठक होटल उमा रेसीडेंसी में संस्था के संरक्षक महापौर योगेश ताम्रकार व अशोक सुखरामानी के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। जिसमें हिंदी फिल्मी गीतों की प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता 'स्वर संगम म.प्र. 2026' का आयोजन करने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम के संबंध में संस्था के जितेंद्र साबनानी ने जानकारी देते हुए बताया कि उक्त प्रतियोगिता आडीशन, सेमीफाइनल व फाइनल तीन चरणों में आयोजित की जायेगी व आडीशन सतना के अलावा म.प्र. के अन्य शहरों में भी लिए जायेंगे। आडीशंस में चयनित प्रतिभागी सेमीफाइनल में अपने सुरों की जंग छेड़ेंगे व उक्त सेमीफाइनल में से चयनित प्रतिभागी फाइनल में अपनी दमदार प्रस्तुतियां देंगे। प्रतियोगिता के लिए निर्णायक बाहर से आमंत्रित किये जायेंगे। प्रतियोगिता में जीतने वाले कलाकारों को चमचमाती ट्राफियां, नकद राशि व गिफ्ट हैम्पर्स संस्था द्वारा प्रदान किये जायेंगे। बाहर से आने वाले प्रतिभागियों के रुकने की व्यवस्था संस्था द्वारा की जायेगी।

बैठक में संस्था के मार्गदर्शक मनोहर डिगवानी, राजेश कोटवानी, अश्विनी गुप्ता,अवनीश श्रीवास्तव, जेठानंद वाधवानी, विशाल अग्रवाल, अनिल मोटवानी, विनोद गेलानी, संजय भांबरी, नीलांबर झा, संदीप तोलानी, मनोज नोतानी व मातृशक्ति राखी होतचंदानी, मोना चोपड़ा, मनीषा अग्रवाल,डाली भांबरी, सिमरन होतचंदानी उपस्थित रहे व सभी ने उक्त कार्यक्रम को धूमधाम व गरिमामय तरीके से कराने का निर्णय लिया।

संक्षिप्त समाचार

आशीषाचार्य आज बागेश्वरधाम में श्रीमद् भागवत कथा श्रवण करेंगे

रीवा। भागवताचार्य श्री आशीषाचार्य जी महाराज वृंदावनोपासक सुबह 10 बजे अपने निज निवास शशि कुंज रीवा से सड़क मार्ग से होते हुये बागेश्वर धाम छतरपुर के लिए रवाना होंगे। महाराज श्री दोपहर 3 बागेश्वर धाम में श्रीमद् भागवत कथा श्रवण करेंगे तदोपरांत स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे, महाराज श्री रात्रि विश्राम विराट नगर सतना में करेंगे तथा रात्रि सतना में एक निजी कार्यक्रम में शामिल होंगे।

मानस भवन में सत्संग विषय पर मानस संगोष्ठी आयोजित

रीवा। मानस भवन रीवा में मानस संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसका विषय सत्संग रखा गया। सर्वप्रथम गोस्वामी तुलसीदास की मूर्ति एवं राम दरबार के चित्र पर मालार्पण, दीप दीप प्रज्जवलन एवं आरती के साथ कार्यक्रम संगोष्ठी प्रारंभ हुई। संगोष्ठी का संचालन मानस मंडल के सचिव डॉक्टर संतोष कुमार अवधिया द्वारा किया गया। संगोष्ठी का विषय प्रवेश कराते हुए मानस मंडल के अध्यक्ष सुभाष बाबू पांडे ने कहा कि सुखमय परिवार, समाज एवं सुखमय देश बनाने के लिए रामचरितमानस के संबंध में पठन-पाठन का वातावरण बनाना आवश्यक है। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि की आसंदी को सुशोभित चित्रकूट से पधारे संत बाबा तुलसी ने किया। उन्होंने कहा कि रामचरितमानस में 40 बार सत्संग शब्द का उपयोग किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रभु को निर्मल मन ही पसंद है स्वर्ग में मीठा नहीं होता गाय का घी नहीं होता वहां कोई मरता नहीं अर्थात अमर है। उनके द्वारा लामकानी और हनुमान जी के प्रसंग को सत्संग के साथ परिभाषित करते हुए बताया कि सत्संग ही मनुष्य को श्रीमान बनाता है। संगोष्ठी में उपस्थित डॉक्टर प्रभाकर चतुर्वेदी ने कहा की सत्संग से हमारे जीवन में सत मार्ग में चलने का व्यक्तित्व निर्माण होता हैं।

वार्ड 1,2 व 3 में लगा वसूली शिविर

रीवा। नगर पालिक निगम, रीवा द्वारा वित्तीय वर्ष की समाप्ति को दृष्टिगत रखते हुए निगम आयुक्त डॉ0 सौरभ सोनवणे के निर्देश पर राजस्व वसूली, सम्पत्तिकर, जलकर एवं अवैध कॉलोनी शुल्क की शत-प्रतिशत वसूली जमा कराये जाने हेतु 09 फरवरी से 02 मार्च 2026 तक वार्डवार विशेष वसूली शिविरों का आयोजन किया जाना है। विशेष वसूली शिविर के सफल आयोजन हेतु उपायुक्त प्रकाश द्विवेदी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। शिविर का समय प्रातः 9 बजे से सायं 4 बजे तक निर्धारित किया गया है। इस दौरान शिविर संचालन हेतु संबंधित अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहेगें। इस क्रम में 09 फरवरी को वार्ड क्र. 1, 2 एवं 3 के लिए निपनिया चौराहा में शिविर का आयोजन किया गया।

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आज

रीवा। जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक 10 फरवरी को शाम 4 बजे से कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित की गई है। बैठक में महाशिवरात्रि, होली, ईदुलफित्र, रामनवमी एवं महावीर जयंती त्यौहारों के शांतिपूर्ण आयोजन एवं व्यवस्थाओं के संबंध में विचार-विमर्श किया जाएगा।

भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष श्याम का आगमन आज, भाजपा ने की स्वागत की तैयारी

रीवा, नगर संवाददाता।

भारतीय जनता पार्टी, जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता के मार्गदर्शन में युवा मोर्चा का कार्यक्रम युवा संवाद आज होना है। रीवा भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर 10 फरवरी 2026 को रीवा जिले के प्रवास पर रहेंगे। उनके आगमन को लेकर जिले के युवाओं और भाजपा कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है। भाजयुमो जिला अध्यक्ष शिवेन्द्र शुक्ल के नेतृत्व में उनके भव्य स्वागत और विभिन्न कार्यक्रमों के लिए एक विस्तृत रूट चार्ट जारी किया गया है। जारी हुये चार्ट के अनुसार श्री टेलर का प्रवास दोपहर 12 बजे गोविंदगढ़ से शुरू होगा। दोपहर 12-01 गोविंदगढ़, सिलपरा रिंग रोड और रतहरा चौराहा पर भव्य स्वागत। दोपहर 01:05 जे.एन.सी.टी. कॉलेज में युवाओं के साथ युवा संवाद कार्यक्रम,दोपहर 02.10 आरटीओ ऑफिस के सामने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण,दोपहर 02.25 सिरमौर चौक हनुमान मंदिर के पास स्वागत, दोपहर 02.35 मंडल अध्यक्ष ऋतुराज के निवास पर भोजन एवं विश्राम,अपराह्न 03-04.30 अस्पताल चौक (दीनदयाल जी की प्रतिमा), प्रकाश चौक, शिल्पी प्लाजा, और ढेकहा तिराहा सहित विभिन्न प्रमुख स्थलों पर स्वागत कार्यक्रम,प्रवास के दौरान श्याम टेलर दोपहर 03.15 बजे मीसाबंदी राजेन्द्र ताम्रकार के निज निवास पहुंचकर उनका सम्मान भी करेंगे,शाम 04.45 अटल कुंज (भाजपा कार्यालय) में पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं परिचय बैठक । भाजयुमो जिला अध्यक्ष शिवेन्द्र शुक्ल ने जिले के समस्त पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे समय पर उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

गोमांस निर्यात पर रोक लगे तब हो गोकथा का पाखंडः अनुपम तिवारी

रीवा, नगर संवाददाता।

पहले गौ माता को राष्ट्रीय पशु घोषित करें, गोवध और गोमांस निर्यात पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाएं सभी स्लाटर हाउस बंद कराएं, इसके बाद गो कथा करें अन्यथा इस प्रकार का स्वांग पूर्णतः ढोंग और पाखंड ही समझा जाएगा । वरिष्ठ समाजसेवी अनुपम तिवारी ने जारी बयान में कहा कि पूर्ण रूपेण धर्म भ्रष्ट और पथभ्रष्ट हो चुकी भाजपा एक तरफ तो गौ मांस के निर्यात पर किसी भी तरह से रोक नहीं लगा रही है और दूसरी तरफ अपने राजनीतिक लाभ के लिए वह गोकथा जैसे आयोजन कर आम जनता में गौ माता के प्रति सम्मान के भाव का भावनात्मक शोषण और राजनीतिक वोट में तब्दील करने के लिए बार-बार इस प्रकार के नाटक नौटंकी करती रहती है जिससे ऐसा लगे कि यह बड़े ही सनातन और हिंदू प्रेमी है लेकिन वास्तविकता इसकी उलट है। आज सनातन और हिंदू धर्म के सर्वोच्च धर्म गुरु पूज्यपाद स्वामीअविमुक्तेस्वरानंद सरस्वती जी के माघ मेला में अपमान कर भाजपा की कलई खुल चुकी है और उसका धर्म विरोधी और सनातन विरोधी चेहरा सामने आ चुका है अब भाजपा ने गोवंश अभ्यारण के नाम पर सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण करने और लोक धन की बंदरबांट करने का खेल चालू किया है । वास्तविकता यह है कि वर्तमान में चल रहे गो वंश अभ्यारण और गौशालाओं की हालत बद से बदतर हो चुकी है और वहां स्थित गौ माता का किसी भी तरह का रखरखाव नहीं किया जा रहा है ना उन्हें सही ढंग से चारा मिलता है और ना उन्हें दवा आदि की व्यवस्था की जा रही है इन बेशर्मों की बेशर्मी इस बात से साबित होती है कि आज समूचे विश्व में भारत सबसे बड़ा गौमांस का निर्यातक बन चुका है और मध्य प्रदेश में तथा भाजपा शासित अन्य राज्यों में गौ मांस के निर्यात पर पूर्ण रूप से टैक्स में छूट दे दी गई है अब इनका गौमाता के प्रति प्रेम और सनातन भक्ति कितनी है इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है ।

भू -अर्जन प्रकरणों की समीक्षा बैठक 11 को

रीवा, नगर संवाददाता।

कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में भू अर्जन प्रकरण की समीक्षा 11 फरवरी को की जायेगी। कलेक्ट्रेट सभागार में सुबह 11 बजे से आयोजित बैठक में कार्यपालन यंत्री पीडब्ल्यूडीए राष्ट्रीय राजमार्ग ,सेतु निर्माण ,एनएचएआईए, एमपीआरडीसी के विभागीय अधिकारियों सहित सभी एसडीएम को उपस्थित के निर्देश दिये गये हैं।

फांस नाटक की प्रस्तुति देख भावुक हुए दर्शक

रीवा, नगर संवाददाता।

शहर के ओसारी सभागार में रविवार की दोपहर मानवीय संवेदनाओं और रिश्तों की सूक्ष्म परतों को उकेरने वाली एक यादगार नाट्य संध्या का आयोजन किया गया। रावेन्द्र प्रताप सिंह शिक्षा सांस्कृतिक समिति द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध साहित्यकार गोविन्द मिश्र की कालजयी कहानी 'फांस' का सफल मंचन हुआ। नाटक ने आधुनिक जीवन में बढ़ती संवादहीनता और अपनों के बीच घर करती भावनात्मक दूरी को इतने प्रभावशाली ढंग से पेश किया कि उपस्थित दर्शक मंत्रमुग्ध रह गए। कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इस दौरान, वरिष्ठ नाट्य निर्देशक, हीरेंद्र सिंह, डॉक्टर विद्याप्रकाश तिवारी, डॉ. विनीत सिंह शामिल रहे।

उद्घाटन अवसर में अंतर्राष्ट्रीय लोक कलाकार राजमणि तिवारी, स्टेट लेवल खिलाड़ी राजवीर तिवारी और अनुभवी रंगकर्मी व निर्देशक विपुल सिंह उपस्थित रहे। रीवा के ओसारी सभागार में हुई इस प्रस्तुति ने यह सिद्ध कर दिया कि साहित्य और रंगमंच का मेल समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकता है। कार्यक्रम के अंत में बड़ी संख्या में उपस्थित कलाप्रेमी दर्शकों ने खड़े होकर तालियों के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

मनगवां व गुढ़ विस प्रभारी, ब्लाक व मण्डल अध्यक्षों की बैठक आयोजित

- निष्ठावान कार्यकर्ताओं को ही कमेटी में स्थान दिया जायें: इंजी.राजेन्द्र शर्मा

रीवा, नगर संवाददाता।

संगठन सृजन अभियान के अनुक्रम मे विधानसभा मनगवां एवं गुढ़ के विधानसभा प्रभारी, संबंधित ब्लाको के प्रभारियों, ब्लाक अध्यक्षों एवं मण्डलम अध्यक्षों की संयुक्त बैठक विधानसभावार जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष इंजी. राजेन्द्र शर्मा की अध्यक्षता मे कांग्रेस कार्यालय मे सम्पन्न हुई। उपस्थित सभी पदाधिकारियों को सम्बोधित करते हुए श्री शर्मा ने कहा कि राहुल गांधी जी की भावना के अनुसार ब्लाक अध्यक्षों एवं मण्डलम अध्यक्षों की संगठन को प्रभावी बनाने मे महती भूमिका हैं। श्री शर्मा ने जोर देकर कहा कि हमारे नेता मण्डलम अध्यक्ष को काफी महत्व देना चाहते हैं, इसलिए मण्डलम अध्यक्षों की जिम्मेदारी है कि अपने-अपने मण्डलम मे ग्राम पंचायतों/नगर परिषदों मे कमेटियों का गठन करें। कमेटी मे कई बार बताया जा चुका है कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, महिला एवं युवकों को विशेष महत्व दिया जायें। संबंधित पंचायत के प्रतिष्ठित व्यक्तियों को भी इसमे शामिल किया जायें। उन्होने कहा कि कमेटियों के गठन मे हमें काफी सावधानी रखनी हैं, निष्ठावान कार्यकर्ताओं को ही कमेटी मे स्थान दिया जायें। कमेटियों के गठन मे संबेधित ब्लाक प्रभारी एवं ब्लाक अध्यक्षों की उपस्थिति अत्यंत अनिवार्य है इसलिए कमेटियों के गठन की मॉनिटीरिंग करें। वर्तमान समय मे भारतीय जनता पार्टी की सरकार के इशारे पर कांग्रेस जनों का नाम काटा जा रहा है।

इसकी सतत निगरानी करना बी एल ए के साथ-साथ सभी ब्लाक अध्यक्ष एवं मण्डलमों अध्यक्षों की जिम्मेदारी हैं। भाजपा सरकार हर प्रकार का षडयंत्र कर आगामी चुनाव की तैयारी कर रही हैं, जिसकी सतत निगरानी करके उस षडयंत्र को विफल करने का काम करें। विधानसभा गुढ प्रभारी रमेश द्विवेदी (सतना) ने सुझाव दिया कि अधिकांश बैठके अनुसूचित जाति, जनजाति की बस्तियों मे आयोजित कर उन्हें संविधान की प्रस्तावना तथा मनरेगा के संबंध मे विस्तार से जानकारी दी जाये कि किस तरह कांग्रेस द्वारा बनाई गयी महत्वपूर्ण योजना को समाप्त कर गरीबों के पेट मे भाजपा गरीबों के पेट का निवाला छीनना चाहती हैं। इस अवसर पर विधानसभा गुढ एवं मनगवां के पूर्व प्रत्याशी कुवंर कपिध्वज सिंह, बबिता साकेत, संगठन प्रभारी रवि तिवारी, कार्यालय प्रभारी सत्यनारायण तिवारी, हर्षलाल शुक्ला, प्रदीप अवस्थी, महेन्द्र उपाध्याय, राजेश पाण्डेय राजू, डॉ अजीत पाण्डेय, रवि तिवारी, बलराम गौतम, विवेकानंद तिवारी, अच्छेलाल साकेत, उमाशंकर पाण्डेय ललन, उमेश सिंह, रामनरेश यादव, अम्बुज पाण्डेय, रजनीश पाण्डेय, बृजराज सिंह परिहार, बी पी सिंह, पुष्पेन्द्र कुमार वर्मा, उमेश पटेल, पवन कुमार मिश्रा, मनकेश तिवारी, राजेश सिंह, संतोष चतुर्वेदी, देवेन्द्र चतुर्वेदी, उमेश प्रसाद तिवारी, राजीव शर्मा, पवन तिवारी सहित आदि लोग मौजूद रहें।

आईजी गौरव राजपूत का कांग्रेस नेताओं ने किया सम्मान

रीवा, नगर संवाददाता।

मध्य प्रदेश के विंध्य क्षेत्र में कोरेक्स सहित मेडिकल नशे के बढ़ते प्रचलन पर प्रभावी रोक लगाने के लिए रीवा जोन पुलिस द्वारा की जा रही सख्त कार्रवाई को लेकर रीवा जोन के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) गौरव राजपूत का कांग्रेस पदाधिकारियों एवं समाजसेवियों ने सम्मान किया। इस अवसर पर पिछड़ा कांग्रेस के राष्ट्रीय समन्वयक कुंवर सिंह पटेल, प्रदेश प्रवक्ता डॉ. विनोद शर्मा, कांग्रेस नेता राजू पांडे, सेमरिया विधायक प्रतिनिधि खेमराज साकेत, अनु विभाग के रामलोटन साकेत, शिवप्रसाद साकेत एवं समाजसेवी सज्जन सिंह उपस्थित रहे। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि कोरेक्स और अन्य मेडिकल नशे के कारण युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा था, ऐसे में रीवा जोन पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई समाज के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने आईजी गौरव राजपूत को विंध्य क्षेत्र को नशा मुक्त बनाने के प्रयासों के लिए बधाई दी। आईजी गौरव राजपूत ने भी समाज के सभी वर्गों से नशे के खिलाफ अभियान में सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि मेडिकल नशे के कारोबार में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

मोदी ट्रंप सहित अडानी का विरोध तेजः एसकेएम

रीवा, नगर संवाददाता।

संयुक्त किसान मोर्चे के राष्ट्रीय आवाहन मुताबिक भारत अमेरिकी व्यापार ट्रेड डील का रीवा संभाग में विरोध तेज हो गया है। वही सिंगरौली के आदिवासी किसानों ने मोदी सरकार के संरक्षण में अदानी ग्रुप द्वारा बासी बेरदाह इलाके में लाखों पेड़ों के कत्लेआम किए जाने पर मोदी अडानी का पुतला दहन कर जबरदस्त विरोध किया है। विरोध प्रदर्शन दौरान किसान संघर्ष समिति कार्यकारी जिला अध्यक्ष सिंगरौली अखिलेश शाह सोनमती खैरवार जिला अध्यक्ष किसान संघर्ष समिति महिला मोर्चा सिंगरौली राजपाल सिंह जिला महामंत्री सोमारू सिंह मरकाम बैढ़न ब्लॉक अध्यक्ष काशी सिंह मरकाम ब्लॉक महामंत्री बैढ़न अर्जुन सिंह मरकाम ग्राम अध्यक्ष बासी बेरदाह आदि काफी संख्या में आदिवासी महिला किसान उपस्थिति रहीं।

भारतीय किसान यूनियन टिकैत के जिला उपाध्यक्ष घनश्याम सिंह की अगुवाई में रीवा के ग्राम पंचायत खड्डा में भारत अमेरिका व्यापार समझौते के विरोध में मोदी ट्रंप के पुतले दहन किए गए। पुतला दहन दौरान युवा जिला अध्यक्ष दिनेश सिंह अतुल सिंह मिथिलेश सिंह प्रदीप सिंह भूपेन्द्र सिंह रंगनाथ सिंह ईश्वरदीन सिंह संतोष सिंह श्यामप्रताप सिंह विवेक सिंह अनिल सिंह रजनीश कुशवाहा शेरबहादुर सिंह समेत कई ग्रामीण मौजूद रहे। वहीं सीधी जिले में किसान संघर्ष समिति के अध्यक्ष मनोज कोल की अगुवाई में भारत अमेरिकी व्यापार नीति के विरोध में मोदी ट्रंप के पुतले दहन किए गए। मोर्चे के नेता शिव सिंह ने कहा कि पूरे विंध्य इलाके में मोदी सरकार के खिलाफ किसान मजदूर आदिवासी लामबंद हो रहे हैं।

बजट में महिलाओं की सुविधा,सुरक्षा और कौशल विकास को प्राथमिकताः श्रीमती प्रतिमा

केन्द्रीय बजट को लेकर महिला भाजपा संवाद कार्यक्रम आयोजित

रीवा, नगर संवाददाता।

केन्द्रीय बजट को लेकर आज पार्टी कार्यालय अटल कुंज रीवा में महिला संवाद कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। रीवा जिला स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थिति में मध्य प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी रही। इस महिला संवाद में विशिष्ठ अतिथि के रूप भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता रहे। महिला संवाद में मुख्य वक्ता राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार द्वारा पेश किया गया बजट राष्ट्र की चुनौतियों को देखते हुए 2047 के विकसित भारत को लेकर पेश किया गया महत्वपूर्ण बजट है जिसके माध्यम से भारत की जनता को सशक्त एवं समृद्ध बनाने की सोच दिखाई देती है। बजट में महिलाओ की सुविधा, सुरक्षा और कौशल विकास को प्राथमिकता देते हुए बजट में महत्वपूर्ण कदम उठाये गये है। देश के प्रत्येक जिले में एक महिला छात्रावास की स्थापना का प्रस्ताव है, इसके लिए लगभग 10000 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इससे छात्राओं को सुरक्षित आवास मिल सकेगा। बजट में जहां एक तरफ भारत को सैन्य रक्षा क्षेत्र में मजबूती प्रदान किए जाने के फैसले किए गए हैं तो दूसरी तरफ भारत के जन सामान्य के स्वास्थ्य की चिंता करते हुए कई गंभीर बीमारियों को लेकर के बजट में छूट प्रदान की गई है पिछले 12 वर्षो में ऐतिहासिक रूप 176 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धी हुई है, पहली बार भारत का हेल्थ बजट 1 लाख करोड़ को पार कर गया है यह स्वास्थ्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है जिससे न सिर्फ भारत के अन्दर स्वास्थ्य सुविधाओं का विकास व मेडिकल टूरिज्म को भी बढावा मिलेगा। इस महिला संवाद कार्यक्रम भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता ने कहा कि यह बजट वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का नौवां ऐतिहासिक बजट है जो मोदी सरकार के संकल्प को पूर्ण करने के लिए पेश किया बजट है। इसमें महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर बढाने हेतु 1.5 लाख देखभाल सेवा प्रदाताओं और 1 लाख स्वास्थ्य पेशेवरों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। महिला संवाद कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रज्ञा त्रिपाठी ने भी अपना विचार रखा। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम संयोजक जिला उपाध्यक्ष श्रीमती मनीषा पाठक व आभार प्रदर्शन जिला उपाध्यक्ष महिला मोर्चा श्रीमती साधना गुप्ता ने किया। भारतीय जनता पार्टी में आज जिला स्तरीय इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीमती ममता गुप्ता, पूर्व विधायक पन्नाबाई प्रजापति, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती संतोष सिंह सिसोदिया, रीवा जनपद अध्यक्ष श्रीमती संगीता यादव, पूर्व जिला उपाध्यक्ष श्रीमती माया सिंह, नगर अध्यक्ष बैकुण्ठपुर श्रीमती मीना गुप्ता रही। उपाध्यक्ष श्रीमती संध्या कोल, जिला मंत्री श्रीमती गीता मांझी, सुमन शुक्ला, जिला उपाध्यक्ष महिला मोर्चा श्रीमती कल्पना श्रीवास्तव, जिला महामंत्री म.मो. गीता सिंह, पूनम मिश्रा, मधु द्विवेदी, नेहा सिंह, संजुला सिंह, अंकिता सिंह, मधु द्विवेदी, ऊषा शर्मा, साधना पटेल, आदि सैकड़ो की संख्या में महिला कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत की बैठक में जिला इकाई का गठन

रीवा, नगर संवाददाता।

विगत दिवस अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत की बैठक का आयोजन एसआईपीएस महाविद्यालय जयंती कुंज रीवा में किया गया। बैठक में संगठन विस्तार एवं आगामी कार्ययोजना को लेकर गहन चर्चा हुई, जिसमें प्रांत संगठन मंत्री महाकौशल प्रांत अजय कुमार मिश्रा ने विस्तृत जानकारी प्रदान की। बैठक में पूर्व प्रांत उपाध्यक्ष गंगा प्रसाद द्विवेदी ने संगठन के इतिहास विकास पर प्रकाश डाला, मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ शिक्षाविद एवं महाविद्यालय के संचालक सुनील खरे ने ग्राहक पंचायत के द्वारा ग्राहक जागरण की सराहना करते हुए कार्य की गति बढ़ाये जाने की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक के दौरान पर्यावरण संरक्षण जिसमें जल संरक्षण, वृक्षारोपण, सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्ति, खाद्य पदार्थों में मिलावट एवं पर्यावरण संरक्षण जैसे मुद्दों पर विशेष बल दिया गया। साथ ही महिला आयाम के कार्य को संपूर्ण जिले में गति प्रदान करने का आह्वान प्रांत संगठन मंत्री अजय मिश्रा ने किया।

इसके पश्चात जिला कार्यकारिणी का विस्तार किया गया, जिसमें जिला अध्यक्ष प्रमोद गुप्ता , जिला उपाध्यक्ष कमलेश वर्मा ,राजकुमार सिंह, जिला सचिव ज्ञानेंद्र मिश्रा , सह सचिव रवि द्विवेदी, कोषाध्यक्ष वेद प्रकाश वर्मा, कार्यालय सचिव पुष्पराज मिश्रा, महिला आयाम जिला प्रमुख सुश्री राजश्री सिंह, विधि आयाम प्रभात मिश्रा, प्रचार आयाम दीपक गुप्ता, जिला कार्यसमिति सदस्य उमाकांत शुक्ला ,यामीन खान , रेवा शंकर अवस्थी , विवेक मिश्रा, रसिक बिहारी सोनी, रामनिवास कुशवाहा, संतोष तिवारी, दिनेश तिवारी की नियुक्त किया गया। सुशील सिंह नगर अध्यक्ष रीवा नियुक्त किया गया। सभी नव-नियुक्त पदाधिकारियों को संगठन की ओर से बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। यह जानकारी प्रेस विज्ञप्ति में जिला सचिव ज्ञानेंद्र मिश्रा ने दी।

संपादकीय

किसान क्यों नाराज

केंद्र सरकार दावा कर रही है कि भारत-अमेरिका के बीच होने वाले व्यापार समझौते में किसानों के हितों का पूरा ध्यान रखा गया है। समझौते से डेयरी उत्पादों, मसालों के साथ-साथ उन अनाजों, फलों-सब्जियों को पूरी तरह बाहर रखा गया है जो देश के किसानों को प्रभावित कर सकते हैं। लेकिन किसान संगठन सरकार की इस बात से सहमत नहीं हैं। उनका कहना है कि सरकार ने इस डील में कई ऐसे प्रावधान किए हैं जिससे उनके हितों को चोट पहुंच सकती है। किसान 12 फरवरी को इस डील के विरोध में प्रदर्शन करने की तैयारी कर चुके हैं। किसानों का यहां तक कहना है कि यदि उनके हितों को चोट पहुंचाई गई तो वे एक बार फिर लंबा आंदोलन करने के लिए मजबूर हो सकते हैं।

किसान संगठनों के अनुसार, 12 फरवरी को दिल्ली में भारत-अमेरिका ट्रेड डील के विरोध में प्रदर्शन होगा। 15 फरवरी को इंदौर, 18 फरवरी को मुरादाबाद और 23 मार्च को हरियाणा में पंचायत-प्रदर्शन करने की योजना है। इसमें सरकार से अमेरिकी से ट्रेड डील से पीछे हटने की अपील की जाएगी। यदि सरकार सहमत नहीं होती है तो विरोध प्रदर्शन को तेज किया जाएगा। किसानों का कहना है कि सरकार ने अमेरिका से समझौते में कुछ कृषि उत्पादों और डेयरी उत्पादों को समझौते से बाहर रखने की बात कही है, जबकि भारत-अमेरिकी समझौते में यह बात स्पष्ट की गई है कि भारत अपने बाजार में अमेरिकी कृषि-डेयरी उत्पादों पर नॉन टैरिफ बाधाओं को दूर कर देगा। किसानों का मानना है कि इस नॉन टैरिफ प्रतिबंधों को हटाने की आड़ में भारतीय बाजार में ऐसे अमेरिकी कृषि-डेयरी उत्पाद भरे जा सकते हैं जो अब तक आयात नहीं किए जा सकते। हालांकि, केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि केंद्र सरकार अपने किसानों-श्रमिकों के हितों का पूरा ध्यान रखने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा है कि सरकार डेयरी, पोल्ट्री और मसालों के सेक्टर में अमेरिकी उत्पादों को नहीं आने देगी। मंत्री ने स्पष्ट किया है कि भारत अभी भी कृषि उत्पादों के कुछ क्षेत्रों में पूरी तरह आत्मनिर्भर नहीं है। ऐसी वस्तुएं जिनका भारत पहले ही आयात करता है, उन्हें ही भारतीय बाजारों में लाने की अनुमति दी गई है। लेकिन ये उत्पाद भी सशर्त ही बाजार में प्रवेश कर पाएंगे। इसके बावजूद किसान नेताओं का कहना है कि भारत-अमेरिका की ट्रेड डील अभी अपने अंतिम स्वरूप में सामने नहीं आई है। लेकिन शुरुआती फ्रेमवर्क में ही सरकार ने अपने इरादे जता दिए हैं। उनके अनुसार, फ्रेम वर्क में अमेरिकी उत्पादों पर नॉन-टैरिफ बाधाओं को पूरी तरह हटाने की बात कहकर सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि अब भारतीय बाजार में ऐसी प्रतिबंधित वस्तुएं भी आयात की जा सकेंगी जिन्हें अब तक आयात नहीं किया जा सकता था। समझौते के अनुसार, भारत अगले पांच वर्षों में अमेरिका से 500 बिलियन डॉलर की वस्तुओं का आयात करेगा। इसमें रक्षा उत्पाद, वायुयानों-मशीनों के कल-पुर्जे, तकनीक और कृषि उत्पाद शामिल होंगे। इन वस्तुओं के आयात पर भारत में शून्य से लेकर कई स्तर का टैक्स चुकाना पड़ेगा। लेकिन इसमें अनेक कृषि उत्पादों पर शून्य टैक्स लगाने से किसान चिंतित हैं। किसान नेता कहते हैं कि मनरेगा के स्थान पर जी राम जी योजना लाकर केंद्र सरकार ने श्रमिकों के हितों को नुकसान पहुंचाया था। अब यूएस डील से भी श्रमिकों के हितों को नुकसान पहुंचाने की तैयारी है।

ईरान को सबक सिखाने के लिए साम दाम दंड भेद की नीति अपना रहे हैं ट्रंप

नीरज कुमार दुबे
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

अमेरिका और ईरान के बीच तनातनी चरम पर होने के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नया कार्यकारी आदेश जारी कर उन सभी देशों पर अतिरिक्त आयात शुल्क लगाने की चेतावनी दी है जो ईरान के साथ किसी भी तरह का व्यापार जारी रखेंगे। आदेश में शुल्क की दर तय नहीं की गई है, पर उदाहरण के तौर पर पच्चीस प्रतिशत का जिक्र है। साफ कहा गया है कि जो भी देश सीधे या परोक्ष रूप से ईरान से सामान या सेवा खरीदेगा, उस पर यह शुल्क लगाया जा सकता है। ट्रंप ने अलग से बयान देते हुए दोहराया कि ईरान को परमाणु हथियार नहीं मिलना चाहिए।

यह कदम ऐसे समय आया है जब ओमान में दोनों देशों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के बीच बातचीत हुई है। कई सप्ताह की बयानबाजी और धमकियों के बाद शुरू हुई यह बातचीत तनाव कम करने की कोशिश मानी जा रही है, पर जमीन पर हालात अब भी तने हुए हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने ओमान में वार्ता को अच्छी शुरुआत बताया, लेकिन साथ ही कहा कि अविश्वास का माहौल गहरा है, खासकर इसलिए कि हाल ही में अमेरिका ने इजराइल के साथ मिलकर ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया था। ट्रंप ने भी वार्ता को बहुत अच्छी बताया, पर साथ में चेतावनी जोड़ी कि यदि समझौता नहीं हुआ तो नतीजे बहुत सख्त होंगे।

अमेरिका का कहना है कि वह केवल परमाणु कार्यक्रम नहीं, बल्कि ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम, सशस्त्र समूहों को समर्थन और अपने नागरिकों के साथ व्यवहार जैसे मुद्दे भी बातचीत में शामिल करना चाहता है। दूसरी ओर तेहरान का रुख साफ है कि चर्चा केवल परमाणु कार्यक्रम पर होगी और उसे यूरेनियम संवर्धन का अधिकार मिलना चाहिए। ईरान का दावा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण है और वह हथियार बनाने की कोशिश नहीं कर रहा।

हम आपको बता दें कि इस तनातनी की जड़ें पिछले एक दशक में लिए गए फैसलों में हैं। वर्ष 2015 के परमाणु समझौते के तहत ईरान को सीमित स्तर तक यूरेनियम संवर्धन की अनुमति थी और उस पर सख्त निगरानी थी। बदले में उस पर लगे कई प्रतिबंध हटाए गए थे। लेकिन ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में वर्ष 2018 में इस समझौते से अमेरिका को अलग कर लिया था और कठोर प्रतिबंध फिर लगा दिए थे। तेल निर्यात, जहाजरानी और बैंक तंत्र पर पाबंदियों ने ईरान की अर्थव्यवस्था को भारी चोट दी। जवाब में ईरान ने समझौते की कई शर्तों से आगे बढ़ कर संवर्धन करना शुरू कर दिया।

बीते वर्षों में हालात और बिगड़े। वर्ष 2020 में ईरानी कमांडर कासिम सुलेमानी अमेरिकी हमले में मारे गए, जिससे टकराव खतरनाक स्तर पर पहुंच गया। फिर संयुक्त राष्ट्र में प्रतिबंध फिर लगाने की कोशिशें हुईं। वर्ष 2025 में अमेरिका ने इजराइल के साथ मिलकर ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया, जिसके बाद ईरान ने कतर में एक अमेरिकी ठिकाने पर मिसाइल दागी, हालांकि जान का नुकसान नहीं हुआ। पिछले वर्ष पश्चिमी देशों के प्रयास से संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सैन्य प्रतिबंध फिर लागू हुए।

अब ताजा कदम के तहत अमेरिका ने ईरानी तेल और पेट्रो रसायन से जुड़े पंद्रह संस्थानों और कई जहाजों पर भी प्रतिबंध लगाए हैं। उधर इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सुरक्षा मंत्रिमंडल की बैठक बुलाकर ईरान को चेताया कि किसी भी हमले का जोरदार जवाब मिलेगा। उनका कहना है कि अमेरिका के साथ तालमेल बहुत गहरा है, इसलिए अंतिम फैसला ट्रंप ही करेंगे। ट्रंप ने भी कहा है कि ईरान बातचीत इसलिए कर रहा है क्योंकि वह अमेरिकी हमले से बचना चाहता है और अमेरिकी नौसैनिक बेड़ा इलाके में आगे बढ़ रहा है।

सवाल यह है कि क्या यह पूरी कवायद शांति की राह है या दबाव की राजनीति का नया दौर? ट्रंप का शुल्क हथियार दरअसल आर्थिक घेराबंदी का विस्तार है। संदेश साफ है कि जो ईरान से नाता रखेगा, वह अमेरिकी बाजार से हाथ धो सकता है। यह नीति कई देशों को कठिन दुविधा में डालेगी, खासकर वे देश जो ऊर्जा जरूरतों के लिए ईरानी तेल पर निर्भर हैं। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार, समुद्री रास्तों की सुरक्षा और पश्चिम एशिया की सामरिक स्थिरता पर सीधा असर पड़ेगा।

सामरिक दृष्टि से यह रस्साकशी खतरनाक है। एक ओर बातचीत चल रही है, दूसरी ओर युद्ध की तैयारी जैसे संकेत दिए जा रहे हैं। बेड़े की तैनाती, मिसाइल की चर्चा और प्रतिबंधों की बौछार मिलकर ऐसा माहौल बनाते हैं जहां एक छोटी चिंगारी भी बड़े संघर्ष में बदल सकती है। ईरान भी झुकने के मूड में नहीं दिखता और वह बार बार अपने अधिकार की बात दोहरा रहा है।

बहरहाल, हकीकत यह है कि न तो केवल दबाव से समाधान निकलेगा, न केवल बयान से। यदि दोनों पक्ष सच में टकराव टालना चाहते हैं तो उन्हें भरोसे की बहाली, चरणबद्ध रियायत और स्पष्ट लक्ष्यों की राह पकड़नी होगी। वरना शुल्क, प्रतिबंध और हमले का यह चक्र पूरे इलाके को अस्थिर कर देगा और इसका असर दुनिया की अर्थव्यवस्था और सुरक्षा पर दूर तक जाएगा। अभी भी समय है कि शक्ति प्रदर्शन की जगह समझदारी दिखाई जाए, नहीं तो आने वाले दिन और ज्यादा उथल पुथल लेकर आ सकते हैं।

मीठा जहर : ऑनलाइन गेमिंग

किरण चौपड़ा

मोबाइल फोन और ऑनलाइन गेमिंग की लत बच्चों और युवाओं के लिए गंभीर समस्या बन चुकी है। जिस तकनीक को शिक्षा की जानकारी का सशक्त माध्यम माना गया था, वही अब बच्चों की मानसिक और शारीरिक हैल्थ के लिए खतरा बन रही है। पबजी और ब्लू व्हेल के बाद अब कोरियन गेम बच्चों तथा युवाओं की जान ले रही है। अत्यधिक मोबाइल और गेमिंग का उपयोग बच्चों के व्यवहार, सोच और सांस्कृतिक जीवन पर गहरा नकारात्मक असर डाल रहा है। हालत यह है कि बच्चे, किशोर और युवा आत्महत्या जैसे कदम उठाने लगे हैं तो कारण गेमिंग की लत ही है। विशेषज्ञ इस गेमिंग के चस्के को मीठा जहर करार दे रहे हैं और बच्चों को बचाने की चेतावनी दे रहे हैं। गाजियाबाद की सोसायटी में ऑनलाइन गेमिंग की लत का शिकार हुई तीन बहनों निशिका, प्राची और पाखी ने जिस तरह 9वीं मंजिल से कूदकर जान दी यह एक चौका देने वाला वाकया है और हमें चेतावनी दे रहा है कि बच्चों को ऑनलाइन गेमिंग के साथ-साथ मोबाइल की लत मत लगने दें। मेरा यह भी मानना है कि युवाओं की अस्वाभाविक मौतें नहीं होनी चाहिए। जैसा कि पहले नोएडा में सड़क पर गड्ढे में गिरकर एक इंजीनियर युवराज की मौत हुई। अब ताजा वाकया जनकपुरी में एक बैंक मैनेजर की गड्ढे में गिरकर हुई दर्दनाक मौत का है। ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए। राज्य सरकरों व प्रशासन को यह भी सुनिश्चित करना होगा।

ये तीनों बहनें जिस कोरियाई गेम की दिवानी रही, क्यों कोरियन गेम उनको जान से भी प्यारी बन गयी, यह सब इन बच्चियों के 8 पन्नों का सुसाइड नोट सब कुछ बयान करता है। बच्चों को करोना अवधि अर्थात 2019-20 में भी मोबाइल की लत थी। देखते ही देखते वे तीनों बहनें सोते-जागते एक ही मोबाइल से कोरियन ऑनलाइन गेम खेला करती थी। इसके प्रति बढ़ते क्रेज ने उन्हें क्रेजी कर दिया। वे अपने आपको कोरियाई समझने लगी। विशेषज्ञ बताते हैं कि गेमिंग ऐप में बच्चे किसी भी मामले में जब कुछ टॉस्क करते हैं तो वे अपने आपको वैसा ही समझते हैं जो टास्क उनको दिया जाता है। अपने आपको बहुत एक्सपर्ट मानना या जो गेम हमने खेली उसे कोई जीत नहीं सकता, केवल हम ही जीत सकते हैं, यह सोच बच्चों में पागलपन की हद तक बैठी हुई है। हम ऐसे भावनात्मक समर्थन को सही नहीं ठहरा सकते लेकिन बच्चे में परिवर्तन आ रहे हैं तो इसे ध्यान में रखकर सतर्क जरूर होना चाहिए। ये तीन बच्चियां तो चली गयी लेकिन आज भी भाई-बहन या साधारण और हाईफाई घरों के बच्चे सैकड़ों ऑनलाइन गेमिंग के दिवाने हैं। माता-पिता को उन पर नजर तो रखनी ही चाहिए लेकिन उन्हें समझाने-बुझाने का कोई ठोस तरीका अपनाना चाहिए और यह सब एकदम प्रेम से होना चाहिए। आज गेमिंग को बच्चे मनोरंजक तकनीक मानकर खेल रहे हैं। वे इस लत की दिशा में चल पड़े हैं जिसके परिणाम बड़े घातक निकल रहे हैं। हालांकि बच्चों की सुसाइड का कारण बच्चों द्वारा लिखे पत्र में बताया गया है लेकिन इस ऑनलाइन गेमिंग को कंट्रोल करने के लिए माता-पिता कुछ और विकल्प ढूंढ सकते हैं। मैं ये सब बातें सोशल मीडिया के आधार पर जो लोग शेयर कर रहे हैं उसी के अनुरूप बोल रही हूं। अब टेक्नोलॉजी आ ही गयी है तो नई पीढ़ी इस पर अपना हक समझती है लेकिन इस टेक्नोलॉजी का प्रयोग करने के तौर- तरीके और कंट्रोल करने के लिए भी कुछ करना ही होगा। वक्त आ गया है कि इसके लिए सबको मिलकर कुछ करना होगा। बच्चे सबके साझे हैं लेकिन देश का भविष्य भी हैं, लिहाजा कुछ करना ही होगा ताकि फिर गाजियाबाद जैसा कांड न हो पाए।

भारत-मलेशिया संबंध नई ऊंचाई पर

आदित्य नारायण चौपड़ा
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

भारत-मलेशिया संबंध पारम्परिक रूप से घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण रहे हैं। भारत ने 1957 में फैडरेशन ऑफ मलाया के साथ राजनयिक संबंध स्थापित किए थे। दोनों देश राष्ट्रमंडल, आसियान क्षेत्रीय मंच, जी-15, जी-77, पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन और हिन्द महासागर जैसे विभिन्न मंचों के सदस्य भी हैं। भारत मलेशिया संबंधों को अपनी एक्टईस्ट नीति के मूल तत्व के रूप में देखता है। दोनों देशों के ऐतिहासिक संबंध एक सहस्त्राब्दी से भी पुराने हैं जिनकी जड़ें चोल साम्राज्य के दौर तक जुड़ी हुई हैं। चोल शासकों ने ही दक्षिण भारत और मलय प्रायदीप के बीच समुद्री व्यापार मार्गों को स्थापित किया था। मलेशिया में लगभग 29 लाख से ज्यादा भारतीय मूल के लोग रहते हैं, जो इसे दुनिया में भारतीय प्रवासियों की दूसरी सबसे बड़ी आबादी वाला देश मानते हैं। इस समुदाय की भाषा तमिल है। हालांकि वहां तेलगू, मलयालम, पंजाबी और अन्य भाषाओं के लोग भी आप को मिल जाएंगे। रामायण की कथाएं भी मलेशिया की सांस्कृतिक परम्परा का हिस्सा हैं। जिनका स्थानीय रूपांतरण ''हिकायत सेरी रामा'' में देखने को मिलता है। श्री वीर हनुमान मंदिर और कुछ अन्य धार्मिक स्थल साझा सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक हैं। 21वीं सदी में व्यापार, निवेश, रक्षा सहयोग, डिजिटल तकनीक, शिक्षा, चिकित्सा और जलवायु परिवर्तन जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों ने आपसी सहयोग बढ़ाया है। दोनों ही देशों ने आतंकवाद पर सख्त रुख अपनाया है और स्पष्ट किया है कि आतंकवाद पर डबल स्टेंडर्ड और समझौते की कोई गंजाइश नहीं है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के क्वालालंपुर पहुंचने पर जिस तरह से उनका भव्य स्वागत हुआ। वह अपने आप में अभूतपूर्व है। अगस्त 2024 में भारत-मलेशिया द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिए जाने के बाद प्रधानमंत्री मोदी की यह पहली यात्रा है। पूर्व मलेशियाई प्रधानमंत्री महातिर मोहम्मद के शासनकाल में दोनों देशों के संबंधों में कड़वाहट आ गई थी। महातिर मोहम्मद ने भारत के नागरिकता कानून और जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का विरोध किया था। इतना ही नहीं उन्होंने भारत के भगौड़े इस्लामिक प्रचारक जाकिर नाईक को भी शरण दी थी।

दोनों देशों के बीच संबंधों में कड़वाहट का दौर बीत चुका है। इस बात का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि मोदी और मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम एक ही कार में भारतीय समुदाय के एक कार्यक्रम स्थल पर गए। भारत और मलेशिया के बीच ऐतिहासिक संबंधों में हाल के वर्षों में निरंतर प्रगति हुई है। दोनों देश अपने रक्षा और सुरक्षा संबंधों को मजबूत करने, अपनी आर्थिक और इनोवेशन पार्टनरशिप को बढ़ाना तथा नए क्षेत्रों में अपने सहयोग का विस्तार करना चाहते हैं। भारत मलेशिया से मुख्य रूप से खाद्य तेल आयात करता है, विशेष रूप से पाम तेल जो भारत की घरेलू आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा पूरा करता है। इसके अलावा भारत मलेशिया से इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, अर्धचालक से जुड़े पुर्जे, रसायन, पैट्रो रसायन उत्पाद, रबर और लकड़ी से बने सामान भी आयात करता है।

प्रधानमंत्री मोदी और अनवर इब्राहिम में बातचीत के बाद दोनों देशों में कई महत्वपूर्ण समझैते हुए। इन समझौतों में सेमीकंडक्टर, स्वास्थ्य देखभाल और सुरक्षा सहयोग जैसे क्षेत्रों को भी शामिल किया गया है। दोनों देशों ने व्यापार सहयोग 8.59 बिलियन डॉलर से आगे बढ़ाने का फैसला किया इसके अलावा दोनों देश निवेश, स्थानीय मुद्रा में व्यापार, पीपल टू पीपल कनेक्टीविटी, ऊर्जा, कृषि, खाद्य सुरक्षा आदि क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ाएंगे। भारत लगातार एक के बाद एक व्यापार समझौते कर रहा है और भारत को नए बाजार मिल रहे हैं।

दूसरी ओर भारत मलेशिया को पैट्रोलियम उत्पाद, दवाइयां, वाहन, इस्पात, रसायन, वस्त्र और सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़ी सेवाएं निर्यात करता है। भारतीय दवा उद्योग मलेशिया में अच्छी पहचान रखता है, क्योंकि भारत की सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाइयां वहां के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसी तरह भारतीय तकनीकी कंपनियां मलेशिया के डिजिटल विकास में अहम भूमिका निभा रही हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार को अधिक संतुलित और टिकाऊ बनाने के लिए व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते की समीक्षा की जा रही है, ताकि भारतीय उद्योगों और मलेशियाई भागीदारों दोनों को समान लाभ मिल सके। मलेशिया से भारत को कच्चे माल और रणनीतिक आपूर्ति के क्षेत्र में महत्वपूर्ण लाभ मिलता है। अर्धचालक और इलेक्ट्रॉनिक उद्योग में मलेशिया की वैश्विक भूमिका भारत के लिए खास मायने रखती है, खासकर ऐसे समय में जब दुनिया आपूर्ति श्रृंखला को विविध बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। वहीं मलेशिया के लिए भारत एक विशाल बाजार, तेज़ी से बढ़ी अर्थव्यवस्था और निवेश के असीम अवसरों वाला देश है। भारत की जनसंख्या, डिजिटल और निर्माण क्षमता मलेशियाई कंपनियों को आकर्षित करती है।

क्या यूजीसी 2026 से कैंपस में समानता आएगी या डर का माहौल?

लोकेंद्र सिंह चौहान
सहायक प्राध्यापक
हितकारिणी विधि महाविद्यालय, जबलपुर

विश्वविद्यालय किसी सरकारी दफ्तर का विस्तार नहीं होते, बल्कि वे विचारों की प्रयोगशाला होते हैं, जहाँ प्रश्न पूछे जाते हैं, बहस होती है और समाज की नई दिशा तय होती है। लेकिन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लागू किए गए उच्च शिक्षा संस्थानों में समता संवर्धन विनियम 2026 विश्वविद्यालयों को एक ऐसी व्यवस्था में बदलते प्रतीत होते हैं, जहाँ शिक्षा से अधिक निगरानी और भय का माहौल बनने की आशंका है। इन विनियमों का घोषित उद्देश्य भेदभाव समाप्त करना और समानता को बढ़ावा देना है। यह उद्देश्य निस्संदेह प्रशंसनीय है, किंतु जिस तरीके से इसे लागू किया जा रहा है, वह स्वयं लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत दिखाई देता है। समता के नाम पर विश्वविद्यालयों पर ऐसी समितियाँ और निगरानी तंत्र थोपे जा रहे हैं, जो उन्हें स्वतंत्र बौद्धिक संस्थान से अधिक एक नियंत्रित प्रशासनिक इकाई बना देते हैं।

नए नियमों के अनुसार प्रत्येक संस्थान में समान अवसर केंद्र, समता समिति, समता सहायता केंद्र, समता निगरानी समूह और समता दूत नियुक्त किए जाएंगे। इतना ही नहीं, हर शिक्षक और छात्र से यह लिखित घोषणा भी ली जाएगी कि वह किसी प्रकार का भेदभाव नहीं करेगा। यह व्यवस्था एक प्रकार से यह मानकर चलती है कि शिक्षक और छात्र पहले से ही संभावित अपराधी हैं, जिन्हें नियंत्रण में रखना आवश्यक है। यह दृष्टिकोण स्वयं में अपमानजनक और अविश्वास से भरा हुआ है।

सबसे गंभीर समस्या यह है कि भेदभाव की परिभाषा अत्यंत अस्पष्ट और व्यापक है। किसी शिक्षक द्वारा दिए गए अंक, किसी छात्र को अनुशासन में रखने की कार्रवाई या किसी अकादमिक बहस को भी भेदभाव बताकर शिकायत की जा सकती है। इससे शिक्षक निष्पक्ष निर्णय लेने के बजाय डर के कारण सुरक्षित और औपचारिक रास्ता अपनाने लगेंगे। परिणामस्वरूप शिक्षा की गुणवत्ता गिरना तय है।

इन नियमों के तहत बनी समितियाँ एक प्रकार की समानांतर न्याय प्रणाली बन जाती हैं, जहाँ बिना विधिक न्यायालय जैसी प्रक्रिया के किसी व्यक्ति को दोषी ठहराया जा सकता है। न स्पष्ट सुनवाई की गारंटी है, न जिरह की व्यवस्था और न ही अपील की प्रभावी प्रक्रिया। यह प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का खुला उल्लंघन है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर भी इसका गहरा प्रभाव पड़ सकता है। विश्वविद्यालयों में सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक विषयों पर खुलकर चर्चा होती रही है। लेकिन अब शिक्षक और छात्र किसी भी संवेदनशील विषय पर बोलने से पहले दस बार सोचेंगे कि कहीं कोई कथन भेदभावपूर्ण न घोषित कर दिया जाए। यह स्थिति शिक्षा को संवाद का मंच नहीं, बल्कि आत्म-सेंसरशिप का केंद्र बना देगी। छोटे और ग्रामीण महाविद्यालयों के लिए यह व्यवस्था और भी अव्यावहारिक है। सीमित संसाधनों में कार्य करने वाले संस्थानों से यह अपेक्षा करना कि वे अनेक समितियाँ बनाएं, नियमित रिपोर्ट दें और निरीक्षण झेलें, वास्तविकता से परे है। इससे शिक्षा पर ध्यान देने के बजाय पूरा तंत्र कागजी कार्यवाही में उलझ जाएगा।

इस पूरी व्यवस्था में सबसे खतरनाक पहलू यह है कि इसका दुरुपयोग बहुत आसान है। व्यक्तिगत रंजिश, दबाव बनाने या असफलता को छिपाने के लिए भेदभाव का आरोप एक हथियार बन सकता है। यदि झूठी शिकायतों पर कठोर दंड का प्रावधान नहीं होगा, तो यह प्रणाली न्याय के बजाय अविश्वास और भय का माध्यम बन जाएगी।

वास्तविक समानता नियमों से नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और संवेदनशीलता से आती है। कानून सहायक हो सकता है, परंतु वह संवाद और विवेक का स्थान नहीं ले सकता। यदि हर समस्या का समाधान समिति और दंड में खोजा जाएगा, तो विश्वविद्यालय धीरे-धीरे विचार के केंद्र नहीं, बल्कि नियंत्रण के केंद्र बन जाएंगे। अतः यह प्रश्न अत्यंत प्रासंगिक है कि यूजीसी 2026 वास्तव में समानता लाएगा या केवल डर पैदा करेगा। यदि इन नियमों में शीघ्र सुधार नहीं किया गया, तो यह विनियम सामाजिक न्याय से अधिक अकादमिक स्वतंत्रता पर आघात करने वाला कानून सिद्ध होगा। समानता भय से नहीं आती, वह विश्वास और सम्मान से आती है - और यही शिक्षा का मूल उद्देश्य होना चाहिए।

खुद हैरान हूं अपने सब्र का पैमाना देखकर तूने याद भी ना किया...

एक बड़ा मशहूर शेर है खुद हैरान हूं अपने सब्र का पैमाना देखकर तूने याद भी ना किया और मैने इंतजार भी नहीं छोड़ा। ये शेर भारतीय जनता पार्टी के उन तमाम नेताओं पर खरा उतरता है जो बेचारे पिछले तीन सालों से निगम, मंडलों, प्राधिकरण,और आयोगों में नियुक्ति की राह देख रहे हैं । जब कोई खबर आती है कि बस अब जल्द ही इनमें नियुक्तियां होने वाली है ये तमाम नेता सफेद कलफ लगा कुर्ता पजामा पहनकर तैयार हो जाते हैं कि बस अब जाकर पदभार संभालना है। कितने त्यौहार बीत गए, कितने चुनाव हो गए, कितनी बड़ी-बड़ी घटनाएं हो गई, लेकिन उन बेचारों की किस्मत का ताला नहीं खुल पाया ।पहले कहा बिहार चुनाव निबट जाए, फिर कहा मंत्रिमंडल का फैसला हो जाए, फिर कहा महाराष्ट्र में निकायों के चुनाव हो जाएं, सारे बड़े नेता उधर बिजी हैं, फिर कहा कि अभी महापौरों के लिए झगड़ा चल रहा है पहले इसका निबटारा हो जाए,उसके बाद कहा साल के आखिरी दिनों में क्या निर्णय लेना , नया साल आ जाने दो जो कुछ होगा नए साल में ही होगा, फिर कहा मकर संक्रांति निकल जाने दो, सूर्य उत्तरायण में आ जाए, फिर खबर दी कि नहीं छब्बीस जनवरी निकल जाए उसके बाद करते हैं, सुना है ये सब भी जब निकल गए तो बड़े नेताओं ने खबर भेज

दी है की होली के पहले क्यों किसी का रंग फीका करें एक बार होली निकल जाए फिर करते हैं नियुक्तियां। अपने को तो लगता है कि होली क्या, शिवरात्रि, रामनवमी, राखी, दशहरा, दिवाली सब निकल जाएंगे लेकिन इन नेताओं की किस्मत नहीं खुलने वाली । तीन बरस हो गए आखिर कितना इंतजार करें ये नेता लोग, जिनको मंत्रिमंडल में स्थान नहीं मिला वे भी आशा में है कि चलो कम से कम निगम मंडल के अध्यक्ष बन जाएंगे राज्य मंत्री या कैबिनेट मंत्री का दर्जा मिल जाएगा पीली बत्ती वाली गाड़ी में बड़े-बड़े अक्षरों में लिख लेंगे राज्य मंत्री या कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त, लेकिन पता नहीं कौन सी किस्मत लेकर आए हैं बेचारे नेता। अपने को तो लगता है की देखते-देखते दो साल और बीत जाएंगे और फिर मध्य प्रदेश में चुनाव शुरू हो जाएंगे फिर यही कहा जाएगा कि यार इस बार तो नहीं लेकिन अगर इस बार सरकार बन गई तो पक्का नियुक्तियां हम कर देंगे ,अब देखना यह है कि इसके बाद भी कौन से त्योहार का बहाना बीजेपी का हाई कमान लेता है क्योंकि त्यौहार तो हर साल आते हैं जैसे पिछले तीन सालों में कितने त्योहार निकल गए वैसे ही अगले दो सालों में बहुत सारे त्यौहार निकल जाएंगे लेकिन उनकी किस्मत का त्यौहार शायद ना आ पाए लेकिन यह भी तय मान लो कि ये तमाम नेता उस गाने को अपने में आत्मसात किए हुए हैं हम इंतजार करेंगे हम इंतजार करेंगे तेरा कयामत तक, खुदा करे कि कयामत हो और नियुक्तियां हो जाएं

पहले सोचो फिर बोलो

लगता है आजकल नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय जी के स्टार पर गड़बड़ चल रहे हैं कुछ बोलते हैं कुछ सोचते हैं और मुंह से कुछ निकल जाता है। पिछले दिनों एक पत्रकार के संग जो कुछ भी हुआ उससे उनकी इतनी भद्र पिटी कि उनको माफी मांगना पड़ी और तो और इंदौर के अखबारों में इंदौर का बेटा कहकर बड़ा भारी विज्ञापन भी छपवाना पड़ा, उन्हीं के इलाके में दूषित पानी से कई लोगों की मौत हो गई अब एक और बयान उनके मुंह से निकल गया कि कोई लोक निर्माण मंत्री है और उनके बेटे के कपड़े ठेकेदार सिलवा रहे हैं। अब अपने प्रदेश में तो लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह हैं और मजे की बात तो ये है कि जिनके बेटे के कपड़े सिलवाने की बात विजयवर्गीय जी कह रहे हैं

उनका बेटा ही नहीं है उनकी बेटियां हैं। जब बहुत हल्ला मचा तो फिर उन्होंने अपना एक स्पष्टीकरण जारी किया कि मेरा मतलब यह नहीं था मेरा इशारा किसी व्यक्ति विशेष पर नहीं था मैं एक समग्र रूप से बात करना चाहता था। पता नहीं क्या हो गया है जिंदगी खपा दी राजनीति करते-करते लेकिन क्या कहना है और क्या नहीं कहना ये वे आज तक नहीं समझ पाए । कहते हैं ना जब वक्त बुरा आता है तो सारे पांसे उल्टे पड़ जाते हैं यही लगता है अपने कैलाश जी के साथ में हो रहा है। अपनी तो कैलाश जी को एक ही सलाह है कि या तो दो-चार महीने का मौन व्रत धारण कर लो ना कुछ बोलोगे ना किसी से पंगा होगा और यदि मौन व्रत नहीं रखना है तो क्या बोलना है पहले उसको आईने के सामने खड़े होकर दस बार बोलो और किसी हिंदी के विद्वान से पहले उसको चेक करवा लो कि इसमें कहीं कोई गड़बड़ी तो नहीं है जब वहां से क्लियरेंस मिल जाए तब ही जाकर कुछ कहो वरना आए दिन ऐसी ही छीछालेदर सहना पड़ेगी।

एक एंग्री ओल्ड मैन

अमिताभ बच्चन ने जब प्रकाश मेहरा की फिल्म जंजीर की थी और उसमें जो रोल किया था उसके बाद से उनका नाम एंग्री यंग मैन हो गया था। अपने जबलपुर में भी एक नेता है जो अब एंग्री यंग मैन तो नहीं बल्कि एंग्री ओल्ड मैन के रूप में जाने जाने लगे हैं और वो हैं पाटन क्षेत्र के विधायक अजय बिश्नोई जी अपनी सरकार को अपनी ही सरकार को जनहित के मुद्दों पर घेरने में कभी कोताही नहीं बरती। जब भी ऐसे मुद्दे आए जो जनमानस से जुड़े हो उसमें वे खुले रूप से शासन की खटिया खड़ी करते रहे । हाल ही में बरगी बांध की नहर टूटने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया में ये लिखा कि इस संदर्भ में मुख्यमंत्री का ध्यान कई बार आकृष्ट करवाया गया लेकिन कोई कार्यवाही नहीं की गई और अब भी यदि कार्यवाही नहीं की गई तो वे धरने पर बैठने से पीछे नहीं हटेंगे ।अपने को तो ये मालूम है कि भारतीय जनता पार्टी में अनुशासन का डंडा चलता है और कोई भी पार्टी का व्यक्ति अपनी सरकार या अपने नेता के खिलाफ सार्वजनिक प्लेटफॉर्म पर नहीं कह सकता लेकिन अजय भाई की खासियत है कि वे इस बात की परवाह नहीं करते कि पार्टी उनके बारे में क्या सोचेगी या क्या कार्यवाही करेगी शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में जब तीसरी बार मंत्रिमंडल का विस्तार हुआ तब महाकौशल और विंध्य क्षेत्र से किसी को मंत्री नहीं बनाया गया था तब भी उन्होंने यही लिखा था कि महाकौशल और विंध्य फड़फड़ा तो सकते हैं लेकिन उड़ नहीं सकते। गाहेबगाहे जब भी ऐसी कोई स्थिति बनती है अजय भाई बिना किसी लाग लपेट के अपनी सरकार को घेरने में कोई दया नहीं दिखाते । अपना तो मानना है कि एंग्री ओल्ड मैन अजय बिश्नोई इसी तरह से महाकौशल की समस्याओं को लेकर मुखर बने रहे कोई नेता तो ऐसा है जो ऐसे मुद्दों पर अपनी राय सोशल मीडिया और ट्वीट के जरिए आम लोगों तक और सरकार तक पहुंचाता है।

सुपर हिट ऑफ़ द वीक

सुनिए अगर कोई मुझे भगा कर ले जाए तो आप क्या करेंगे श्रीमती जी ने श्रीमान से पूछा

कैसी बातें करती हो जानू श्रीमान जी ने उत्तर दिया फिर भी बताओ तो क्या करोगे

भगाकर ले जाने वाले से बोलूंगा भैया भगाकर काहे को ले जा रहे हो आराम से ले जाओ मैं कौन सा रोक रहा हूं श्रीमान जी ने उत्तर दिया।

संक्षिप्त समाचार

जीवाजी विवि के टंडन हॉल में बैठक कल

ग्वालियर। जीविवि द्वारा नर्सिंग महाविद्यालयों के सत्र 2025-26 के निरीक्षण प्रोफार्मा में सामने आई विसंगतियों के निराकरण के लिए एक सलाहकार समिति का गठन किया है। दरअसल नर्सिंग महाविद्यालयों से प्राप्त आवेदनों में यह पाया गया कि निरीक्षण प्रोफार्मा में कुछ विसंगतियां सामने आई हैं। इन विसंगतियों को दूर करने के उद्देश्य से कुलगुरु के निर्देशानुसार उक्त सलाहकार समिति का गठन किया गया है। गठित समिति में प्रो. नवनीत गरुड़ को संयोजक नियुक्त किया गया है। वहीं समिति के अन्य सदस्यों में शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय, जेएएच की प्राचार्य सुजा नायर तथा जिला चिकित्सालय दतिया से लता शर्मा को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। विवि कुलसचिव द्वारा जारी आदेश में यह भी बताया गया है कि समिति की बैठक 11 फरवरी को दोपहर 12:30 बजे टंडन कक्ष में होगी।

सफलता के लिए क्षमता, कमजोरी और रुचि को जानें

ग्वालियर। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की ग्वालियर शाखा में सिकासा ग्वालियर ब्रांच एवं सेंट्रल इंडिया रीजनल काउंसिल के संयुक्त तत्वावधान में 'मुलाकात खुद से' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को आत्ममंथन, आत्मविश्वास और कॅरियर को लेकर स्पष्ट सोच विकसित करने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. प्रदीप पाराशर ने कहा कि जीवन में सफलता के लिए स्वयं को समझना सबसे पहला और महत्वपूर्ण कदम है।

अच्छी बारिश का असर: गर्मियों में नहीं झेलना पड़ेगा जल संकट, तिघरा में सितम्बर तक का पानी

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

बीते वर्ष 2025 में हुई अच्छी बारिश का सीधा फायदा इस बार शहरवासियों को गर्मियों के दौरान मिलने वाला है। तिघरा बांध में पर्याप्त जलभराव होने से नगर निगम के पास फिलहाल सितंबर तक की जलापूर्ति के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध है। यही वजह है कि आने वाले महीनों में शहरवासियों को गंभीर जल संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा और नागरिकों को नियमित जलापूर्ति जारी रखी जाएगी।

पिछले वर्ष जुलाई में ही मानसून ने दस्तक दे दी थी और लगातार अच्छी बारिश के चलते तिघरा बांध में जलस्तर तेजी से बढ़ा। हालात ऐसे बने कि नवंबर माह तक 19 बार बांध के गेट खोलने पड़े थे। इसका असर यह हुआ कि बांध में रिकॉर्ड जल संग्रह हुआ, जो अब शहर के लिए राहत का बड़ा कारण बन रहा है। नगर निगम के पीएचई अधिकारियों के अनुसार वर्तमान हालात को देखते हुए फिलहाल पानी की कटौती या एक दिन छोड़कर सप्लाई जैसे किसी फैसले पर विचार नहीं किया जा रहा है।

वर्तमान में तिघरा बांध में 733 फीट जलस्तर दर्ज किया गया है और बांध करीब 70 प्रतिशत तक भरा हुआ है। तकनीकी आकलन के अनुसार यदि शहर में एक दिन छोड़कर पानी की सप्लाई की जाए तो सितंबर तक पानी उपलब्ध है, जबकि प्रतिदिन नियमित सप्लाई की स्थिति में भी जुलाई 2026 तक जलापूर्ति संभव है। बावजूद इसके, नगर निगम ने अभी एक दिन छोड़कर पानी देने का कोई निर्णय नहीं लिया है।

यहां कल नहीं आएगा पानी

सफाई कार्य के कारण जिन टंकियों में पानी नहीं भर पाएगा, उनमें लक्ष्मीबाई कॉलोनी टंकी, इंदरगंज टंकी, वस्त्र नगर टंकी, चेतकपुरी टंकी, माधव नगर टंकी, गड्ढा मोहल्ला (हनुमान टेकरी) टंकी, हुजरात कोतवाली टंकी, जेएएच टंकी शामिल हैं। इसके अलावा मांढरे की माता क्षेत्र का संप (संपवेल) भी प्रभावित रहेगा। इन टंकियों से जुड़े इलाकों के साथ-साथ डायरेक्ट सप्लाई वाले कई क्षेत्र भी 11 फरवरी को पानी की समस्या से जूझ सकते हैं। प्रभावित क्षेत्रों में शिंदे की छावनी, निर्धन नगर, सिंध बिहार, इंदरगंज, दाल बाजार, लोहिया बाजार, ललितपुर कॉलोनी, नया बाजार, कंपू, आर्मी की बजरिया, जवाहर कॉलोनी, ईदगाह, आमखो पहाड़िया, चंद्रबदनी नाका क्षेत्र, पारस बिहार, मुड़िया पहाड़, ओल्ड हाई कोर्ट क्षेत्र शामिल हैं। इसके अलावा वस्त्र नगर, हेलीपैड कॉलोनी, चेतकपुरी, माधव नगर, विजय नगर, विवेक विहार, विजय नगर एक्सटेंशन, बसंत विहार, एजी ऑफिस के सामने का क्षेत्र सहित आसपास के अन्य इलाकों में भी जलप्रदाय प्रभावित रहने की संभावना है।

15 जनवरी को वापस हो चुका प्रस्ताव

गौरतलब है कि 15 जनवरी को हुई एमआईसी (मेयर इन काउंसिल) की बैठक में जलापूर्ति को लेकर एक अहम प्रस्ताव रखा गया था। प्रस्ताव के अनुसार 15 जनवरी से 30 अप्रैल तक शहर में एक दिन छोड़कर पानी देने और 1 मई से प्रतिदिन जलापूर्ति शुरू करने की योजना थी। हालांकि चर्चा के बाद एमआईसी ने इस प्रस्ताव को वापस कर दिया था। इसके पीछे तर्क यह दिया गया कि मौजूदा जल भंडारण को देखते हुए नागरिकों को राहत देना ज्यादा जरूरी है।

इन चार प्लांटों से होती है शहर में जलापूर्ति

- मोतीझील न्यू प्लांट-68 एमएलडी क्षमता से 11 टंकियों में सप्लाई
- मोतीझील ओल्ड प्लांट-68 एमएलडी क्षमता से 12 टंकियों में सप्लाई
- तिघरा प्लांट-52 एमएलडी क्षमता से 20 टंकियों में सप्लाई, इनमें हनुमान पहाड़ी की 3 टंकियां डायरेक्ट जुड़ी
- जलालपुर प्लांट-160 एमएलडी क्षमता से 56 टंकियों में सप्लाई

मोतीझील ओल्ड वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट की होगी सफाई

शहर के एक बड़े हिस्से में 11 फरवरी मंगलवार को जलप्रदाय प्रभावित रहेगा। मोतीझील स्थित 68 एमएलडी क्षमता वाले मोतीझील ओल्ड वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट (डब्ल्यूटीपी) की सफाई के चलते नगर निगम ने यह जानकारी जारी की है। निगम अधिकारियों के अनुसार प्लांट की नियमित तकनीकी सफाई 10 फरवरी को कराई जाएगी, जिसका असर अगले दिन पानी की सप्लाई पर पड़ेगा। मोतीझील ओल्ड डब्ल्यूटीपी से जुड़ी कई प्रमुख टंकियां इस दौरान पूरी तरह नहीं भर पाएंगी। इसके चलते टंकी आधारित और डायरेक्ट सप्लाई वाले अनेक क्षेत्रों में या तो जलप्रदाय नहीं होगा या फिर बहुत कम दबाव से पानी पहुंचेगा।

गर्मी में जलस्तर की होगी निगरानी

नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल प्राथमिकता यही है कि शहरवासियों को बिना किसी परेशानी के नियमित रूप से पानी मिलता रहे। गर्मी के चरम महीनों में भी जलस्तर की सतत निगरानी की जाएगी और जरूरत पड़ने पर ही कोई वैकल्पिक निर्णय लिया जाएगा।

आर्यभट्ट छात्रावास विवाद

तीन छात्रों को छात्रावास से निकाला, चार फार्मेसी विभाग से 15 दिन के लिए निलंबित

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

जीवाजी विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट छात्रावास में हुई मारपीट के मामले में विश्वविद्यालय प्रबंधन ने कार्रवाई करते हुए तीन छात्रों को छात्रावास से बाहर कर दिया है, वहीं फार्मेसी विभाग के चार छात्रों को 15 दिन के लिए निलंबित किया है।

उल्लेखनीय है कि जीवाजी विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट छात्रावास में रहने वाले विधि विभाग के छात्र सुधांशु अस्थाना ने विश्वविद्यालय प्रबंधन, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा विश्वविद्यालय थाने में भी घटना की शिकायत की थी। इसके बाद कुलानुशासक मंडल ने मामले की जांच की, एंटी रैगिंग कमेटी को तथ्यों से अवगत कराया गया। इसके बाद आर्यभट्ट छात्रावास के छात्र आनंद चतुर्वेदी, अनंत प्रताप सिंह, हिमांशु शुक्ला को सत्र 25-26 के लिए आर्यभट्ट छात्रावास से बाहर कर दिया है। इसके साथ ही फार्मेसी विभाग के छात्र सौरभ गुर्जर, निखिल कुशवाह, गौरव जाट, सौरभ तिवारी को परीक्षा की तिथियां को छोड़कर संस्थान से 15 दिवस के लिए निलंबित कर दिया है, इसके साथ ही एंटी रैगिंग कमेटी ने छात्रावास में बाहरी छात्रों का प्रवेश निषेध कर दिया है, इसके बाद भी अगर बाहरी छात्र प्रवेश करते पाए गए तो मामला पुलिस को सौंप दिया जाएगा।

वीडियो हुआ था वायरल

आर्यभट्ट छात्रावास में छात्रों के बीच हुई मारपीट का वीडियो वायरल हुआ था, इस घटना में पीड़ित छात्र ने शिकायत की थी कि उसका कंधा डिस्लोकेट (हड्डी का जोड़ से उतरना) हो गया है। अभी इस मामले में पुलिस में हुई शिकायत की जांच चल रही है।

एक और शिकायत लंबित

जीवाजी विश्वविद्यालय के गालव सभागार में राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान भी दो पक्षों के बीच विवाद हुआ था, इस विवाद में मारपीट हुई थी। इसके बाद एक छात्र ने इस मामले में यूजीसी में भी शिकायत की थी। यूजीसी ने यह शिकायत जीवाजी विश्वविद्यालय प्रबंधन को भेजी थी। अभी इस मामले में जांच चल रही है।

मिर्गी कोई डर या भ्रम नहीं, उपचार से संभव सामान्य जीवन: डॉ. आभास कुमार

ग्वालियर। 'विश्व मिर्गी दिवस' के अवसर पर आर जे एन अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल के वरिष्ठ न्यूरो फिजिशियन डॉ. आभास कुमार ने कहा कि मिर्गी (एपिलेप्सी) एक आम लेकिन गलतफहमियों से घिरी न्यूरोलॉजिकल बीमारी है। उन्होंने बताया कि मिर्गी न तो छूने से फैलती है और न ही यह कोई मानसिक रोग है। समय पर सही जांच और नियमित उपचार से मिर्गी से पीड़ित अधिकांश मरीज सामान्य और स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। डॉ. आभास कुमार ने बताया कि मिर्गी के दौरान मरीज को बेहोशी, शरीर में झटके, अकड़न, बोलने या समझने में परेशानी के साथ दौरे के बाद भ्रम और अत्यधिक थकान महसूस हो सकती है। इसके प्रमुख कारणों में सिर में गंभीर चोट, दुर्घटना, जन्म के समय ऑक्सीजन की कमी, मस्तिष्क संक्रमण, स्ट्रोक या मस्तिष्क में गांठ शामिल हैं, हालांकि कई मामलों में कारण स्पष्ट नहीं हो पाता। उन्होंने बताया कि सही दवाइयों और नियमित चिकित्सकीय निगरानी से लगभग 70 से 80 प्रतिशत मरीजों में मिर्गी पूरी तरह नियंत्रित की जा सकती है। ग्वालियर एवं आसपास के क्षेत्र के मरीजों के लिए यह राहत की बात है कि आर जे एन अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल में अब ईईजी, वीडियो ईईजी मॉनिटरिंग, मस्तिष्क का एमआरआई (एपिलेप्सी प्रोटोकॉल), सीटी स्कैन सहित मिर्गी की आधुनिक जांच एवं उपचार सुविधाएं उपलब्ध हैं।

शिक्षा मनुष्य को मानसिक व आर्थिक आत्मनिर्भरता देती है : डॉ. वैद्य

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

विद्यार्थी जीवन बीते हुए कल की त्रुटियों को स्मरण करने, वर्तमान में उन त्रुटियों को दूर कर अपने भविष्य को सुघड़ बनाने की अनंत सम्भावनाओं से परिपूर्ण होता है और माधव महाविद्यालय में आयोजित स्व बोध से विश्व बोध की ओर जैसे शिविर इन सम्भावनाओं को विकसित करने का, समृद्ध करने का काम बड़े सार्थक रूप में सम्पन करते हैं।

यह बात माधव महाविद्यालय के व्यक्तित्व विकास,कौशल विकास एवं चेतना जागरुकता प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित पांच दिवसीय शिविर के समापन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में अखिल भारतीय साहित्य परिषद मध्य भारत प्रान्त अध्यक्ष डॉ.कुमार संजीव ने विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देते हुए कही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मध्य भारत शिक्षा समिति के सचिव डॉ.राजेन्द्र वैद्य ने शिक्षा के व्यक्तित्व निर्माण में योगदान के सम्बन्ध में बात रखते हुए कहा कि शिक्षा का अर्थ है व्यक्ति मानसिक एवं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बने। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रभारी प्राचार्य डॉ.संतोष शर्मा ने कहा कि सामूहिक रूप से किए जाने वाले सभी आयोजनों का उद्देश्य व्यक्ति के आचरण को आकार देना होता। कार्यक्रम के आरंभ में प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. मंदाकिनी शर्मा ने पांच दिवसीय शिविर का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। शिविर के इस समापन समारोह में विद्यार्थियों द्वारा व्यंजन और प्रदर्शनी के माध्यम से अपने कौशल का प्रदर्शन भी किया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

टेंडर और वर्क ऑर्डर के बावजूद आपूर्ति ठप गरीब मरीज बाजार से इंप्लांट खरीदने को मजबूर

आयुष्मान योजना के तहत जिला अस्पताल में इंप्लांट नहीं

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

आयुष्मान भारत योजना के तहत गरीब और जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क इलाज उपलब्ध कराने का दावा करने वाले जिला अस्पताल मुरार में व्यवस्थाएं इन दिनों पूरी तरह पटरी से उतरती नजर आ रही हैं। स्थिति यह है कि अस्पताल प्रबंधन आयुष्मान कार्ड धारकों को ऑपरेशन के लिए आवश्यक इंप्लांट जैसे रॉड, प्लेट और स्क्रू तक उपलब्ध नहीं करा पा रहा है। अस्पताल में इंप्लांट सप्लाई के लिए करीब एक माह पूर्व टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई थी। इसके बाद दो अलग-अलग एजेंसियों को वर्क ऑर्डर भी जारी किए जा चुके हैं, इसके बावजूद अब तक अस्पताल के स्टोर में एक भी इंप्लांट नहीं पहुंच पाया है। जिला अस्पताल के हड्डी रोग विभाग सहित अन्य सर्जरी विभागों में आयुष्मान कार्ड लेकर पहुंचने वाले मरीजों को लंबी वेटिंग दी जा रही है। कई मामलों में मरीजों और उनके परिजनों को यह कहकर लौटा दिया जाता है कि फिलहाल ऑपरेशन के लिए जरूरी सामान उपलब्ध नहीं है। दर्द से कराह रहे मरीजों के सामने मजबूरी यह है कि वे कर्ज लेकर निजी मेडिकल दुकानों से इंप्लांट खरीदें, तभी उनका ऑपरेशन संभव हो पा रहा है।

इस पूरे मामले पर अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि संबंधित दोनों एजेंसियों को अब तक दो बार पत्र जारी किए जा चुके हैं। इसलिए अब एजेंसियों को तत्काल इंप्लांट की सप्लाई सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। साथ ही चेतावनी दी गई है कि यदि सप्लाई में और देरी हुई तो अनुबंध की शर्तों के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य में 18 को कुलैथ में किसान सम्मेलन

ग्वालियर। मध्यप्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसी क्रम में किसान कल्याण वर्ष एवं संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 18 फरवरी को ग्वालियर जिले के ग्राम कुलैथ में आयोजित किसान सम्मेलन में किसानों से सीधा संवाद करेंगे। सम्मेलन के दौरान किसानों के लिए आधुनिक खेती में उपयोग होने वाले कृषि यंत्रों एवं तकनीकों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर जिलाधीश रुचिका चौहान ने सोमवार को ग्राम कुलैथ पहुंचकर आयोजन स्थल का निरीक्षण किया और संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ सोजान सिंह रावत, एसडीएम प्रदीप कुमार, लोक निर्माण विभाग के अधिकारी एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने अधिकारियों को किसान सम्मेलन की विस्तृत कार्ययोजना बनाकर सभी व्यवस्थाएं समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

केआरजी महाविद्यालय में दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस शुरू

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

भौतिक विज्ञान विकसित भारत की रीढ़ की हड्डी

शासकीय केआरजी महाविद्यालय में भौतिक विभाग द्वारा दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन ऑनलाइन एवं ऑफलाइन मोड में किया गया , जिसका विषय था फ्रंटियर्स एंड इनोवेशंस इन फिजिकल साइंस एंड न्यू एज टेक्नोलॉजीज। उच्च शिक्षा विभाग मप्र शासन द्वारा प्रायोजित इस कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र में मुख्यातिथि प्रो.श्रीनिवास सिंह डायरेक्टर अटल बिहारी वाजपेयी ट्रिपल आईटीएम ग्वालियर, कॉन्फ्रेंस के प्रमुख संरक्षक प्रो. के. रत्नम अतिरिक्त संचालक ग्वालियर चम्बल संभाग उच्च शिक्षा, प्राचार्या एवं संरक्षक डॉ. साधना श्रीवास्तव, विशिष्ट अतिथि प्रो. डीसी गुप्ता भौतिक विभाग जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर, मुख्य वक्ता प्रो पीआर सगदेव भौतिक विभाग आईआईटी इंदौर, डॉ. ऋतुराज शर्मा सीएसएआर आईपीएस अकादमी इंदौर, प्रो. राजेश कुमार भौतिक विभाग आईआईटी इंदौर मंचासीन थे। इस अवसर पर प्रो के रत्नम ने कहा कि नवाचार के क्षेत्र में भौतिक विज्ञान विकसित भारत की रीढ़ की हड्डी है। ऊर्जा और नैनो तकनीक सभी की जन्म भौतिक विज्ञान से हुआ है। मुख्यातिथि प्रो श्रीनिवास सिंह ने आधुनिक युग के तकनीकी उपादानों को भारतीय ज्ञान परम्परा से जोड़ते हुए विस्तार से प्रकाश डाला। प्रख्यात भौतिक शास्त्री डॉ. डीसी गुप्ता ने कहा कि एआई, नैनो साइंस, सेमी कंडक्टर,स्मार्ट सेंसेज आदि सभी का प्रमुख अंग भौतिकी है। मानवता के विकास में तथा इलेक्ट्रॉनिक ग्लोबल सिस्टम को आकार देने में फिजिक्स फ्रंटियर्स रिसर्च का बहुत बड़ा योगदान है। प्रथम तकनीकी सत्र में डॉ. सूर्यकांत मिश्रा लॉस एलामोस नेशनल लेबोरेट्री यूएसए द्वारा ऑनलाइन शोधपत्र प्रस्तुत किया गया।

भेदभाव मिटाने की प्रेरणा देते हैं संत

ग्वालियर। संत किसी एक समाज के नहीं, बल्कि सभी का कल्याण करते हैं, वह ईश्वर के दूत हैं। गौतम बुद्ध, कबीर और रविदास के विचार आज भी हमें सामाजिक समरसता, समानता और मानवता का मार्ग दिखाते हैं। उनके संदेश समाज को जोड़ने और भेदभाव मिटाने की प्रेरणा देते हैं। अगर समाज में ऊंच- नीच की भावना मिटाना है, तो शिक्षा की जागरूकता लाना होगी। यह बात हॉकी इंडिया के उपाध्यक्ष देवेंद्र प्रताप सिंह तोमर (रामू) ने वीके गार्डन खुरैरी, मुरार में समरसता से समानता की ओर विषय पर आयोजित संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कही। मुख्य वक्ता जीवाजी विवि के प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व अध्ययनशाला के विभागाध्यक्ष प्रो. शांतिदेव सिसोदिया थे। अध्यक्षता वीआरजी कॉलेज के प्रो. पीसी जाटव ने की। इसके अलावा आयोजक गिर्राज वर्मा, दुर्गेश मंडेलिया, पूर्व पार्षद शिवराम जाटव, पुरुषोत्तम टमोटिया, होतम मौर्य, शैलेन्द्र प्रताप कदम, इंजी. केबी दोहरे मंचासीन रहे। मुख्य वक्ता प्रो. शांतिदेव सिसोदिया ने कहा कि जब देश में मुगलों का शासन था, तब संतों और महापुरुषों ने समता और समानता की बात कही। अंत में अतिथियों द्वारा लोगों को सम्मानित किया गया। संचालन कार्यवाहक जिलाध्यक्ष अतर सिंह जाटव ने एवं आभार आयोजक गिर्राज वर्मा एवं दुर्गेश मंडेलिया ने व्यक्त किया।

गायन में देवता की तरह हैं सभी सुर, प्रस्तुति देते समय किसी भी सुर को न छोड़ें अधूरा

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

गायन संगीत की वह विधा है जिसमें मानव कंठ से स्वर, लय और ताल के माध्यम से संगीतमय ध्वनियां उत्पन्न की जाती हैं, जो रागों और भावनाओं को प्रकट करती हैं। यह संगीत का सबसे प्राचीन रूप है। गायन में हर सुर का अपना महत्व है और समस्त सुर देवता की तरह होते हैं इसलिए गायन की प्रस्तुति देते वक्त किसी भी सुर को अधूरा न छोड़ें। यह बात पुणे से आईं विदुषी वीणा सहस्त्रबुद्धे जी की शिष्या व वरिष्ठ शास्त्रीय गायिका उर्वशी शाह ने कही। वह राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय में चल रही विस्तार व्याख्यान माला श्रृंखला के अंतर्गत गायन विभाग द्वारा आयोजित व्याख्यान सह प्रदर्शन में बतौर विषय विशेषज्ञ बोल रही थीं। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों को गायन की बारीकियों से परिचित भी कराया और गायन की बंदिशें भी प्रस्तुत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलगुरु प्रो. स्मिता सहस्त्रबुद्धे ने की। इस अवसर पर कुलसचिव अरुण सिंह चौहान, वित्त नियंत्रक डॉ. आशुतोष खरे, गायन विभागाध्यक्ष डॉ. संजय सिंह, अकादमिक शाखा प्रभारी डॉ. मनीष करवड़े, सांस्कृतिक समिति समन्वयक डॉ. पारुल दीक्षित के साथ डॉ. श्याम रस्तोगी, पीआरओ कुलदीप पाठक सहित समस्त संगतकार, छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

बच्चों ने नृत्य-नाटक से दिखाया पारिवारिक स्नेह

वार्षिक उत्सव में जीवंत हुए रिश्तों के रंग

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

आनंद नगर स्थित वीनस पब्लिक स्कूल में गत दिवस वार्षिक उत्सव का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें रिश्तों की महत्ता को केंद्र में रखकर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। विद्यार्थियों ने दादा-दादी, नाना-नानी, चाचा-चाची, मामा-मामी, ताऊ-ताई, बुआ-फूफा एवं मौसी-मौसा जैसे पारिवारिक रिश्तों को नृत्य-नाटक व गीत-संगीत के माध्यम से आकर्षक रूप से प्रस्तुत किया।

विद्यार्थियों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भावुक कर दिया। बच्चों ने नृत्य और अभिनय के साथ बैकग्राउंड म्यूजिक भी स्वयं प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य पारिवारिक मूल्यों और रिश्तों की गरिमा को नई पीढ़ी तक पहुंचाना रहा।

इस मौके पर अतिथियों ने कहा कि विद्यालय में बच्चों को पुस्तक ज्ञान के साथ-साथ नैतिक मूल्यों और संस्कारों की शिक्षा भी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि बदलते समय और एकल परिवार की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण पारिवारिक रिश्ते कमजोर पड़ रहे हैं, ऐसे में इस तरह के कार्यक्रम बच्चों को रिश्तो की अहमियत समझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में अतिथियों के रूप में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, पूर्व सांसद विवेक शेजवलकर, आईजी अरविंद सक्सेना, भाजपा युवा नेता रामू तोमर एवं विद्यालय प्रबंधक डॉ.विवेक गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

'ट्रैवल एंड टूरिज्म' में कॅरियर पर कार्यशाला

ग्वालियर। भारतीय यात्रा एवं पर्यटन प्रबंधन संस्थान में ट्रैवल एंड टूरिज्म में कॅरियर विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में तमिलनाडु से आए प्रतिनिधिमंडल में मुरुगेसन के.ए., कलैयारासन के., डॉ. विजय कुमार पी. एवं विष्णु वरदन ए. उपस्थित रहे। निदेशक डॉ. आलोक शर्मा, नोडल अधिकारी डॉ. सौरभ दीक्षित, कोर्स चेयरमैन डॉ. चंद्रशेखर बरुआ, डॉ. रमेश देवरथ, छात्रवृत्ति पर बाबूलाल यादव, संस्थान परिचय डॉ. अमित तिवारी ने दिया। कैंपस विजिट डॉ. आर. अभिलाष ने कराई। आभार डॉ. कामाक्षी महेश्वरी ने व्यक्त किया। इस अवसर पर रामाकृष्ण कोंगाला, विशाल केसरी, डॉ. विनय कुमार राय, डॉ. वाई.पी.एस. सेंगर सहित अन्य उपस्थित रहे।

सिटी स्पोर्ट्स

म्यू थाई एसोसिएशन में छत्तीसगढ़ से अनीस, लखन और अमन को जवाबदारी

रायपुर। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक कमेटी (आईओसी) से मान्यता प्राप्त संस्था इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ म्यू थाई एसोसिएशन (आईएफएमए) की भारत मे मान्यता प्राप्त संस्था यूनाइटेड म्यू थाई एसोसिएशन इण्डिया (यूएमएआई) के चुनाव रविवार को नई दिल्ली में सर्वसम्मति से सम्पन्न हुए। जहां 2025 - 2029 के लिए 09 सदस्यीय कार्यकारिणी चुनी गई। जिसमें छत्तीसगढ़ से अनीस मेमन सहसचिव चुने गए। वहीं लखन कुमार साहू सलाहकार समिति के चैयरमेन और अमन यादव एथलीट कमीशन के चैयरमेन बनाये गए हैं। चुनाव के लिए कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ़ इण्डिया, नई दिल्ली में आमसभा आयोजित हुई जिसमे अंतरराष्ट्रीय संस्था आईएफएमए के निर्देश पर, एशियाई संस्था एफएएमए के महासचिव एवं लीगल कमीशन के चैयरमेन मारवयन तान पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित थे। आमसभा में चुनाव सर्वसम्मति से हुए। चुनाव पश्चात नियमानुसार 07 कमीशन का गठन कर विभिन्न प्रतिनिधियों को चैयरमेन बनाया गया। छत्तीसगढ़ म्यू थाई संघ के अध्यक्ष लखन कुमार साहू और महासचिव अनीस मेमन ने आगे बताया कि इस चुनाव में 28 राज्यों के प्रतिनिधियों के बीच छत्तीसगढ़ को भी शानदार प्रतिनिधित्व मिला है। राज्य म्यू थाई संघ के महासचिव अनीस मेमन भारतीय म्यू थाई फेडरेशन यूएमएआई की कार्यकारिणी के सहसचिव सर्वसम्मति से चुने गए। राज्य म्यू थाई संघ के अध्यक्ष लखन कुमार साहू को सलाहकार समिति का चैयरमेन बना कर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। छत्तीसगढ़ के अंतरराष्ट्रीय म्यू थाई खिलाड़ी अमन यादव (छ ग भाजपा खेल एवं कला सह प्रमुख) को एथलीट कमीशन का चैयरमेन नियुक्त कर उभरते युवा खिलाड़ियों की बड़ी जिम्मेदारी सौपी गई है। 2025 - 2029 के लिए 09 सदस्यीय यूएमएआई कार्यकारिणी में अध्यक्ष - मोहन वर्मा (नई दिल्ली),वरिष्ठ उपाध्यक्ष - अनुपम माहता (झारखण्ड), उपाध्यक्ष - सुप्रियो बिस्वास (पश्चिम बंगाल),सचिव - श्रीराम चौधरी (राजस्थान), कोषाध्यक्ष - सोमबीर वशिष्ठ (हरियाणा), सहसचिव - धीरज बब्बर (पंजाब),सदस्य - आर बी राय (सिक्किम) और सदस्य - अमित सिंह (जम्मू एंड कश्मीर) बनाए गए हैं।

राष्ट्रीय खेल में छत्तीसगढ़ को मॉडर्न पेंटाथलॉन महिला टीम इवेंट में रजत पदक

रायपुर। उत्तराखंड में जारी 38 वें राष्ट्रीय खेल में छत्तीसगढ़ 05 स्वर्ण पदक, 02 रजत पदक एवं 08 कांस्य पदक सहित अब तक कुल 15 पदक प्राप्त किए है। इसी कड़ी में रविवार को हल्द्वानी में मॉडर्न पेंटाथलॉन खेल में छत्तीसगढ़ ने ट्रायथले महिला टीम इवेंट में शानदार प्रदर्शन किया। छत्तीसगढ़ की महिला खिलाड़ियों ने शूटिंग, दौड़ एवं तैराकी इवेंट्स में दूसरे स्थान के साथ रजत पदक प्राप्त किया है। छत्तीसगढ़ की महिला टीम इवेंट में मोनिका साहू (कबीरधाम जिला), दिलेश्वरी (दुर्ग जिला), चंद्रकला ओझा (दुर्ग जिला) शामिल है जिनके टीम के प्रशिक्षक रवि धनकर, तुलसी राम और प्रबंधक रीमा राय है। 38 वे राष्ट्रीय खेल में पदक प्राप्त मॉडर्न पेंटाथलॉन महिला खिलाड़ियों को छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय , सांसद रायपुर जिला एवं छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन के उपाध्यक्ष बृजमोहन अग्रवाल, सांसद दुर्ग जिला, उपाध्यक्ष छत्तीसगढ़ ओलिंपिक एसोसिएशन विजय बघेल, कैबिनेट मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन एवं उपाध्यक्ष केदार कश्यप, महासचिव डॉ. विक्रम सिंह सिसोदिया, मॉडर्न पेंटाथलॉन एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष अनिल पुसदकर एवं सचिव श्री प्रमोद सिंह ठाकुर, छत्तीसगढ़ के शेफ-डी-मिशन सहीराम जाखड़, डिप्टी शेफ-डी-मिशन प्रशांत सिंह रघुवंशी, सहित छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन के समस्त पदाधिकारीगण एवं राज्य खेल संघ के पदाधिकारियों ने पदक विजेता खिलाड़ियों को अपनी शुभकामनाएं दी है।

स्कूली विद्यार्थियों ने लिया आत्मरक्षा का प्रशिक्षण

रायपुर। ग्राम सांकरा के शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल धरसीवा में केयर स्किल फाउंडेशन द्वारा एक दिवसीय निःशुल्क सेल्फ डिफेंस प्रशिक्षण "मिशन स्ट्रॉन्गहर" का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में लगभग 220 छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में सेल्फ डिफेंस एक्सपर्ट हर्षा साहू (अंतरराष्ट्रीय कराटे खिलाड़ी) व सहायिका प्रतिमा कुमार ने छात्राओं को आत्मरक्षा के विभिन्न महत्वपूर्ण तकनीकों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि आत्मरक्षा न केवल सुरक्षा के लिए आवश्यक है, बल्कि यह आत्मविश्वास बढ़ाने और विपरीत परिस्थितियों में अपने बचाव के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है।

● जीवनशैली में बदलाव लाकर आप सामान्य कर सकते हैं अपना ब्लड प्रेशर

बिना दवा के ब्लड प्रेशर को काबू में रखना चाहें तो मौजूद है उपाय, अपनी आदतों में करना होगा बदलाव

ज्यादातर लोगों में ब्लड प्रेशर की समस्या गलत खान-पान और अनियमित दिनचर्या के कारण होती है। ऐसे में खान-पान और दिनचर्या को नियमित कर लिया जाए तो काफी हद तक ब्लड प्रेशर की समस्या भी नियंत्रित हो सकती है।

अनियंत्रित ब्लड प्रेशर या हाई ब्लड प्रेशर की समस्या आजकल हर उम्र के लोगों में आम हो चुकी है। ऐसे में इससे राहत पाने के लिए दवा पर निर्भरता भी काफी हद तक बढ़ चुकी है। लोगों को बीपी को कंट्रोल में रखने के लिए दवाओं का सेवन आसान लगता है और वो बिना सोचे-समझे इसका सेवन करते रहते हैं। जबकि ऐसी दवाओं का लगातार सेवन सेहत पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। बता दें कि ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने वाली दवाओं के सेवन के चलते व्यक्ति को जहां शारीरिक कमजोरी और थकान जैसी समस्याएं सामान्य दुष्प्रभाव के रूप में झेलनी पड़ती हैं। वहीं इनके अधिक सेवन के किडनी और लीवर से जुड़ी गंभीर समस्याएं भी हो सकती हैं। इसलिए बेहतर यही होगा कि इन दवाओं के प्रयोग के बजाय प्राकृतिक तरीके से ब्लड प्रेशर को नियंत्रित किया जाए। इसके लिए दिनचर्या और खान-पान को संयमित करना बेहद जरूरी है।

खाने में नमक का प्रयोग कम करें

डॉ. बृजेंद्र सिंह बताते हैं कि खाने में नमक का अधिक प्रयोग करने से शरीर में सोडियम की मात्रा बढ़ती है जो कि ब्लड वेसेल्स दबाव डालता है और इससे हाई ब्लड प्रेशर की समस्या उत्पन्न होती है। इसलिए ब्लड प्रेशर के मरीजों को खाने में नमक का प्रयोग कम से कम करना चाहिए। इसकी जगह आप चाहें तो सेंधा नमक का प्रयोग कर सकते हैं, क्योंकि सेंधा नमक में पाए जाने वाले पोटैशियम ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में सहायक माना जाता है।

जंक फूड का सेवन करें बंद

जंक फूड का सेवन तो वैसे सभी के लिए नुकसानदेह है पर हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए तो यह अधिक घातक साबित होता है। असल में जंक फूड में नमक और शुगर के साथ ही ट्रांस वसा और कैलोरी काफी अधिक मात्रा में पाई जाती है। ऐसे में इनका सेवन जहां सीधे तौर पर रक्तचाप को बढ़ाता है, वहीं ऐसे फूड के सेवन से मोटापा भी बढ़ता है, जो कि ब्लड प्रेशर की एक मुख्य वजह है। इसलिए अगर आप हाई ब्लड प्रेशर के मरीज हैं तो बेहतर यही होगा कि आप जंक फूड का सेवन बंद कर दें।

स्मोकिंग से बनाए दूरी

स्मोकिंग भी हाई ब्लड प्रेशर के रोगियों के लिए खतरनाक साबित होती है। दरअसल, सिगरेट में पाए जाने वाला निकोटीन सीधे तौर ब्लड प्रेशर को बढ़ाता है, इसलिए अगर किसी को हाई ब्लड प्रेशर की समस्या है तो इसके लिए स्मोकिंग से दूरी बनाए रखना ही बेहतर होगा।

अपनी शारीरिक गतिविधि बढ़ाएं

ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए शारीरिक गतिविधि बढ़ाना जरूरी है, क्योंकि आप शारीरिक रूप से जितने एक्टिव रहेंगे, मोटापा और उच्च रक्तचाप की समस्या उतनी ही कम होगी। इसलिए अपनी दिनचर्या में मॉर्निंग वॉक, एक्सरसाइज और योग के अभ्यास को जरूर शामिल करें। रोजाना एक निश्चित समय पर एक्सरसाइज और योग अभ्यास के जरिए आप वजन को नियंत्रित कर हाई ब्लड प्रेशर के साथ ही हृदय संबंधी रोगों के जोखिम को कम कर सकते हैं।

पर्याप्त नींद लें

पर्याप्त नींद अपने में आप कई सारे रोगों की दवा है, हाई ब्लड प्रेशर के बारे में भी यह बात लागू होती है।

कूलडाउन करते समय न करें ये गलतियां वरना मसल्स रिकवरी हो सकती है धीमी

जिम जाकर वर्कआउट करना , जंक फूड, प्रोसेस्ड फूड से दूर रहना और योग करना आदि वो तरीके हैं, जिससे किसी को भी स्वस्थ रहने में मदद मिल सकती है। रोजाना वर्कआउट करने के भी कई फायदे होते हैं। लेकिन वर्कआउट के बाद मसल्स रिकवरी भी काफी जरूरी होती है। वर्कआउट के बाद मसल्स रिकवरी के लिए, कुछ लोग सोर मसल्स में आराम देने वाले फूड का सेवन करते हैं; तो कुछ हाई प्रोटीन डाइट का सेवन करते हैं। मसल्स रिकवरी में कुछ विटामिन भी मदद कर सकते हैं। वर्कआउट के बाद मसल्स रिकवरी के लिए गहरी नींद भी जरूरी है, जिसके लिए सोने के ये तरीके भी अपना सकते हैं। वर्कआउट के बाद मसल्स रिकवरी और इंजुरी से बचने के लिए कूल डाउन प्रोसेस भी करनी होती है। कूलिंग डाउन प्रोसेस आपकी हृदय गति को धीरे-धीरे कम करने के लिए पर्याप्त समय देता है, जो आपके शरीर को रिकवरी मोड में ले जाता है। कूल डाउन जब सही तरीके से किया जाता है, तो इसके अलावा स्टैटिक स्ट्रेचिंग या फोम रोलिंग शामिल है, जो थके हुए मसल्स को आराम देते हैं।

कूल डाउन के दौरान होने वाली गलतियां

कूल डाउन में भले ही इसमें केवल कुछ मिनट लगते हैं, लेकिन वर्कआउट के बाद यह काफी जरूरी है। हो सकता है आप कूल डाउन की प्रोसेस के दौरान कुछ गलतियां कर रहे हों, जिस कारण से बॉडी सही से रिकवर नहीं हो पा रही हो। इसलिए कूलडाउन के समय दी हुई गलतियां करने से बचें।

हर वर्कआउट के बाद कूलडाउन न करें

ज्योफ ट्रिप के मुताबिक, एक्सरसाइज के बाद कम से कम पांच मिनट का क्विक कूलडाउन प्रोसेस करने से मसल्स रिकवरी की प्रोसेस बढ़ जाती है। एक्सरसाइज के दौरान आपका शरीर कई तनावपूर्ण प्रक्रियाओं से गुजरता है। अमेरिकन कॉलेज ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन के अनुसार, वर्कआउट के दौरान जो टेंशन क्रिएट होती है उस दौरान कैमिकल ब्रेक होते हैं, जो कि मसल्स में दर्द और थकान पैदा करते हैं। एक एक्टिव रिकवरी करने वाला कूलडाउन करके, उसके बाद स्ट्रेच करके मसल्स रिकवरी प्रोसेस की ओर आगे बढ़ सकते हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हर एक्सरसाइज के बाद कूलडाउन करें। बल्कि वर्कआउट खत्म होने के बाद सिर्फ 10 मिनट इस प्रोसेस को दें। यदि आप 1 घंटा वर्कआउट कर रहे हैं, तो उसके बाद 10 मिनट कूलडाउन प्रोसेस करें, जिसमें स्ट्रेचिंग और फोम रोलिंग शामिल हों।

अचानक से अपना वर्कआउट बंद कर देना

वर्कआउट के बाद कूलडाउन सबसे पहले शरीर के तापमान और ब्लड प्रेशर को नॉर्मल करता है। फिर शरीर को वर्कआउट रिकवरी मोड में लेकर जाता है। लेकिन ऐसा करने के लिए आपको तुरंत किसी वर्कआउट को बंद नहीं करना चाहिए। उदाहरण के लिए आप यदि स्पीड में साइकिल चला रहे हैं और अचानक से ब्रेक लगा देंगे तो साइकिल गिर जाएगी। आप गिरें न इसके लिए धीरे-धीरे ब्रेक लगाने होंगे।

उसी तरह आपको वर्कआउट करना अचानक बंद नहीं करना है, बल्कि धीरे-धीरे वर्कआउट की तीव्रता को कम करना होगा, यह वर्कआउट सेशन को समाप्त करने का सबसे अच्छा तरीका है। यदि आप दौड़ रहे हैं, तो धीरे-धीरे जॉगिंग पर आएं फिर तेज चलने पर आएं और फिर धीरे-धीरे अपनी स्पीड को कम करते हुए रुकें।

श्री लक्ष्मी-गणेश के सामने जलने वाले दीपक में डालें लौंग, होगा लाभ

माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा में दीपक जलाने के समय लौंग डालने से क्या लाभ हो सकता है। इसके बारे में ज्योतिषाचार्य पंडित अरविंद त्रिपाठी से विस्तार से जानते हैं।

मां लक्ष्मी की आरती में करें लौंग का उपयोग

मां लक्ष्मी की पूजा में आरती करने के दौरान लौंग जरूर डालें। इससे घर में स्थित नकारात्मक ऊर्जा से छुटकारा मिल सकता है और धन-धान्य में भी वृद्धि हो सकती है। इतनी ही लौंग डालकर आरती करने से मां लक्ष्मी बेहद प्रसन्न होती है और उनकी कृपा सदैव व्यक्ति पर हबनी रहती है।

भगवान गणेश की पूजा में करें लौंग के उपाय

भगवान गणेश की आरती के दौरान लौंग का उपोयग जरूर करें। इससे सुख-समृद्धि और सौभाग्य की भी प्राप्ति हो सकती है। वहीं भगवान गणेश (भगवान गणेश मंत्र) को विघ्नहर्ता कहा जाता है। इसलिए इनकी पूजा में आरती करने के दौरान लौंग का प्रयोग जरूर करना चाहिए। इससे व्यक्ति के जीवन में आ रही बाधाएं दूर हो सकती है।

मनचाहा नौकरी के लिए लौंग के उपाय

अगर किसी जातक को मेहनत करने के बाद भी सफलता नहीं मिलती है, तो इसके लिए बुधवार के दिन लौंग भगवान गणेश को चढ़ाएं और उसके बाद उसे अपने पर्स में रखें। इससे आपको लाभ हो सकता है। साथ ही आपको सफलता की प्राप्ति हो सकती है। अगर आपके घर में कलह-क्लेश की स्थिति बनी रहती है, तो लौंग और कपूर (कपूर के उपाय) एक साथ जलाएं। इससे आपको लाभ हो सकता है और शुभ फलों की भी प्राप्ति हो सकती है। साथ ही नकारात्मक ऊर्जा का संचार नहीं होगा।

पॉलिश और अनपॉलिश दाल में जानिए कौन सी है बेहतर

दाल भारतीय खाने की थाली का अहम हिस्सा है। अधिकतर घरों में हर रोज दाल का सेवन किया जाता है। प्रोटीन से भरपूर दाल सेहत के लिए भी फायदेमंद होती है। दाल कई प्रकार की आती है जिसमें मसूर, मूंग, अरहर, चना शामिल हैं। दाल बच्चे से लेकर बड़ों सभी को पसंद आती है। घर से लेकर होटल तक दाल को कई तरीके से बनाया और सर्व किया जाता है। दाल को रोटी, चावल और नान किसी के साथ भी खाया जा सकता है। जब हम बाजार से दाल खरीद कर लाते हैं तो कुछ दाल चमकदार लगती हैं तो कुछ थोड़ी खुरदुरी।

कभी आपने सोचा है या आप जानते हैं आखिर इनका क्या मतलब होता है। अगर आपका जवाब नहीं है तो आपको बता देते हैं शाइन करने वाली दाल को पॉलिश दाल कहते हैं और रफ नजर आने वाली को अनपॉलिश दाल कहा जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं की इन दोनों दाल में फर्क क्या होता है। साथ ही, खाने के लिए कौन-सी बेहतर होती है। आज हम आपको इस आर्टिकल में इसी के बारे में विस्तार से जानकारी देने जा रहे हैं।

पॉलिश दाल

पॉलिश दाल देखने में चमकदार होती है। इसकी सतह को कृत्रिम रूप से चमकाया जाता है। ऐसे में इसके ऊपर पॉलिश की एक लेयर आ जाती है। मशीनों के जरिये दाल की घिसाई होती है। इसके बाद अरहर, मसूर दालकी सतह चिकनी हो जाती है। कभी-कभी दाल पर चमक लाने के लिए सिलिकॉन पॉलिश और एडिबल ऑयल का भी इस्तेमाल किया जाता है। पॉलिशिंग प्रक्रिया के दौरान दाल की प्राकृतिक परत हट जाती है। जिसके चलते इस दाल में पोषण की मात्रा कम होती है। साथ ही, पॉलिश की वजह से दाल में से डायटरी फाइबर कम होने लगता है। जिसकी वजह से इस दाल के पाचन में भी दिक्कत होती है।

अनपॉलिश दाल की सतह थोड़ी रफ होती है। यह दाल एकदम प्राकृतिक होती है। इसपर किसी भी तरह की पॉलिश नहीं की जाती है। इस दाल की बाहरी परत फाइबर युक्त होती है। इस दाल को किसी भी तरह की मशीन में नहीं डालने की वजह से इसका नेचुरल टेक्स्चर बरकरार रहता है। ऐसे में यह दाल खाने के लिए बेहतर मानी जाती है। यह हेल्दी होने के साथ पाचन और बनाने में भी आसान होती है। अब आप जब भी मार्केट से दालें खरीदने जाएं तो हमेशा अनपॉलिश दाल ही खरीदें। यह आपकी और परिवार की सेहत के लिहाज से बेहतर होती है।

कार्नर न्यूज

● डॉक्टर से परामर्श लेने के साथ घरेलू उपाय भी अपनाना समझदारी

यूटीआई संक्रमण से राहत के लिए घरेलू उपाय भी है मौजूद, धनिया का बीज आजमा कर जरूर देखें

पेशाब करते वक्त जलन या दर्द हो रहा है , तो हो सकता है कि आपको यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन (यूटीआई) हो। आपकी इस परेशानी को एक देसी इलाज ठीक करने में सहायता कर सकता है। ऐसा हम नहीं, एक्सपर्ट बताते हैं। यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन महिलाओं को होने वाला एक आम इंफेक्शन है। यूटीआई एक सामान्य बैक्टीरियल इंफेक्शन है जो यूरिनरी ट्रैक्ट को प्रभावित करता है, जिसमें गुर्दे, यूट्रस, ब्लैडर और यूरेथा आदि शामिल हैं। यह किसी भी उम्र और लिंग को प्रभावित कर सकता है, लेकिन महिलाओं में इसकी शिकायत अधिक देखी जा सकती है। इसका कारण यह है कि महिलाओं में पुरुषों की तुलना में यूरेथा छोटा होता है, जिससे इंफेक्शन फैलाने वाले बैक्टीरिया के लिए शरीर में एंटर करना आसान हो जाता है। इसके लिए आप अपनी गायनेकोलॉजिस्ट से संपर्क कर सकते हैं। यूटीआई के उपचार में आमतौर पर बैक्टीरियल इंफेक्शन को खत्म करने के लिए एंटीबायोटिक दवाओं का एक कोर्स शामिल होता है। कुछ घरेलू उपचारों के बारे में भी एक्सपर्ट्स बताते हैं।

यूरिनरी ट्रैक्ट को ठीक करेगा धनिया का बीज

धनिये के बीज शरीर में पानी के रिटेंशन को कम करते हैं और शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करते हैं। यह बीज यूटीआई को ठीक करने में मदद कर सकते हैं, क्योंकि इनके सेवन से किडनी का फिल्टरेशन रेट बेहतर होता है। इससे आपको पेशाब आती है और टॉक्सिन्स बाहर निकल जाते हैं।

धनिये के बीज का पानी ऐसे पिएं-

इसके लिए 1 बड़ा चम्मच धनिया डेढ़ कप पानी में डालकर रात भर के लिए रख दें। सुबह इस पानी को छानकर आराम से पिएं। इससे आपकी पेशाब की जलन कम होगी और 2 से 10 दिनों के भीतर दर्द और जलन दोनों ही खत्म होगी। प्रतिदिन सुबह धनिये के बीज का पानी पीने से शरीर को ओलिक, एस्कॉर्बिक और लिनोलिक एसिड मिलता है, जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को न्यूनतम स्तर तक नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं। वहीं, धनिये में मौजूद फोलेट शरीर में हानिकारक एंजाइमों की मात्रा को कम करता है, जिससे टॉक्सिन्स बाहर होने आपकी परेशानी भी दूर होती है। यूटीआई के चलते ट्रैक्ट में जलन और सूजन भी हो सकती है। यह बैक्टीरियल इंफेक्शन का एक आम लक्षण है। आप जब भी पेशाब करते हैं, तो एक दर्द भरी सेंसेशन आपको होती है। धनिये के बीज उस सेंसेशन को कम करने में बड़ा मदद कर सकते हैं।

यूटीआई के लिए धनिया के बीज का उपयोग कैसे करें-

इसके पानी का सेवन करने के अलावा, धनिये के बीजों को अपने आहार में शामिल करने के कई तरीके हैंः धनिये के बीज की चायः 1-2 चम्मच पीसे हुए धनिये के बीजों को गर्म पानी में 5-10 मिनट के लिए भिगो दें। चाय को छानकर दिन में 2-3 बार पियें। मसाले को भोजन में शामिल करेंः स्वाद के साथ-साथ स्वास्थ्य के फायदों के लिए आप इसे मसालों में कूटकर रख सकते हैं।

आईसीसी टी-20 विश्वकप 2026

दक्षिण अफ्रीका ने अपना पहला मैच कनाडा से 57 रनों से जीता

अहमदाबाद

कप्तान एडन मारक्रम (59), डेविड मिलर (नाबाद 39) और ट्रिस्टन स्टब्स (नाबाद 34) की शानदार पारियों के बाद लुंगी एन्गिडी (चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने सोमवार को टी-20 विश्वकप के नौवें मुकाबले में कनाडा पर 57 रनों से जीत दर्ज की।

314 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी कनाडा की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 45 के स्कोर तक अपने चार विकेट गंवा दिये। दिलप्रीत सिंह (शून्य) लुंगी एन्गिडी की पहली ही गेंद पर आउट हुये। तीसरे ओवर में लुंगी एन्गिडी ने युवराज सामरा (12) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। लुंगी एन्गिडी का तीसरा शिकार निकोलस कीरटॉ (चार) बने। छठे ओवर में कगिसो रबाडा ने श्रेयस मोव्वा (नौ) को बोल्ड आउट किया। 15वें ओवर में लुंगी एन्गिडी ने हर्ष ठाकर को आउट कर दक्षिण अफ्रीका को पांचवी सफलता दिलाई। हर्ष ठाकर ने 29 गेंदों में दो चौके और दो छक्के लगाकर 33 रन बनाये। 18वें ओवर में मार्को यानसन ने साद बिन जफर (11) को आउट किया। अगली ही गेंद पर यानसन ने जसकरण सिंह (शून्य) का शिकार कर लिया। 20वें ओवर की पहली गेंद पर कॉर्बिन बॉश ने नवनीत धालीवाल को आउट कर कनाडा को आठवां झटका दिया। धालीवाल ने 49 गेंदों में सात चौके और एक छक्का लगाते हुए 64 रनों की पारी खेली कनाडा की टीम निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 156 रन ही बना सकी और 57 रनों से मुकाबला हार गई।

दक्षिण अफ्रीका के लिए लुंगी एन्गिडी ने चार विकेट लिये। मार्को यानसन को दो विकेट मिले। कॉर्बिन बॉश और कगिसो रबाडा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले कल यहां कनाडा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका के लिए एडन मारक्रम और क्विंटन डी कॉक की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 70 रन जोड़े। सातवें ओवर में दिलप्रीत सिंह ने क्विंटन डी कॉक (25) को बोल्ड कर इस साझेदारी को तोड़ा। दक्षिण अफ्रीका का दूसरा विकेट एडन मारक्रम के रूप में गिरा। उन्हें अंश पटेल ने आउट किया। एडन मारक्रम ने 32 गेंदों में 10 चौके और एक छक्का लगाते हुए 59 रनों की पारी खेली। 14वें ओवर में अंश पटेल ने रायन रिकलटन को आउट कर पवेलियन भेज दिया। रायन रिकलटन ने 21 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का उड़ाते हुए 33 रन बनाये। डेवाल्ड ब्रेविस छह रन बनाकर अंश पटेल का शिकार बने।

दक्षिण अफ्रीका ने निर्धारित 20 ओवरों में चार विकेट पर 213 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। डेविड मिलर 23 गेंदों में तीन छक्के और एक चौका लगाकर 39 रन पर नाबाद रहे। ट्रिस्टन स्टब्स ने 19 गेंदों में 34 रनों की पारी खेली। जिसमें दो चौके और दो छक्के शामिल है। कनाडा के लिए अंश पटेल ने तीन विकेट लिये। दिलप्रीत सिंह ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

बीसीसीआई ने किया सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान

रोहित-कोहली को नुकसान, ए-प्लस श्रेणी खत्म, तीन खिलाड़ी ग्रेड ए में

बीसीसीआई ने अपने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से ए-प्लस कैटेगरी को हटा दिया है। इसके बाद अब मेंस टीम के खिलाड़ियों को तीन कैटेगरी ए, बी और सी में बांटा गया है। टॉप कैटेगरी में अब टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल समेत जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा हैं।

मुंबई

बीसीसीआई ने आगामी सीजन के लिए अपने नए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान कर दिया है। इस कॉन्ट्रैक्ट में विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे प्लेयर्स को बड़ा नुकसान हुआ है। विराट कोहली और रोहित शर्मा का बीसीसीआई के सलाना कॉन्ट्रैक्ट 2025-26 में डिमोशन हुआ है। दोनों दिग्गज खिलाड़ी अभी तक ए-प्लस कैटेगरी में थे, लेकिन टी-20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में उन्हें बी कैटेगरी में डाल दिया गया है।

बीसीसीआई ने खत्म की ए-प्लस कैटेगरी

अपने नए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में बीसीसीआई ने ए-प्लस कैटेगरी को भी हटाने का फैसला किया है। दरअसल, इस कैटेगरी में उन्हीं खिलाड़ियों को शामिल किया जाता है, जो तीनों फॉर्मेट में खेलते हो। क्रिकेट के बिजी शेड्यूल में अब कोई खिलाड़ी लगातार तीनों फॉर्मेट नहीं खेल रहा है। ऐसे में बोर्ड ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से ए-प्लस कैटेगरी को हटाने का फैसला किया है। अब इस कॉन्ट्रैक्ट में सबसे बड़ी ए कैटेगरी है, जिसमें टीम इंडिया के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा का नाम शामिल है।

ग्रुप बी में 11 प्लेयर्स को किया गया शामिल

ग्रुप बी में रोहित शर्मा, विराट कोहली समेत कुल 11 प्लेयर्स को शामिल किया गया है। टी-20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव भी बी कैटेगरी में शामिल हैं उनके अलावा इस कैटेगरी में वॉशिंगटन सुंदर, केएल राहुल, हार्दिक पांड्या और ऋषभ पंत श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ियों का नाम शामिल हैं। यशस्वी जायसवाल भी इसी कैटेगरी का हिस्सा हैं। ग्रेड सी कैटेगरी में अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा समेत 16 प्लेयर्स का नाम शामिल है। इस कैटेगरी में अधिकतर वहीं खिलाड़ी शामिल हैं जो सिर्फ टी20 फॉर्मेट में खेलते हैं।

प्लेयर्स को मिलेगा कितना पैसा?

पिछले स्ट्रक्चर के तहत, ग्रेड ए-प्लस की सालाना सैलरी 7 करोड़, ग्रेड ए की 5 करोड़, ग्रेड बी की 3 करोड़ और ग्रेड सी की 1 करोड़ थी। अब ए-प्लस कैटेगरी को खत्म कर दिया गया है। ऐसे में किसी भी खिलाड़ी को 7 करोड़ की सैलरी नहीं मिलेगी। इस कॉन्ट्रैक्ट में भी ग्रेड ए के प्लेयर्स को 5 करोड़, ग्रेड बी को 3 करोड़ और ग्रेड सी को 1 करोड़ की सैलरी दी जाएगी।

2025-26 के लिए बीसीसीआई का सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट

ए कैटेगरी: शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जड़ेजा

बी कैटेगरी: विराट कोहली, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, केएल राहुल, हार्दिक पंड्या, वाशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, यशस्वी जायसवाल और श्रेयस अय्यर।

सी कैटेगरी: अक्षर पटेल, शिवम दुबे, वरुण चक्रवर्ती, अभिषेक शर्मा, रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, अर्शदीप सिंह, संजू सैमसन, नितीश कुमार रेड्डी, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, ध्रुव जुरेल, हर्षित राणा, साई सुदर्शन, रवि बिश्नोई और रुतुराज गायकवाड़।

महिला खिलाड़ियों के लिए भी हुआ सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान

इसके साथ ही बीसीसीआई ने महिला प्लेयर्स के लिए भी सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान कर दिया है। वहां भी प्लेयर्स को तीन कैटेगरी ए, बी और सी में बांटा गया है। ग्रेड ए में हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा का नाम है। वहीं ग्रेड बी में रेणुका ठाकुर, शैफाली शर्मा, ऋचा घोष और स्नेह राणा का नाम है। वहीं सी कैटेगरी में प्रतिका रावल, अमनजोत कौर, राधा यादव समेत 13 प्लेयर्स का नाम शामिल है।

2025-26 के लिए भारत महिला प्लेयर्स का सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट

ग्रेड ए: हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा।

ग्रेड बी: रेणुका सिंह, शैफाली वर्मा, ऋचा घोष, स्नेह राणा।

ग्रेड सी: राधा यादव, अमनजोत कौर, प्रतिका रावल, क्रांति गौड़, उमा छेत्री, अरुंधति रेड्डी, श्री चरणी, यास्तिका भाटिया, हरलीन देयोल, काशवी गौतम, जी कमलिनी, वैष्णवी शर्मा, तेजल हसब्निस।

स्कॉटलैंड ने इटली को 73 रनों से हराया

कोलकाता

जॉर्ज मंसी (84) और ब्रैंडन मक्मलेन (नाबाद 41) की शानदार पारियों के बाद माइकल लीस्क (नाबाद 22 रन और चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत स्कॉटलैंड ने सोमवार को टी-20 विश्वकप में इटली को 73 रनों से हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की। 208 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इटली की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में जस्टिन मोस्का (शून्य) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद एंथनी मोस्का और जे जे स्मट्स की जोड़ी ने दूसरे विकेट के लिए 31 रन जोड़े। चौथे ओवर में ब्रैडली करी ने जे जे स्मट्स (11 गेंदों में 22 रन) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। एंथनी मोस्का 13 रन बनाकर आउट हुये। संकट के समय हैरी मनेंटी और बेंजमिन मनेंटी की जोड़ी ने पारी को संभाला। 13वें ओवर में माइकल लीस्क ने हैरी मनेंटी 25 गेंदों में 37 रन को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। अगले ही ओवर में ऑलिवर डेविडसन ने बेंजमिन मनेंटी को आउट कर पवेलियन भेज दिया। बेंजमिन मनेंटी ने 31 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए 52 रन बनाये। इटली की पूरी टीम 16.4 ओवर में 134 रन पर सिमट गई। स्कॉटलैंड के लिए माइकल लीस्क ने चार विकेट लिये। मार्क वॉट को दो विकेट मिले। ब्रैडली करी, ब्रैड व्हील और ऑलिवर डेविडसन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले यहां टॉस जीतकर इटली ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी स्कॉटलैंड की जॉर्ज मंसी और माइकल जोंस की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 126 रन जोड़े। 14वें ओवर में ग्रांट स्टुअर्ट ने जॉर्ज मंसी को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। जॉर्ज मंसी ने 54 गेंदों में 13 चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 84 रनों की पारी खेली।अगले ही ओवर में जे जे स्मट्स ने माइकल जोंस को आउटकर पवेलियन भेज दिया। माइकल जोंस ने 30 गेंदों में एक चौका और दो छक्के उड़ाते हुए 37 रन बनाये। कप्तान रिचर्ड बेरिंग्टन (15) और टॉम ब्रूस एक रन बनाकर आउट हुये। स्कॉटलैंड ने निर्धारित 20 ओवरों में चार विकेट पर 207 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। इटली के लिए अली हसन, ग्रांट स्टुअर्ट, थोमस ड्रेका और जे जे स्मट्स ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

चौथे दिन खेले जाएंगे 3 मुकाबले पाकिस्तान का होगा बड़ा इम्तिहान

नई दिल्ली

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में मंगलवार को भी क्रिकेट का रोमांच जारी रहेगा। अब विश्व कप चौथे दिन में पहुंच चुका है। लगातार तीन तीन मैच खेले गए। चौथे दिन भी तीन ही मुकाबले होने हैं। नीदरलैंड्स के खिलाफ करीब करीब हारा हुआ मैच जीतने के बाद अब पाकिस्तानी टीम अपने दूसरे मुकाबले के लिए मैदान में उतरेगी।

चौथे दिन का पहला मुकाबला नीदरलैंड्स बनाम नामीबिया मैच

आईसीसी विश्व कप में चौथे दिन का आगाज नीदरलैंड्स बनाम नामीबिया मैच से होगा। नीदरलैंड्स ने अपने पिछले मैच में पाकिस्तान को कड़ी टक्कर दी थी और लगा रहा था कि वे मैच जीत जाएंगे, लेकिन अपनी ही गलती से वे मैच हार गए। नीदरलैंड्स बनाम नामीबिया मुकाबला दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। ये मैच सुबह 11 बजे से शुरू हो जाएगा।

न्यूजीलैंड बनाम यूएई मैच के बाद पाकिस्तान और यूएसए के बीच मुकाबला

इसके बाद आएगी दूसरे मैच की बारी। इसमें यूएई यानी संयुक्त अरब अमीरात की टीम न्यूजीलैंड के सामने होगी। ये मैच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में होना है और इसका वक्त दोपहर तीन बजे से रहेगा। देखना होगा कि न्यूजीलैंड और यूएई की टीमें कैसा खेल दिखाती हैं। इसके बाद दिन का आखिरी मैच कोलंबो में खेला जाएगा। इसमें पाकिस्तान का मुकाबला यूएसए से होगा। ये एक बड़ा और अहम मुकाबला होगा। इससे पहले जब साल 2024 में पाकिस्तान और यूएसए की टीमें टी20 विश्व कप में आमने सामने आई थीं, तब यूएसए ने पाकिस्तान को पीटकर उलटफेर किया था। इस बार यूएसए की टीम ये आत्मविश्वास लेकर मैदान में उतरने जा रही है कि वे पाकिस्तान को फिर से हरा सकते हैं। यूएसए की टीम ने भारत के खिलाफ खेले गए पहले मैच में कमाल का खेल दिखाया था। टीम इंडिया को एक वक्त अमेरिका ने बैकफुट पर ला दिया था, लेकिन कप्तान सूर्यकुमार यादव की पारी ने उन्हें हरा दिया।

पहले ही मैच में इटली के कप्तान मैडसन हुए चोटिल

कोलकाता

इटली के पहले टी20 विश्व कप अभियान की शुरुआत बेहद दुर्भाग्यपूर्ण अंदाज में हुई है। स्कॉटलैंड के ख़िलाफ ईडन गार्डन्स में उनके पहले मैच के चौथे ही ओवर में टीम के कप्तान वेन मैडसन के कंधे पर गंभीर चोट आई। मैडसन मिडविकेट पर फ़ील्डिंग कर रहे थे। जॉर्ज मंसी के पुल शॉट को रोकने की कोशिश में उन्हें यह चोट लग गई। वह बाईं ओर डाइव करते हुए गेंद को रोकना चाह रहे थे, लेकिन वह प्रैक्टिस पिच पर गिर गए। इसके तुरंत बाद उन्होंने मेडिकल मदद मांगी। थोड़ी देर बाद वह अपने बाएं हाथ को तौलिए से सहारा देते हुए मैदान से बाहर चले गए।42 साल के मैडसेन इटली के सबसे अनुभवी क्रिकेटर हैं। वह अपना पहला विश्व कप खेल रहे हैं और उन्हें तुरंत एक्स रे के लिए ले जाया गया। आमतौर पर अगर कंधा डिस्लोकेट होता है तो उससे उबरने में सात से 21 दिन लग सकते हैं।

जिम्बाब्वे ने ओमान को 8 विकेट से हराया

कोलंबो

ब्लेसिंग मुजारबानी, रिचर्ड अंगारावा और ब्रैड एवंस (तीन-तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद ब्रायन बेनेट (नाबाद 48) और ब्रेंडन टेलर (रिटायर हर्ट 31) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत जिम्बाब्वे ने सोमवार को टी-20 विश्वकप के आठवें मुकाबले में ओमान को 39 गेंदे शेष रहते आठ विकेट से हरा दिया। 104 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे को चौथे ओवर में सुफियान महमूद ने तडविनाशे मारुमानी (21) और डिओन मेयर्स (शून्य) को आउट कर दो झटके दिये। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने आये ब्रेंडन टेलर ने ब्रायन बेनेट के साथ तीसरे विकेट के लिए 68 रनों की साझेदारी की। ब्रेंडन टेलर 31 के स्कोर पर रिटायर हर्ट हुए। जिम्बाब्वे ने 13.3 ओवर में दो विकेट पर 106 रन बना कर मुकाबला आठ विकेट से जीत लिया। ब्रायन बेनेट ने 36 गेंदों में नाबाद 48 रन बनाये। कप्तान सिकंदर रजा पांच रन बनाकर नाबाद रहे। इससे पहले टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ओमान की शुरुआत खराब रही और उसने अपने शीर्ष पांच बल्लेबाज 27 के स्कोर तक गंवा दिये। इसके बाद सुफियान महमूद और विनायक शुक्ला की जोड़ी ने छठे विकेट के लिए 42 रनों की साझेदारी की। 15वें ओवर में रिचर्ड अंगारावा ने विनायक शुक्ला (28) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसी ओवर में अंगारावा ने जितेन रामानंदी (एक) को भी आउट कर पवेलियन भेज दिया। 17वें ओवर में ब्रैड एवंस ने सुफियान महमूद (25) को अपना शिकार बना लिया। नदीम खान ने 18 गेंदों में 20 रन बनाये। जिम्बाब्वे के गेंदबाजी आक्रमण के आगे ओमान की पूरी टीम 19.5 ओवर में 103 रन पर सिमट गई। जिम्बाब्वे के लिए ब्लेसिंग मुजारबानी, रिचर्ड अंगारावा और ब्रैड एवंस ने तीन-तीन विकेट लिये।

रणजी ट्रॉफी: केएल राहुल का शतक

मुंबई को 4 विकेट से हराकर कर्नाटक सेमीफाइनल में पहुंचा

मुंबई

केएल राहुल (130) और आर स्मरण (नाबाद 83) की शानदार पारियों की बदौलत कर्नाटक ने सोमवार को मुंबई पर चार विकेट से जीत दर्ज कर रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में जगह बना ली। यहां कर्नाटक ने कल दो विकेट पर 113 रनों से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में कर्नाटक का तीसरा विकेट करुण नायर (13) के रूप में गिरा। उन्हें शार्दुल ठाकुर ने पगबाधा आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये आर स्मरण ने केएल राहुल के साथ चौथे विकेट के लिए 147 रन जोड़कर अपनी टीम की जीत की नींव रखी। इसी दौरान केएल राहुल ने अपना शतक पूरा किया। 58वें ओवर में तुषार देशपांडे ने केएल राहुल को आउट कर पवेलियन भेज दिया। केएल राहुल ने 182 गेंदों में 14 चौके और एक छक्का लगाते हुए 130 रनों की पारी खेली।61वें ओवर में देशपांडे ने श्रेयस गोपाल (एक) का भी शिकार कर लिया। 66वें ओवर में तनुष कोटियान ने कृतिक कृष्णा (दो) को आउट कर कर्नाटक को छठा झटका दिया। कर्नाटक ने 73.4 ओवर में छह विकेट पर 325 रन बनाकर मुकाबला चार विकेट से अपने नाम किया। आर स्मरण ने 122 गेंदों में 11 चौके लगाते हुए 83 रनों की नाबाद पारी खेली। विद्याधर पाटिल 24 रन बनाकर नाबाद रहे। मुंबई के लिए शार्दुल ठाकुर, तुषार देशपांडे और तनुष कोटियान ने दो-दो विकेट लिये। मुंबई ने पहली पारी में 120 और दूसरी पारी में 377 रन बनाये। वहीं कर्नाटक ने पहली पारी में 173 रन बनाये।

सारा बेजलेक ने जीता अबू धाबी ओपन खिताब

अबू धाबी

चेकिया की 20 साल की खिलाड़ी सारा बेजलेक ने एकातेरिना एलेक्जेंड्रोवा को 7-6 (5), 6-1 से हराकर अबू धाबी ओपन का खिताब जीत लिया। पहले सेट के टाईब्रेक में 4-2 से पीछे होने के बाद, बेजलेक ने आखिरी छह में से पांच पॉइंट जीते और दूसरे सेट को एकतरफा अंदाज में जीतकर यह डब्ल्यूटीए 500 टाइटल अपने नाम कर लिया। बेजलेक की शुरू में, रैंकिंग नंबर 101 थी - सोमवार को, वह नंबर 52 पर पहुंच जायेंगी, जो हमवतन बारबोरा क्रेजसिकोवा से एक स्थान आगे है, जो दो बार की ग्रैंड स्लैम सिंगल्स चैंपियन हैं।49 स्थानों की उस छलांग के बारे में बेजलेक ने कहा, ओह, इसका बहुत मतलब है। लेकिन मुझे पता है कि इसके पीछे वह सारी मेहनत है जो मैंने और टीम ने पिछले कुछ सालों से की है।

बॉल नीचे रही और टूटा तिहरे शतक का सपना,रणजी ट्रॉफी में 299 रन बनाकर आउट हुए सुदीप कुमार घरामी

कल्याणी (बंगाल)

टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक लगाने काफी बड़ी उपलब्धि होती है। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में भी तिहरा शतक लगाना आसान नहीं होता। सचिन तेंदुलकर और रिकी पोंटिंग जैसे महान बल्लेबाजों के नाम फर्स्ट क्लास क्रिकेट में भी तिहरा शतक नहीं है। रणजी ट्रॉफी में बंगाल के युवा बल्लेबाज सुदीप कुमार घरामी के पास तिहरा शतक लगाने का मौका था लेकिन वह चूक गए।

299 रन बनाकर आउट हुए सुदीप

रणजी ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल में आंध्रा के खिलाफ बंगाल के 26 साल के बल्लेबाज सुदीप कुमार घरामी 299 रनों की पारी खेलकर आउट हो गए। कल्याणी के बंगाल क्रिकेट अकादमी ग्राउंड पर घरामी को पार्ट टाइम गेंदबाज शेख रशीद ने बोल्ड कर दिया। घरामी ने अपनी पारी में 596 गेंदों का सामना किया। इस दौरान उन्होंने 31 चौके और 6 छक्के मारे। 38वां फर्स्ट क्लास मैच खेल रहे दाएं हाथ के बल्लेबाज की इससे पहले सबसे बड़ी पारी 186 रनों की थी।

पहली बार भारतीय खिलाड़ी 299 पर आउट

फर्स्ट क्लास क्रिकेट इतिहास में यह पहला मौका है जब कोई भारत का बल्लेबाज 299 के स्कोर पर आउट हुआ है। अभी तक ओवरऑल सिर्फ तीन बार ही ऐसा हुआ है। न्यूजीलैंड के मार्टिन क्रो टेस्ट में 299 पर आउट हो चुके हैं। वहीं इंग्लैंड के माइक पॉवेल का नाम भी इस लिस्ट में हैं, जो 299 पर आउट हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया के महान सर डॉन ब्रैडमैन और महाराष्ट्र के पूर्व

बल्लेबाज शांतनु सुगवेकर 299 के स्कोर पर नॉट आउट कर चुके हैं।

मोहम्मद शमी ने लगाए सात चौके और तीन छक्के

शमी इस मैच में बंगाल की तरफ से आखिरी बल्लेबाज के तौर पर बैटिंग करने के लिए उतरे। उन्होंने अपनी तूफानी बल्लेबाजी से हर किसी का दिल जीत लिया। शमी ने मुकेश कुमार के साथ मिलकर आखिरी विकेट के लिए 55 रन की पार्टनरशिप की। शमी अपनी इस पारी के दौरान सिर्फ चौके-छक्कों में ही डील करते हुए दिखे। 33 गेंदों की इस पारी के दौरान शमी का स्ट्राइक रेट 160.61 का रहा। इस दौरान उन्होंने 7 चौके और तीन छक्के लगाए।

शमी ने 30 बॉल में पूरा किया अर्धशतक

मोहम्मद शमी ने अपनी 53 रनों की पारी में 46 रन तो सिर्फ चौके-छक्कों से बटोरे। शमी ने अपना अर्धशतक महज 30 गेंदों में पूरा किया और 53 रनों की दमदार पारी खेलकर आउट हुए। शमी की शानदार पारी के बदौलत बंगाल अपनी पहली पारी में 600 रनों का आंकड़ा पार करने में कामयाब रहा। इससे पहले आंध्र प्रदेश ने बैटिंग करते हुए पहली इनिंग में 295 रन बनाए थे। जवाब में बंगाल ने 629 रन बनाकर 334 रनों की बढ़त हासिल की। चौथे दिन का खेल खत्म होने तक आंध्र प्रदेश की टीम ने दूसरी पारी में 3 विकेट के नुकसान पर 64 रन बना लिए हैं।

आकिब नबी का पंजा, मप्र को 56 रनों से हराकर जम्मू-कश्मीर सेमीफाइनल में

इंदौर

आकिब नबी (सात और पांच विकेट) और आबिद मुश्ताक (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत जम्मू-कश्मीर ने सोमवार को मध्यप्रदेश की टीम को दूसरी पारी में 234 के स्कोर पर समेटकर 56 रनों से जीत दर्ज करते हुए रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। यहां मध्यप्रदेश ने कल 87 रन पर पांच विकेट से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में सुनील कुमार ने वेंकटेश अय्यर (17) को आउटकर मध्यप्रदेश को छठा झटका दिया। इसके बाद आबिद मुश्ताक ने शुभम शर्मा (32) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। रामवीर गुर्जर 11 रन बनाकर आउट हुये। 61वें ओवर में आकिब नबी ने सारांश जैन को बोल्ड कर जम्मू-कश्मीर को नौवीं सफलता दिलाई। सारांश जैन ने 81 गेंदों में सात चौके और एक छक्का लगाते हुए 64 रनों की पारी खेली। 69वें ओवर में युद्धवीर सिंह चरक ने आर्यन पांडे (22) को बोल्ड कर मध्यप्रदेश की पारी का 234 के स्कोर पर अंत कर 56 रनों से मुकाबला अपने नाम कर लिया। जम्मू-कश्मीर के लिए आकिब नबी ने पांच विकेट लिये। आबिद मुश्ताक को तीन विकेट मिले। युद्धवीर सिंह चरक और सुनील कुमार ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।जम्मू-कश्मीर ने पहली पारी में 194 और दूसरी पारी में 248 रन बनाये। वहीं मध्यप्रदेश ने पहली पारी में 152 रन बनाये थे।

पुलिस की सुरक्षित छवि समाज के लिए महत्वपूर्ण : गौर

■ राज्यमंत्री ने किया पुलिस टीम का सम्मान

भोपाल (नगर संवाददाता)

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने गोविंदपुरा क्षेत्र में युवतियों पर हमला कर दहशत फैलाने वाले कथित कटर मैन बदमाश को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम है। उन्होंने कहा कि समाज में घट रही गंभीर घटनाओं पर समय पर कार्रवाई करना पुलिस की जिम्मेदारी है और इसमें सहयोग करना स्थानीय नागरिकों की नैतिक ज़िम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आरोपी बदमाश की गिरफ्तारी बड़ी उपलब्धि है। राज्यमंत्री ने पुलिस बल का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि इस तरह की त्वरित और प्रभावी कार्रवाई से जनता का

मध्यप्रदेश में नवीन आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अपर मुख्य सचिव गृह की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक

भोपाल। मध्यप्रदेश में नवीन आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा बैठक अपर मुख्य सचिव, गृह विभाग श्री शिव शेखर शुक्ला की अध्यक्षता में मंत्रालय में हुई।बैठक का मुख्य उद्देश्य नवीन आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन, आंतरिक सुरक्षा की स्थिति तथा संबंधित अन्य महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा करना रहा।

इस दौरान आपराधिक न्याय प्रणाली, फॉरेंसिक व्यवस्था, जेल प्रबंधन, साइबर अपराध नियंत्रण, आतंकवाद निरोध, मादक पदार्थ नियंत्रण, आपदा प्रबंधन, पुलिस आधुनिकीकरण सहित राज्य से जुड़े अन्य विशिष्ट मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में भारत सरकार, गृह मंत्रालय की ओर से संयुक्त सचिव सुश्री निष्ठा तिवारी एवं संयुक्त निदेशक सुश्री अमृता डेस, उपस्थित रहीं। अतिथियों का औपचारिक स्वागत पुलिस महानिरीक्षक एवं सचिव, गृह विभाग श्रीमती कृष्णावेणी देशावतु द्वारा किया गया। समीक्षा बैठक में गृह विभाग एवं पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ विधि एवं विधायी कार्य विभाग, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, लोक अभियोजन, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र तथा मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अधिकारियों ने सहभागिता की।

केंद्रीय बजट के अनुरूप परियोजनाओं व योजनाओं के प्रस्ताव केंद्र को भेजें

मुख्य सचिव ने की बजट सत्र की तैयारियों के साथ ही सरकारी योजनाओं की समीक्षा

भोपाल (नगर संवाददाता)

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने विभागाध्यक्षों सहित अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिवों को निर्देश दि कि वे केंद्रीय बजट के प्रावधानों के अनुरूप परियोजनाएं और योजनाएं तैयार कर भारत सरकार को भेजें, ताकि मप्र के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को लाभ मिल सके।

मुख्य सचिव ने सोमवार को मंत्रालय में आयोजित बैठक में मप्र विधानसभा के बजट सत्र की तैयारियों, वर्तमान वित्तीय वर्ष के लक्ष्यों की पूर्ति, सुशासन के बिंदुओं सहित कैबिनेट के निर्णयों के पालन की समीक्षा की। उन्होंने बजट सत्र की तैयारियों की समीक्षा कर निर्देश दिए कि पिछले सत्रों के शून्यकाल सूचनाओं सहित अपूर्ण उत्तर वाले प्रश्न, आश्वासन और लोक लेखा समिति की अनुशंसाओं के लंबित मामले यथाशीघ्र पूर्ण करें। उन्होंने विभागीय परामर्शदात्री समितियों की बैठक करने के साथ ही विधानसभा को विभागीय प्रशासकीय प्रतिवेदन उपलब्ध करवाने के लिए कहा है।

भारत सरकार को जल्द भेजें प्रस्ताव

मुख्य सचिव ने निर्देशित किया कि हाल में आए केंद्र सरकार के बजट के प्रावधानों के अनुरूप मप्र में सिटी इकोनॉमिक रीजन, डेडीकेटेड केमिकल और पेट्रोकेमिकल पार्क और मेगा टेक्सटाइल पार्क सहित अन्य प्रस्ताव तैयार करें। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के दिशा-निर्देशों को भी समाहित कर यथाशीघ्र प्रस्ताव भेजे जाए। नॉलेज और एजुकेशन सिटी, मेडिकल हब, नाइपर, फार्मास्युटिकल रिसर्च सेंटर, स्कूल और कॉलेजों के लैब, सी मार्ट, हॉस्टल, स्किल डेवलपमेंट, पशुपालन, एमएसएमई ग्रोथ फंड जैसे क्षेत्रों में केंद्र सरकार ने बजट में प्रावधान किए हैं। उन्होंने सलाह दी कि अधिकारी महीने में कम से कम एक बार केंद्र में उनके विभाग से संबंधित ज्वाइंट सेकेट्री से बात करें। उन्होंने निर्देश दिए कि भारत सरकार से संबंधित ऐसी लंबित परियोजनाओं और योजनाओं को उनके संज्ञान में लाएं, जिनमें समन्वय की आवश्यकता है। जैन ने कहा कि आमजन की सेवाएं और सुविधाएं सर्वोच्च प्राथमिकता में है। उन्होंने अधिसूचित 735 में से 135 अन्य सेवाओं को भी ऑनलाइन करने और जो सेवाएं अब प्रचलन में नहीं हैं, उन्हें पृथक करने की जरूरत बताई। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण में भी सर्वोच्च प्राथमिकता रखने के लिए कहा है।

► पिछले बजट के मुकाबले आने वाले बजट में 10 प्रतिशत के लगभग वृद्धि के आसार

4.65 लाख करोड़ के आस-पास हो सकता है मप्र का बजट,सरकार पर इससे ज्यादा कर्ज

प्रदेश सरकार ने पिछले साल 4.21 लाख करोड़ का बजट पेश किया था, मप्र पर वर्तमान में करीब 4.75 लाख करोड़ का कर्ज है

भोपाल (नगर संवाददाता)

मप्र सरकार की वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बजट की तैयारियां अंतिम दौर में हैं। बजट को फायनल करने के लिए वित्त विभाग के अधिकारी लगातार बैठकें कर रहे हैं। मप्र सरकार विधानसभा में 18 फरवरी को बजट पेश करेगी। वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में पिछले बजट के मुकाबले 10 प्रतिशत के आसपास वृद्धि होने के आसार हैं। इस बार मप्र सरकार का बजट 4.65 लाख करोड़ के नजदीक हो सकता है। पिछले कुछ वर्षों के मुकाबले इस बार बजट में सबसे कम वृद्धि होने की संभावना है। मप्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 4.21 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश किया था। मप्र सरकार पर वर्तमान में करीब 4.75 लाख करोड़ का कर्ज है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गत एक फरवरी को संसद में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बजट पेश किया था। आम बजट में केंद्रीय करों में मप्र की हिस्सेदारी घट गई है। मप्र को अब तक केंद्रीय करों

के हिस्से में 7.850 प्रतिशत राशि मिलती थी, इसे घटाकर 7.347 प्रतिशत कर दिया गया है। इससे हर साल मप्र को केंद्रीय करों के हिस्से में करीब 7500 करोड़ रुपए कम मिलेंगे।

चालू वित्त वर्ष में केंद्रीय करों से मप्र को जो 1 लाख 11 हजार 613 करोड़ मिलने थे, इसे भी घटाकर 1 लाख 9 हजार 348 करोड़ कर दिया है। यानी मौजूदा साल में भी मप्र को 2265 करोड़ कम मिल रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए केंद्रीय करों में हिस्सेदारी 1 लाख 12 हजार 133 करोड़ का प्रावधान रखा गया है। रिवाइज आंकड़े से तुलना करें, तो मप्र की हिस्सेदारी सिर्फ 520 करोड़ ही बढ़ रही है। मप्र सरकार का वित्त विभाग अपने बजट को फायनल करने के लिए केंद्रीय बजट पर बारीकी से नजर रखे था। केंद्रीय करों में मप्र की हिस्सेदारी में 0.50 प्रतिशत की कटौती का सीधा असर मप्र के बजट पर पड़ने के आसार हैं।

वित्त विभाग के अधिकारियों का कहना है कि हर पांच साल बाद जब भी नए फायनेंस कमीशन का गठन होता है, तो उस साल बजट तैयार करने में मुश्किलें सामने आती हैं, क्योंकि यह स्पष्ट नहीं रहता कि केंद्रीय करों में राज्य का हिस्सा बढ़ेगा या घटेगा। ऐसे ही केंद्र से राज्यों में मिलने वाली विभिन्न प्रकार की ग्रांट को लेकर असमंजस की स्थिति रहती है। यही वजह है कि इस बार मप्र सरकार के वित्त विभाग को बजट तैयार करने में काफी मशक्कत करना पड़ी है। ऊपर से केंद्रीय बजट में मप्र के केंद्रीय करों के हिस्से में कटौती कर दी गई।

बजट में कृषि और उद्योगों पर रहेगा फोकस

वित्त विभाग के अधिकारियों का कहना है कि बजट में सबसे ज्यादा फोकस किसानों पर रहेगा। मप्र सरकार वर्ष 2026 को कृषि वर्ष के रूप में मना रही है। इसके अलावा उद्योगों और इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए बजट में पर्याप्त राशि का प्रावधान किया जाएगा। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के लिए बजट में करीब 22 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया जाएगा। बजट में सिंहस्थ-2028 के लिए विशेष पैकेज की घोषणा की जा सकती है। बजट में न कोई नया कर लगाया जा रहा है और न ही किसी कर की दर बढ़ाने का प्रस्ताव है। बजट सत्र के दौरान विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए तीसरा अनुपूरक बजट भी पेश किया जाएगा। अनुपूरक बजट की राशि फायनल हो गई है। अनुपूरक बजट का आकार 5 हजार करोड़ से ज्यादा का होगा।

आज कैबिनेट के समक्ष होगा बजट प्रेजेंटेशन

सीएम डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार सुबह 11 बजे मंत्रालय में कैबिनेट की बैठक आयोजित की जाएगी। कैबिनेट बैठक में वित्त विभाग के अधिकारी मुख्यमंत्री और मंत्रियों के समक्ष आगामी बजट को लेकर प्रेजेंटेशन देंगे। बजट में मुख्यमंत्री के निर्देशों और मंत्री के सुझावों के आधार पर जरूरी संशोधन और नए प्रावधान किए जाएंगे। इसके बाद बजट फायनल होगा। कैबिनेट की बैठक में विभिन्न विभागों के 10 से ज्यादा प्रस्तावों को मंजूरी दी जाएगी।

पिछले वर्षों में मध्य प्रदेश सरकार के बजट में वृद्धि

- वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बजट 4.21 लाख करोड़, पिछले बजट से 16 प्रतिशत ज्यादा
- वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए बजट 3.65 लाख करोड़, पिछले बजट से 15 प्रतिशत ज्यादा
- वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए बजट 3.14 लाख करोड़, पिछले बजट से 13 प्रतिशत ज्यादा

चार साल में 1.80 लाख करोड़ रुपए बढ़ा बजट

मप्र सरकार के बजट में साल-दर-साल बढ़ोतरी हो रही है। पिछले चार वर्षों में मप्र के बजट में करीब 1.80 लाख करोड़ की वृद्धि हुई है। मप्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 22021-22 में 2.41 लाख करोड़ का बजट पेश किया था, जबकि वित्तीय वर्ष 2025-26 में बजट की राशि बढ़कर 4.21 करोड़ हो गई थी।

पिछले वर्षों में मप्र सरकार का बजट

वित्तीय वर्ष	बजट राशि
2025-26	4.21 लाख करोड़
2024-25	3.65 लाख करोड़
2023-24	3.14 लाख करोड़
2022-23	2.79 लाख करोड़
2021-22	2.41 लाख करोड़

► दिनदहाड़े नोटों की गड्डी का झांसा देकर बैंक से लौट रही बुजुर्ग को बातों में फंसाया

गड्डी गैंग फिर सक्रिय: आंगनबाड़ी की कार्यकर्ता से सोना-चांदी के जेवरात ठगे

पसीना पोंछने के लिए रूमाल देकर झोले में नोटों की गड्डी की जगह पत्थर बांधकर हुए फरार

भोपाल (नगर संवाददाता)

राजधानी में एक बार फिर गड्डी गैंग सक्रिय हो गई है। जहांगीराबाद इलाके में दो बदमाशों ने एक बुजुर्ग आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को रोककर आराम करने को कहा, आरोपियों ने उन्हें एक रूमाल दिया और कहा आप पसीना पोछ लो बहुत थक गई होंगी। इसी बीच उन्होंने महिला को एक लाख रुपए की नोटों की गड्डी का लालच देकर उनसे सोने-चांदी के जेवरात उतरवा लिए। आरोपियों ने महिला को विश्वास में लेकर उसके झोले में नकली गड्डी रख दी और असली जेवरात ले लिए, इसके बाद वह नाश्ता लेने का बोलकर फरार हो गए। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, केसरी बाई (55) पत्नी स्वर्गीय केसरीलाल यादव, किराए के मकान बरखेड़ी में रहती है। वह आंगनबाड़ी में कार्यरत हैं। विगत 6 फरवरी को दोपहर करीब 1.30 बजे वह पंजाब नेशनल बैंक, न्यू मार्केट से पासबुक अपडेट कराकर बैटरी ऑटो से एक्सट्राल तिराहा तक पहुंची। वहां से वह पैदल अपने घर बरखेड़ी जा रही थी। इसी दौरान रास्ते में दो अज्ञात युवक मिले, उन्होंने महिला से कहा कि अम्मा आप थक गई होंगी, छाया में बैठ

सीसीटीवी फुटेज में दिखे आरोपी

सब इंस्पेक्टर ओमकार सिंह ने बताया कि ठगी के बाद महिला अपने बेटे के साथ एक्सट्राल कॉलेज के आसपास आरोपियों को तलाशती रही। जब उन्हें कोई सुराग नहीं मिला तो वह थाने गई। अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर लिया गया है। घटना स्थल के पास एक सीसीटीवी फुटेज में दोनों युवक दिखाई दे रहे है, उनकी पहचान और तलाश के लिए पुलिस टीमें जुटीं है, जल्द ही उनको पकड़ लिया जाएगा। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

जाइए। बातों में आकर वह रशीदिया स्कूल रोड के सामने एक मकान की सीढ़ियों पर बैठ गई। युवकों ने अपनापन दिखाते हुए पूछा कि अम्मा जी क्या खाओगी। इसके बाद एक युवक ने पैसों की एक गड्डी निकालकर उनके हाथ में थमा दी और कहा कि यह रकम आप अपने पास रख लो।

आरोपियों ने इसके बाद महिला से कहा कि आपको हम पर विश्वास है तो अपने सोने-चांदी के आभूषण उतारकर हमें दे दीजिए, बदले में हम आपको यह रकम दे रहे हैं। झांसे में आकर केसरी बाई ने अपने सोने के कान के टॉप्स, गले की चांदी की चेन और सोने का मंगलसूत्र उतारकर अपने ही लाल कपड़े के झोले में रख दिए। इसी दौरान आरोपियों ने चालाकी से नोटों की असली गड्डी निकाल ली और उसकी जगह कागज व पत्थरों से भरी नकली गड्डी रख दी। इसके बाद आरोपियों ने झोला महिला को वापस थमाते हुए कहा कि दस्ती में आपकी रकम बंधी है। हम आपके लिए नाश्ता लेकर आते हैं, आप यहीं बैठिए। महिला काफी देर तक उनका इंतजार करती रही, लेकिन दोनों युवक वापस नहीं लौटे। संदेह होने पर उन्होंने झोले में रखी गड्डी खोली तो उसमें पत्थर और कागज निकले। तब उन्हें ठगी का एहसास हुआ। घबराई महिला ने तत्काल अपने बेटे गोलू को फोन कर मौके पर बुलाया।

विधानसभा में सुनाई देगी भोपाल नगर निगम के कारनामों की गूंज

सबसे ज्यादा स्लाटर हाउस मामले में विपक्ष ने लगाए तारांकित प्रश्न

भोपाल (नगर संवाददाता)

इस महीने होने वाला विधानसभा सत्र हंगामेदार रहेगा। विपक्ष के निशाने पर नगर निगम भोपाल के कारनामे रहेंगे। इसके लिए लगभग 30 से अधिक प्रश्न की जानकारी पक्ष-विपक्ष के विधायकों ने निगम से मांगी है। इसकी डेडलाइन 12 फरवरी है। यानि अगले दो दिन में निगम को पूरी जानकारी बनाकर भेजना है।

सभी अधिकारी इसी काम में लगे नजर आ रहे हैं। अधिकारियों को सबसे ज्यादा चिंता स्लाटर हाउस मामले को लेकर दिखाई दे रही है, क्योंकि सबसे ज्यादा प्रश्न स्लाटर हाउस मामले को लेकर ही लगें हैं।दरअसल 16 फरवरी से मध्य प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र शुरू होने वाला है। बीते एक महीने से विधायकों की ओर से प्रश्न लगाए जा रहे थे। नगरीय प्रशासन से जुड़े प्रश्नों पर चर्चा सदन में 20 फरवरी को होगी। इसके मद्देनजर भोपाल नगर निगम से मांगी गई जानकारियां एकत्रित की जा रही हैं। सोमवार को निगम मुख्यालय में ज्यादातर अधिकारी विधानसभा प्रश्नों की जानकारी देने वाली फाइलों पर मंथन करते नजर आए।

निगम अधिकारियों ने बताया कि सभी जानकारियां बीते सप्ताह ही तैयार कर ली गई थीं। अब जवाब बनाकर भेजे जा रहे हैं। इसकी अंतिम तारीख 12 फरवरी है। अधिकारी बताते हैं कि लंबे समय बाद भोपाल नगर निगम से संबंधित सबसे ज्यादा प्रश्न लगे हैं।

स्लाटर हाउस मामले में होगा हंगामा

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भोपाल गौमांस परिवहन की जांच, आरिफ मसूद ने भोपाल स्लॉटर हाउस संचालन, हेमंत सत्यदेव कटारे ने भोपाल स्लाटर हाउस में गौवंश का वध व मांस परिवहन और देवेन्द्र पटेल ने पीपीपी मोड पर संचालित पशुवध गृह की जानकारी मांगी है। विपक्ष की ओर से लगाए गए विधानसभा प्रश्नों में सबसे ज्यादा भोपाल स्लाटर हाउस मामले में जानकारी मांगी गई है।

आवारा कुत्ते, स्ट्रीट लाइट और गंदे पानी पर सवाल

नितेन्द्र बृजेन्द्र सिंह राठौर ने वॉटर टेस्टिंग लैब, अजय अर्जुन सिंह ने पेयजल में दूषित पानी की जांच को लेकर प्रश्न लगाए हैं। वहीं आतिफ आरिफ अकील ने भोपाल की स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत एवं रखरखाव, भगवानदास सबनानी ने अमृत 2.0 में वॉटर और सीवेज लाइन, सुनील उईके ने संबल घोटाला, अभिलाष पाण्डे ने आवारा कुत्तों के नियंत्रण, आतिफ आरिफ अकील ने सीवेज लाइन डालने में अनियमितता, मधु भगत ने नरेला जोड़ के अवैध अतिक्रमणों को लेकर प्रश्न लगाए हैं।

राजधानी में निर्माण कार्य के चलते लोग परेशान

सावधान! सड़कों की धूल-मिट्टी कर रही फेफड़े खराब

भोपाल (नगर संवाददाता)

शहरों में तेजी से हो रहा निर्माण विकास की रफ्तार तो दिखा रहा है, लेकिन इसके साथ एक खामोश स्वास्थ्य संकट भी गहराता जा रहा है। रेत, पत्थर और सीमेंट से उड़ने वाली धूल अब केवल निर्माण स्थलों तक सीमित नहीं रही, बल्कि रिहायशी इलाकों, स्कूलों और अस्पतालों तक पहुंचकर लोगों की सांसों पर सीधा हमला कर रही है। भोपाल सहित प्रदेश के कई शहरों में बच्चे और बुजुर्ग सबसे ज्यादा इसकी चपेट में हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, हवा में घुले सूक्ष्म कण फेफड़ों में जाकर गंभीर और स्थायी बीमारियों की वजह बन रहे हैं।

सांस रोग विशेषज्ञ डॉ. लोकेन्द्र दवे के अनुसार, पीएम 2.5 जैसे बेहद बारीक कण लंबे समय तक फेफड़ों में सूजन पैदा करते हैं। इसके चलते सीओपीडी, क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस और एंफाइसीमा जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। लगातार दूषित हवा के संपर्क में रहने से फेफड़ों के कैंसर और किडनी रोग तक की आशंका रहती है।

फेफड़ों के भीतर जमा हो रही सिलिका: निर्माण स्थलों से उडऩे वाले सूक्ष्म सिलिका कण इतने बारीक होते हैं कि ये सांस के साथ सीधे फेफड़ों के अंदर

एल्वियोली तक पहुंच जाते हैं। यही एल्वियोली शरीर में ऑक्सीजन के आदान-प्रदान का काम करते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, जब ये पारदर्शी कण वहां जमा होते हैं तो धीरे-धीरे सांस की तकलीफ और स्थायी नुकसान शुरू हो जाता है।

30 फीसदी सांस के मरीज बढ़े

108 एंबुलेंस रेकॉर्ड के अनुसार, वर्ष 2025 में सांस रोग के 1,321 से अधिक मरीज अस्पताल पहुंचे। 2024 में यह संख्या 1,026 और 2023 में 985 थी। ठंड और धूल के मौसम में ओपीडी में सांस रोग के मामले 25 से 30 प्रतिशत तक बढ़ जाते हैं।

गंभीर बीमारियों का खतरा

भोपाल सहित अन्य शहरों में सिलिका युक्त धूल के कारण सिलिकोसिस, न्यूमोकोनियोसिस, सीओपीडी, क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस, एंफाइसीमा, फेफड़ों का कैंसर बढ़ रहा है। लंबे समय तक दूषित हवा में रहने से ये बीमारियां शरीर को जकड़ लेती हैं।

कच्ची सड़कें बढ़ा रहीं धूल

भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर समेत प्रदेश के 55 जिला मुख्यालयों में से 29 की वायु गुणवत्ता खतरे के स्तर से ऊपर है। इन शहरों की हवा में 18 से 20 प्रतिशत पीएम 2.5 सूक्ष्म कण पाए गए हैं। सीईईडब्ल्यू के अध्ययन के मुताबिक, खुदाई, सड़क निर्माण, निर्माण स्थलों पर वाहनों की आवाजाही धूल के मुख्य स्रोत हैं।

क्राइम ब्रांच ने दी कर्मचारियों-अधिकारियों को सलाह

एपीके फाइल डाउनलोड न करें हो सकती है सायबर ठगी

भोपाल (नगर संवाददाता)

देशभर के सरकारी अधिकारियों, कर्मचारियों को इन दिनों 8वें वेतन आयोग का बेसब्री से इंतजार है। हर कोई यह जानना चाहता है कि इससे उन्हें कितना लाभ मिलेगा, सैलरी में कितना इजाफा होगा! अधिकारियों कर्मचारियों की इसी जिज्ञासा का साइबर ठग फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं। 8वें वेतन आयोग में अधिकारियों कर्मचारियों की सैलरी कितनी होगी, इसके नाम पर उन्हें ठगने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि

इस मामले में मध्यप्रदेश पुलिस ने जागरूकता और सक्रियता दिखाई है। पुलिस ने इस संबंध में सलाह जारी करते हुए कर्मचारियों, अधिकारियों को सतर्क रहने को कहा है। भोपाल क्राइम ब्रांच ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि कोई भी कर्मचारी, अधिकारी 8 वें वेतन आयोग से संबंधित एंड्रायड पैकिट किट (एपीके) फाइल डाउनलोड ना करें। अन्यथा उनके एकाउंट खाली हो सकते हैं।

8 वें वेतन आयोग में वेतन में होनेवाली बढ़ोत्तरी जानने के लिए कर्मचारियों, अधिकारियों की बेताबी का साइबर बदमाश लाभ उठाने के लिए ठगी के नए तरीके अपना रहे हैं। वे प्रदेश के सरकारी अमले को एपीके फाइल के साथ मैसेज कर रहे हैं।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक **अभिषेक जोशी** द्वारा लक्की ऑफसेट 267 प्रगति नगर शहंशाह गार्डन भोपाल (म.प्र.) मुद्रित एवं म.नं. ई-100/22 शिवाजी नगर भोपाल मध्यप्रदेश से प्रकाशित।
सम्पादक : **अभिषेक जोशी** (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।)